

भारत का राजपत्र

The Gazette of India



प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 26] नई दिल्ली, शनिवार, जून 26, 1976/आषाढ़ 5, 1898
No. 26] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 26, 1976/ASADHA 5, 1898

इस भाग में अलग-अलग संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गये साधारण नियम
जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the
Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central
Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

NOTICE

The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to the 31st January 1976 :—

Issue No.	No. and date	Issued by	Subject
1	2	3	4
1.	सा० का० नि० 1 (अ), दिनांक 1 जनवरी 1976 G.S.R. 1(E), dated the 1st January 1976.	वाणिज्य मंत्रालय Ministry of Commerce	तम्बाकू बोर्ड नियम 1976 The Tobacco Board Rules 1976.
2.	सा० का० नि० 2 (अ), दिनांक 1 जनवरी 1976 G.S.R. 2(E), dated the 1st January 1976.	गृह मंत्रालय Ministry of Home Affairs	राज्य भाषा (विधेयकों के हिन्दी अनुवाद के प्राधिकरण की रीति) The Official Language (Manner of Authorisation of Hindi Translation of Bills) Rules, 1976.
3.	सा० का० नि० 3 (अ), दिनांक 1 जनवरी 1976 G.S.R. 3(E), dated the 1st January 1976.	वित्त मंत्रालय Ministry of Finance	अधिमूचना सं० 39/73-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च 1973 में संशोधन। Amendment of the Notn. No. 39/73-Central Excise, dated the 1st March 1973.

1	2	3	4
4.	सा० का० नि० 4(प्र), दिनांक 1 जनवरी, 1976। G.S.R. 4(E), dated the 1st January 1976.	वित्त मंत्रालय Ministry of Finance	विदेशी करेंसी से भारतीय करेंसी और भारतीय करेंसी से विदेशी में स-परिवर्तन के लिये विनियम की दें। Rate of exchange for conversion of foreign currency into Indian currency or <i>vice versa</i> .
5.	सा० का० नि० 5(प्र), दिनांक 1 जनवरी, 1976। G.S.R. 5(E) dated the 1st January 1976.	तदैव Do.	अधिसूचना सं० 28/75-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च 1975 में संशोधन। Amendment in the Notn. No. 28/75-Central Excises, dated the 1st March, 1975.
	सा० का० नि० 6(प्र), दिनांक 1 जनवरी, 1976। G.S.R. 6(E), dated the 1st January 1976.	तदैव Do.	अधिसूचना सं० 2/75-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 2 जनवरी 1975 को विध्वंसित करना। Rescinds the Notn. No. 2/75-Central Excises, dated the 2nd January, 1975.
6.	सा० का० नि० 7(प्र), दिनांक 1 जनवरी, 1976। G.S.R. 7(E), dated the 1st January 1976.	मंत्रिमंडल सचिवालय Cabinet Secretariat	कर्नाटक सरकार के परामर्श से, भारतीय प्रशासनिक सेवा (संशर्ग) संख्या का नियतन) विनियम 1955 में संशोधन। In consultation with the Government of "Karnataka" amend the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulation 1955.
	सा० का० नि० 8(प्र), दिनांक 2 जनवरी, 1976। G.S.R. 8(E) dated the 1st January 1976.	मंत्रिमंडल सचिवालय Cabinet Secretariat	कर्नाटक सरकार के परामर्श से, भारतीय प्रशासनिक सेवा (वेतन) नियम, 1954 में और संशोधन। In consultation with the Govt. of Karnataka further amend the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954.
7.	सा० का० नि० 9(प्र), दिनांक 1 जनवरी, 1976। G.S.R. 9(E), dated the 2nd January 1976.	कृषि और सिंचाई मंत्रालय Ministry of Agriculture and Irrigation	उर्वरक (संचयन नियंत्रण) चतुर्थ संशोधन आदेश, 1975 The Fertiliser (Movement Control), Fourth Amendment Order, 1975.
8.	सा० का० नि० 10(प्र), दिनांक 2 जनवरी, 1976। G.S.R. 10(E), dated the 2nd January 1976.	विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय Ministry of Law, Justice and Company Affairs	अधिसूचना सं० सा० का० नि० 494(प्र) दिनांक 16 सितम्बर 1975 का शुद्धि-पत्र। Corrigendum to Notn. No. G.S.R. 494(E) dated the 16th September 1975.
9.	G.S.R. 11(E), dated the 3rd January 1976.	Ministry of Law, Justice and Company Affairs	Corrigenda to Notn. No. G.S.R. 583(E), dated the 10th December, 1975.
10.	सा० का० नि० 12(प्र), दिनांक 5 जनवरी, 1976। G.S.R. 12(E), dated the 5th January 1976.	कृषि और सिंचाई मंत्रालय Ministry of Agriculture and Irrigation	अधिसूचना सं० सा० का० नि० 515(प्र)/आ०००/ई०, तारीख 1 अक्टूबर 1975 का शुद्धि-पत्र Errata to Notn. No. G.S.R. 515/(E)/Ess. Com/ Sugar, dated the 1st October, 1975.
11.	सा० का० नि० 13(प्र), दिनांक 5 जनवरी, 1976। G.S.R. 13(E), dated the 5th January 1976.	तदैव Do.	उर्वरक (संचयन नियंत्रण) संशोधन आदेश, 1976 The Fertiliser (Movement Control) Amendment Order, 1976.
12.	G.S.R. 14(E), dated the 5th January 1976.	Do.	Errata to Notn. No. G.S.R. 571(E)/Ess. Com./Sugar dated the 29th November, 1975.
13.	G.S.R. 15(E), dated the 6th January 1976.	Ministry of Agriculture and Irrigation	Errata to the Notn. No. G.S.R. 403(E) Ess. Com./Sugar dated the 11th July, 1975.
14.	सा० का० नि० 16(प्र), दिनांक 8 जनवरी, 1976। G.S.R. 16(E), dated the 8th January 1976.	गृह मंत्रालय Ministry of Home Affairs	संविधान के अनुच्छेद 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों के लिये न्यायालय में समावेदन करने के अधिकार की आपात स्थिति में निलम्बित करना Suspension of article 19 of the Constitution to move any court for the enforcement of the right during Emergency.
15.	सा० का० नि० 17(प्र), दिनांक 8 जनवरी, 1976। G.S.R. 17(E), dated the 8th January 1976.	वित्त मंत्रालय Ministry of Finance	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (तृतीय संशोधन) नियम, 1976 The Central Excise (Third Amendment) Rules 1976.

1	2	3	4
16. सा० का० नि० 18(प्र), दिनांक 9 जनवरी 1976।	वित्त मंत्रालय	ग्रे पोर्टलैंड सीमेंट कारखाने से हटायें जाते समय उद्ग्रहणीय शुल्क से छूट	
16. G.S.R. 18(E), dated the 9th Jan., 1976.	Ministry of Finance	Exemption of grey port-land Cement at the time of removal from factory.	
17. सा० का० नि० 19(प्र), दिनांक 12 जनवरी 1976।	विदेश मंत्रालय	सिक्किम राज्य में संयुक्त राष्ट्र संघ (विशेषाधिकार और अश्रुतिका) अधि- नियम, 1947 की तारीख लागू करना।	
17. G.S.R. 19 (E), dated the 12th Jan., 1976.	Min. of External Affairs	Fixation of date of United Nations (Privileges and Immunities) Act 1947 for the Statte of Sikkim.	
18. G.S.R. 20(E), dated the 12th Jan., 1976.	Min. of Works and Housing	Corrigendum to G.S.R. 1883 of 25th November, 1971.	
19. सा० का० नि० 21(प्र), दिनांक 12 जनवरी 1976।	स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय	औषधि-द्रव्य और प्रसाधन सामग्री (संशोधन) नियम, 1975	
19. G.S.R. 21(E), dated the 12th Jan., 1976.	Min. of Health and Family Planning	Drugs and Cosmetics, (Amendment) Rules, 1975.	
20. सा० का० नि० 22(प्र), दिनांक 12 जनवरी 1976।	वित्त मंत्रालय	वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) अधिसूचना सं० 43/74 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ता० 1 मार्च, 1974 और 40/75 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ता० 1 मार्च, 1975 में आगे संशोधन।	
20. G.S.R. 22(E), dated the 12th Jan. 1976.	Min. of Finance	Further amendments to Min. of Fin. (Deptt. of Rev. and Ins.) Nos. 43/74, -Central Excise of 1-3-74 and 40/75-Central Excise of 1-3-75.	
सा० का० नि० 23(प्र), दिनांक 12 जनवरी 1976। G.S.R. 23(E), dated the 12th Jan., 1976.	वित्त मंत्रालय Min. of Finance	वित्त मंत्रालय (राजस्व व बीमा विभाग) सं० 67/73 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क 1-3-73 में आगे संशोधन। Further amendment to the Min. of Fin. (Deptt. of Rev and Ins.) No. 67/73-Central Excises of 1-3-73.	
21. सा० का० नि० 24(प्र) दिनांक 14 जनवरी 1976।	कृषि और सिंचाई मंत्रालय	खाद (नियंत्रण) अधिनियम, 1957 में आगे संशोधन	
21. G.S.R. 24(E), dated the 14th Jan., 1976.	Min. of Agri. and Irrigation	Further amendment to Fertiliser (control) Order, 1957.	
22. सा० का० नि० 25(प्र), दिनांक 17 जनवरी 1976।	मंत्रिमण्डल सचिवालय	भारतीय प्रशासन सेवा (केडर स्ट्रेंथ नियतन) विनियमन, 1955 में आगे संशोधन।	
22. G.S.R. 25(E), dated the 17th Jan., 1976.	Cabinet Secretariat	Further amendment to Indian Admn. Services (Fixation of Cadre Strength) Regulation, 1955.	
सा० का० नि० 26(प्र), दिनांक 17 जनवरी, 1976। G.S.R. 26(E), dated the 17th Jan., 1976.	मंत्रिमण्डल सचिवालय Cabinet Secretariat	भारतीय प्रशासन सेवा (वेतन) नियम, 1954 में आगे संशोधन Further amendment to the Indian Admn. Services (Pay) Rules, 1954.	
23. सा० का० नि० 27(प्र), दिनांक 19 जनवरी 1976। G.S.R. 27 (E), dated 19th Jan. 1976.	वित्त मंत्रालय Min. of Fin.	सीमा शुल्क (नामों का प्रकाशन) नियम, 1975 Customs (Publication of names) Rules 1975.	
24. सा० का० नि० 28(ई), दिनांक 19 जनवरी 1976।	वित्त मंत्रालय	राष्ट्रीय बचत पत्र (4-निर्गम) (संशोधन) नियम, 1976	
24. G.S.R. 28(E), date the 19th Jan., 1976.	Min. of Fin.	National Savings Certificate (IV-Issue) (Amendment) Rules, 1976.	
सा० का० नि० 29(ई), दिनांक 19 जनवरी 1976। G.S.R. 29(E), dated the 19th Jan. 1976.	वित्त मंत्रालय Min. of Finance	राष्ट्रीय बचत पत्र (5-निर्गम) (संशोधन) नियम, 1976। National Savings (Certificate (V. Issue) (Amendment) Rules, 1976.	
25. सा० का० नि० 30(ई), दिनांक 21 जनवरी 1976।	गृह मंत्रालय	राष्ट्रपति द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य के संबंध में उद्घोषणा	
25. G.S.R. 30(E), dated the 21st Jan., 1976.	Min. of Home Affairs	Proclamation by the President in relation to the State of Uttar Pradesh.	

1	2	3	4
26. सा० का० नि० 31(ई), दिनांक 21 जनवरी, 1976। G.S.R. 31(E), dated the 21st Jan., 1976.	वित्त मंत्रालय Min. of Finance	वित्त मंत्रालय (आर्थिक-कार्य विभाग) दिनांक 20-10-75 अधिसूचना सं० सा० का० नि० 533(अ) में संशोधन। Corrigendum to G.S.R. 533 (E) of 20-10-75 of Min. of Fin. (Deptt. of Economic Affairs).	
सा० का० नि० 32(ई), दिनांक 21 जनवरी, 1976। G.S.R. 32(E), dated the 21st Jan., 1976.	तदेव Do.	वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) दिनांक 20-10-75 अधिसूचना सं० सा० का० नि० 534 (अ) में संशोधन। Corrigendum to G.S.R. 534(E) of 20-10-75 of Min. of Fin. (Deptt. of Economic Affairs).	
27. सा० का० नि० 33(अ), दिनांक 22 जनवरी, 1976। G.S.R. 33(E), dated the 22nd January, 1976.	स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय Ministry of Health and Family Planning.	औषधि-द्रव्य और प्रसाधन सामग्री (संशोधन) नियम, 1975 The Drugs and Cosmetics (Amendment) Rules, 1975.	
28. सा० का० नि० 34(अ),/ आ०ब० दिनांक 22 जनवरी, 1976। G.S.R. 34(E)/Ess. dated the 22nd January, 1976.	कृषि और सिंचाई मंत्रालय Ministry of Agriculture and Irrigation.	उपायुक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट आदेशों का सिक्किम राज्य में विस्तारित और प्रवृत्त होना। Extension and inforcement of the specified schedule annexed hereto in the state of Sikkim.	
29. सा० का० नि० 35(ई), दिनांक 23 जनवरी, 1976। G.S.R. 35(E), dated the 23rd Jan., 1976.	वित्त मंत्रालय Ministry of Finance	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 में आगे और संशोधन। Further amendment to the Central Excise Rules, 1944.	
सा० का० नि० 36(ई), दिनांक 23 जनवरी, 1976। G.S.R. 36(E), dated the 23rd Jan., 1976.	तदेव Do.	केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निवेश करती है। Duties leviable to certain items under Central Excise Rules, 1944.	
सा० का० नि० 37(अ), दिनांक 23 जनवरी, 1976। G.S.R. 37(E), dated the 23rd Jan., 1976.	तदेव Do.	उत्पाद शुल्क माल को उद्ग्रहणीय शुल्क के उतने भाग से छूट देना। Exemption of certain Excisable goods.	
30. सा० का० नि० 38(अ), दिनांक 23 जनवरी, 1976। G.S.R. 38(E), dated the 23rd January, 1976.	श्रम मंत्रालय Ministry of Labour	शिक्षता नियम, 1962 में और संशोधन करना। To amend the Apprenticeship Rules, 1962.	
31. सा० का० नि० 39(अ), दिनांक 24 जनवरी, 1976। G.S.R. 39(E), dated the 24th January, 1976.	वित्त मंत्रालय Ministry of Finance	केन्द्रीय सरकार सीमा-शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क वापसी नियम, 1971 में और संशोधन करना। To amend the Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1971.	
32. सा० का० नि० 40(अ), दिनांक 24 जनवरी, 1976। G.S.R. 40(E), dated 24th Jan., 1976.	पेट्रोलियम मंत्रालय Ministry of Petroleum	ऐसी शर्तों जो केन्द्रीय सरकार द्वारा बर्मा शेल प्रायल स्टोरेज एण्ड डिस्ट्री-ब्यूटिंग कम्पनी प्रा. लि. इण्डिया लि० पर लगाई गई। Imposition of terms and conditions on Burmah-Shell Oil Storage and Distributing Company of India Ltd. by the Central Govt.	
33. सा० का० नि० 41(अ), दिनांक 27 जनवरी, 1976। G.S.R. 41(E), dated the 27th Jan., 1976.	गृह मंत्रालय Ministry of Home Affairs	विदेशियों का रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1939 और विदेशियों विषयक अधिनियम 1946 का सिक्किम राज्य में प्रवृत्त होना। Fixation of dates of Registration of Foreigners Act, 1939 and Foreigners Act, 1946 in the State of Sikkim.	
सा० का० नि० 42(अ), दिनांक 27 जनवरी, 1976। G.S.R. 42(E), dated the 27th Jan., 1976.	तदेव Do.	विदेशियों का रजिस्ट्रीकरण, नियम, 1939, 1 मार्च, 1976 को सिक्किम राज्य में विस्तारित होंगे और उसमें प्रवृत्त होंगे। Extension and Enforcement of Registration of Foreigners Rules, 1939 in the State of Sikkim from 1-3-1976.	
सा० का० नि० 43(अ), दिनांक 27 जनवरी, 1976। G.S.R. 43(E), dated the 27th Jan., 1976.	तदेव Do.	विदेशियों विषयक आदेश, 1948 और विदेशी (चीनी राष्ट्रियों पर निर्बन्धान) आदेश, 1962 1 फरवरी, 1976 को सिक्किम राज्य में विस्तारित और प्रवृत्त होंगे। Extension and enforcement of Foreigners Order, 1948 and Foreigners (Registration on Chinese Nationals) Order, 1962 in the State of Sikkim from 1-2-1976.	

1	2	3	4
सा० का० नि० 44(अ), दिनांक 27 जनवरी, 1976। G.S.R. 44(E), dated the 27th Jan., 1976	गृह मंत्रालय Ministry of Home Affairs	विदेशी (छूट) आदेश 1957 1 फरवरी, 1976 को सिक्किम राज्य पर विस्तारित होगा और उसमें प्रवृत्त होगा। Extension and Enforcement of Foreigners (Exemption) Order, 1957 in the State of Sikkim from 1-2-1976.	
सा० का० नि० 45(अ), दिनांक 27 जनवरी, 1976। G.S.R. 45(E), dated 27th Jan., 1976.	तदेव Do.	विदेशी (संरक्षित क्षेत्र) आदेश, 1958 1 फरवरी, 1976 सिक्किम राज्य पर विस्तारित होगा और उसमें प्रवृत्त होगा तथा आदेश के पैरा 1 में उप-पैरा (3) में "सिक्किम के प्रजाजन" शब्दों का लोप किया जाएगा। Extension and enforcement of Foreigners (Protected Areas) Order, 1958 in the State of Sikkim from 1-2-76 and omission of words "subjects of Sikkim" of sub-para (3) of Para 1.	
सा० का० नि० 46(अ), दिनांक 27 जनवरी, 1976। G.S.R. 46(E), dated the 27th Jan., 1976.	तदेव Do.	विदेशी (नजरबन्दी) आदेश, 1962 1 फरवरी, 1976 को सिक्किम राज्य पर विस्तारित होगा और उसमें प्रवृत्त होगा। Extension and enforcement of Foreigners (Internment) Order, 1962 in the State of Sikkim from 1-2-76.	
सा० का० नि० 47(अ), दिनांक 27 जनवरी, 1976। G.S.R. 47(E), dated the 27th Jan., 1976.	तदेव Do.	विदेशी (निर्बन्धित क्षेत्र) आदेश, 1963 1 फरवरी, 1976 को सिक्किम राज्य पर विस्तारित होगा और उसमें प्रवृत्त होगा। और उक्त आदेश के पैरा, 3 के प्रथम परन्तुक के खण्ड (क) में, "या सिक्किम" शब्दों का लोप किया जाएगा। Extension and enforcement of Foreigners (Restricted Areas) Order, 1963 in the State of Sikkim from 1-2-76 and omission of "Or Sikkim" in clause (a) of the first Proviso to para, 3.	
सा० का० नि० 48(अ), दिनांक 27 जनवरी, 1976। G.S.R. 48(E), dated the 27th Jan., 1976.	तदेव Do.	विदेशी (निवास पर निर्बन्धन) आदेश, 1968 1 फरवरी, 1976 को सिक्किम राज्य पर विस्तारित होगा और उसमें प्रवृत्त होगा। Extension and enforcement of Foreigners (Restrictions on Resi- dence) Order, 1968 in the State of Sikkim from 1-2-76.	
34 सा० का० नि० 49(अ), दिनांक 28 जनवरी, 1976। G.S.R. 49(E), dated the 28th Jan., 1976.	कृषि और सिंचाई मंत्रालय Ministry of Agriculture and Irrigation.	उर्वरक (संचलन नियंत्रण) द्वितीय (संशोधन) आदेश, 1976 Fertiliser (Movement Control) 2nd (Amendment) Order, 1979.	
35 सा० का० नि० 50(अ), दिनांक 29 जनवरी, 1976। G.S.R. 50(E), dated the 29th Jan., 1976.	मंत्रिमंडल सचिवालय Cabinet Secretariat	भारतीय पुलिस सेवा (संयोजन सख्या का नियम) पहला संशोधन विनियम, 1976। Indian Police Service (Fixation of Cadre Strength) First Amend- ment Regulations, 1976.	
सा० का० नि० 51(अ), दिनांक 29 जनवरी, 1976। G.S.R. 51(E), dated the 29th Jan., 1976.	तदेव Do.	भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) पहला संशोधन विनियम, 1976 Indian Police Service (Pay) First Amendment Rules, 1976.	
36 सा० का० नि० 52(अ), दिनांक 30 जनवरी, 1976। G.S.R. 52(E), dated the 30 Jan., 1976.	कृषि और सिंचाई मंत्रालय Ministry of Agriculture & Irrigation	सा० का० नि० 211 (अ), दिनांक 29 अप्रैल, 1975 में संशोधन। Corrigendum to G.S.R. 211(E) of 29th April, 1975.	
37 सा० का० नि० 53(अ), दिनांक 30 जनवरी, 1976। G.S.R. 53(E), dated the 30th Jan., 1976.	तदेव Do.	भारतीय खाद्य निगम में सचिव की नियुक्ति Appointment of Secretary of the Food Corporation of India.	
38 सा० का० नि० 54(अ), दिनांक 31 जनवरी, 1976। G.S.R. 54(E), dated the 31st Jan., 1976	विदेश मंत्रालय Ministry of External Affairs	केन्द्रीय सरकार द्वारा कुछ राज्यों के मुख्य सचिवों के अपराध के लिए अभियोजन की स्वीकृति प्रदान करने का प्राधिकार। Powers to Chief Secretaries by the Central Govt. for certain States for Prosecution in respect of an offence.	
39 सा० का० नि० 55(अ), दिनांक 31 जनवरी, 1976। G.S.R. 55(E), dated the 31st Jan., 1976.	गृह मंत्रालय Ministry of Home Affairs	राष्ट्रपति द्वारा उद्घोषणा सर्वसाधारण के सूचनायें प्रकाशित। Proclamation by the President for general Information.	

1	2	3	4
	सा० का० नि० 56(अ), दिनांक 31 जनवरी, 1976। G.S.R. 56(E), dated the 31st Jan., 1976.	गृह मंत्रालय Ministry of Home Affairs	राष्ट्रपति द्वारा आवेश सर्वसाधारण के सूचनार्थ प्रकाशित Order by the President for general Information.
40	सा० का० नि० 57(अ), दिनांक 31 जनवरी, 1976। G.S.R. 57(E), dated the 31st Jan., 1976.	वित्त मंत्रालय Ministry of Finance	यूनिटों में खांडसारी चीनी के विनिर्माण के लिए स्थापित विभिन्न आकारों के उप-केन्द्रों (सेन्ट्रीफ्यूगल) के लिए दरें नियत करना। Fixation of Different Sizes of Centrifugals installed for the manufacture of Khandsari Sugar.
	सा० का० नि० 58(ई), दिनांक 31 जनवरी, 1976। G.S.R. 58(E), dated the 31st Jan., 1976.	तदेव Do.	खांडसारी चीनी के विनिर्माण के लिए उपकेन्द्रों की शुल्क की दरें नियत करना। Fixation of rates of duty of sizes of Centrifugals manufacturing for Khandsari Sugar.
	सा० का० नि० 59(ई), दिनांक 31 जनवरी, 1976। G.S.R. 59(E), dated the 31st Jan., 1976.	तदेव Do.	चीनी का टैरिफ मूल्य नियत करना Fixation of tariff value of Sugar.
41	सा० का० नि० 60(ई), दिनांक 31 जनवरी, 1976। G.S.R. 60(E), dated the 31st Jan., 1976.	मंत्रिमंडल सचिवालय Cabinet Secretariat	भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग के पदों की संख्या का नियतन) तीसरा संशोधन विनियम, 1976 है। Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Third Amendment Regulations, 1976.
	सा० का० नि० 61(ई), दिनांक 31 जनवरी, 1976। G.S.R. 61(E), dated the 31st January, 1976.	तदेव Do.	भारतीय प्रशासन सेवा (वेतन) चौथा संशोधन नियम, 1976 है। Indian Administrative Service (Pay) Fourth Amendment Rules, 1976.

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 5 जून, 1976

सा० का० नि० 900.—प्रखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सम्बद्ध राज्य सरकारों से परामर्श करने के पश्चात् केन्द्रीय सरकार भारतीय प्रशासनिक सेवा (वेतन) नियम, 1954 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय प्रशासनिक सेवा (वेतन) ग्यारहवां (संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये जनवरी, 1973 के प्रथम दिन को प्रवृत्ति सम्मने जाएंगे।

2. भारतीय प्रशासनिक सेवा (वेतन) नियम, 1954 में,—

(1) नियम 5 के उपनियम (1) में—

(क) खण्ड (II) में “किसी काडर पद में उसको नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष की सेवा पूरी हो जाने पर प्रोद्भूत होगी” शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द और श्रृंखला रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“यथास्थिति, भारतीय प्रशासनिक सेवा में उसको नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष की सेवा पूरी हो जाने पर या अनुसूची-II के अनुभाग 1 या 2 के उपबन्धों के अनुसरण में उसका वेतन नियत किए जाने की तारीख से एक वर्ष पूरा होने पर, प्रोद्भूत होगी” ;

(ख) द्वितीय परन्तुक के खण्ड (i) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(i) प्रोन्नत अधिकारी द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा के उपेष्ट वेतनमान में वेतनवृद्धि लेने के लिए एक वर्ष की सेवा की गणना करने के प्रयोजन के लिए किसी भी संवर्ग पद में की गई सेवा की विच्छिन्न अवधियां, जो कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (काडर) नियम, 1954 के नियम 9 के अनुसार हैं, हिसाब में ली जाएंगी” ;

(ii) अनुसूची 2 के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जाएगी, अर्थात् :—

“अनुसूची-2

(नियम 4 और 5 देखिए)

भारतीय प्रशासनिक सेवा में नियुक्ति पर प्रोन्नत अधिकारी और काडर पदों पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त राज्य सेवा के सदस्यों का वेतन नियत करने के सिद्धांत

(i) ‘वास्तविक वेतन’ पद से चाहे निम्नतर वेतनमान में या उच्चतर वेतनमान में, वह वेतन अभिप्रेत है जिसका कि राज्य सिविल सेवा का अधिकारी उस सेवा के काडर में अपने अधिष्ठापी स्थान के आधार पर हकदार है, और इसके अन्तर्गत 1 जनवरी, 1973 के पश्चात् मंहगाई भत्ता भी आता है, यदि राज्य सरकार ने उक्त तारीख को राज्य सिविल सेवा को लागू वेतनमानों को इस प्रकार से पुनरीक्षित नहीं किया है कि उनके

अन्तर्गत महंगाई भत्ते की पूरी रकम या उसका कोई भाग सम्मिलित किया जाए;

- (ii) "प्रकल्पित वेतन" के पद से वेतन अभिप्रेत है, और यदि राज्य सरकार ने जनवरी, 1973 को राज्य सिविल सेवा को लागू वेतनमानों को इस प्रकार से पुनरीक्षित न किया हो कि उनके अन्तर्गत महंगाई भत्ते की पूरी रकम या उसका कोई भाग सम्मिलित किया जाए तो, उनके अन्तर्गत उक्त तारीख के पश्चात् वह महंगाई भत्ता भी है जो उच्चतर वेतनमान में स्थापनापन्न रूप से कार्य करने वाला या उसमें पुष्ट किया गया राज्य सिविल सेवा का अधिकारी अपनी सेवा के निम्नतर वेतनमान में (जिसके अन्तर्गत उच्चतर वेतनमान नहीं है), उच्चतर वेतनमान में स्थापनापन्न रूप से कार्य न करने या उसमें पुष्ट न होने की वशा में लेता।
- (iii) 'उच्चतर वेतनमान' पद से अभिप्रेत है 1 जनवरी, 1973 को यथाप्रवृत्त राज्य सिविल सेवा के लिए विहित 'निम्नतर वेतनमान' से उच्चतर वेतनमान ;
- (iv) इस अनुसूची में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, 'निम्नतर वेतनमान' पद से अभिप्रेत है 1 जनवरी, 1973 को यथा प्रवृत्त राज्य सिविल सेवा के लिए विहित सामान्य या निम्नतम वेतनमान।

अनुभाग 1—नियम 4(3) के अन्तर्गत आने वाले प्रोन्नत अधिकारियों के आरम्भिक वेतनकाल का नियतन।

(1) प्रोन्नत अधिकारी का आरम्भिक वेतन भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान में उस प्रक्रम पर नियुक्त किया जाएगा जो, यथास्थिति, निम्नतर वेतनमान में उसके वास्तविक वेतन या प्रकल्पित वेतन के, राज्य सिविल सेवा में प्रत्येक तीन वर्ष की सेवा के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान में एक वेतनवृद्धि को पर धर से उसमें वृद्धि करने के पश्चात्, समतुल्य हो ; पारिणामिक वृद्धि राज्य सिविल सेवा में उसके वेतन के न्यूनतम 200 रुपए और अधिकतम 300 रुपए तक सीमित होगी ;

परन्तु,—

- (i) जहाँ न्यूनतम या अधिकतम वृद्धि को जोड़ने के पश्चात् निकलने वाली रकम भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान में के किसी प्रक्रम के समतुल्य है, वहाँ, आरम्भिक वेतन उस प्रक्रम पर नियत किया जाएगा, और जहाँ वह भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान में के प्रक्रम के समतुल्य नहीं है वहाँ आरम्भिक वेतनमान अगले उच्चतर प्रक्रम पर नियत किया जाएगा ; और
- (ii) इस खण्ड के प्रयोजनों के लिए, राज्य सिविल सेवा के अन्तर्गत किसी भूतपूर्व राज्य में जिसका बिलय अब सम्बद्ध राज्य में हो चुका है, ऐसी सेवा आती है जो केन्द्रीय सरकार द्वारा, सम्बद्ध राज्य सरकार के परामर्श से, राज्य सिविल सेवा में सेवा के समकक्ष मानी जा सकती है।

स्पष्टीकरण—(i) ऐसे प्रोन्नत अधिकारी की वशा में, जिसका राज्य सिविल सेवा के निम्नतर वेतनमान में वास्तविक वेतन भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान के न्यूनतम से कम है, वेतनवृद्धि की दर प्रथम दो वेतनवृद्धियों के लिए 50 रुपए और तत्पश्चात् अनुक्रमेण सीमा तक 60 रुपए मानी जाएगी।

(ii) ऐसे प्रोन्नत अधिकारी की वशा में जिसका राज्य सिविल सेवा के निम्नतर वेतनमान में वास्तविक वेतन भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ

वेतनमान के न्यूनतम के बराबर या उससे अधिक है, वेतनवृद्धि की दरें उन दरों के बराबर होंगी जो भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान में वास्तविक वेतन के समतुल्य प्रक्रम पर अनुक्रमेण है, या यदि ऐसा कोई प्रक्रम नहीं है जो उससे ठीक नीचे के प्रक्रम पर अनुक्रमेण है।

(2) ऐसे प्रोन्नत अधिकारी का, जो राज्य सिविल सेवा के उच्चतर वेतनमान में अधिष्ठायी है, आरम्भिक वेतन भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान में उस प्रक्रम पर नियत किया जाएगा जो उच्चतर वेतनमान में उसके वास्तविक वेतन से ठीक ऊपर का है :

परन्तु ऐसी वशा में जहाँ भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान में का वेतन, जो खण्ड (1) के अनुसार संगणित किया गया हो, इस खण्ड के अधीन अनुक्रमेण वेतन से उच्चतर है तो, प्रोन्नत अधिकारी ऐसे उच्चतर वेतन का हकदार होगा।

(3) प्रोन्नत अधिकारी, जो भारतीय प्रशासनिक सेवा में उसकी नियुक्ति के समय राज्य सिविल सेवा के उच्चतर वेतनमान में स्थापनापन्न रूप में कार्य कर रहा था और जिसका भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान में आरम्भिक वेतन खण्ड (1) के अनुसार नियत किया गया है, यदि उच्चतर वेतनमान में उसका स्थापनापन्न वेतन भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान में इस प्रकार नियत किये गए उसके आरम्भिक वेतन से अधिक है तो वह उस अन्तर के बराबर वैयक्तिक वेतन का हकदार होगा परन्तु यह तब जब राज्य सरकार प्रमाणित करें कि भारतीय प्रशासनिक सेवा में नियुक्ति न होने की वशा में प्रोन्नत अधिकारी उच्चतर वेतनमान में स्थापनापन्न रूप से कार्य करता रहता। वैयक्तिक वेतन उसकी भावी वेतनवृद्धियों में और उसके वेतन की वृद्धियों में, यदि कोई हो, जिनमें विशेष वेतन, अतिरिक्त और अन्य रूप में वेतन सम्मिलित है, शामिल कर लिया जाएगा।

(4) ऐसे प्रोन्नत अधिकारी की वशा में जो भारतीय प्रशासनिक सेवा में परीक्षीक्षाधीन के रूप में नियुक्त किया जाता है, राज्य सिविल सेवा में, जिसमें कि उसका धारणाधिकार है, उसके वास्तविक वेतन में कोई वृद्धि होने पर उस सेवा के निम्नतर या उच्चतर वेतनमान में वेतनवृद्धि के परिणामस्वरूप, या राज्य सिविल सेवा के उच्चतर वेतनमान में पुष्टी कि परिस्थिति में अधिकारी, परीक्षा की अवधि के दौरान, भारतीय प्रशासनिक सेवा में बरिष्ठ वेतनमान में अपने वेतन को इस नियम में उपबर्णित सिद्धांतों के अनुसार, राज्य सिविल सेवा राज्य में अपने वृद्धित वेतनमान के आधार पर पुनर्गणना करने का हकदार होगा मानो भारतीय प्रशासनिक सेवा में उसकी प्रोन्नति ऐसी वृद्धि की तारीख से प्रभावी हुई थी।

(5) यदि भारतीय प्रशासनिक सेवा में परीक्षीक्षाधीन के रूप में नियुक्त कोई प्रोन्नत अधिकारी, भारतीय प्रशासनिक सेवा में उसकी प्रोन्नति की तारीख से पूर्वतर किसी तारीख से परीक्षा की अवधि के दौरान, उस राज्य सिविल सेवा के, जिसमें उसका धारणाधिकार है, उच्चतर वेतनमान में पुष्ट कर दिया जाता है और इस प्रकार राज्य सिविल सेवा के उसके वास्तविक वेतन में अभिवृद्धि हो जाती है तो भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान में उसके वेतन की इस नियम में उपबर्णित सिद्धांतों के अनुसार, राज्य सिविल सेवा में उसके वृद्धित वेतन के आधार पर, पुनःसंगणित किया जाएगा मानो भारतीय प्रशासनिक सेवा में उसकी प्रोन्नति ऐसी अभिवृद्धि की तारीख हुई थी।

(6) जहाँ कोई प्रोन्नत अधिकारी जो भारतीय प्रशासनिक सेवा में उसकी नियुक्ति की तारीख को राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार के अधीन या अग्रपद सेवा में काष्ठ पद से भिन्न पद धारण कर रहा था या निरन्तर धारण कर रहा है और वह पद :

(क) काष्ठ पद के वेतनमान के समतुल्य वेतनमान वाला है, अथवा

(ख) काब्र पद के समस्त हयित और उत्तराधिकार वाला है ; और राज्य सरकार केन्द्रीय सरकार को, उक्त अधिकारी की काब्र पद में भिन्न पद पर उसकी नियुक्ति के तीन मास के भीतर अथवा उस तारीख के तीन मास के भीतर, जिसकी उमर अगला कनिष्ठ चयन सूची अधिकारी काब्र पद पर नियुक्त किया जाता है, दोनों में से जो भी तारीख बाव की हो, यह प्रमाण पत्र प्रस्तुत करती है कि काब्र पद से भिन्न पद पर :—

(i) खण्ड (क) के अधीन पद की बाबत एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए, और केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से दो वर्ष से अनधिक की और अवधि के लिए अथवा

(ii) खण्ड (ख) के अधीन पद की बाबत, तीन वर्ष से अनधिक अवधि के लिए,

यदि उसकी नियुक्ति न हुई होती तो वह भारतीय प्रशासनिक सेवा (काब्र) नियम, 1954 के नियम 9 के अधीन काब्र पद पर स्थानान्तरण रूप से कार्य करता, तो भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान में खण्ड (क) के अनुसरण में नियत किया गया उसका आरम्भिक वेतन उस वेतन से निम्न प्रक्रम पर नियत नहीं किया जाएगा जो उसने उक्त गैर काब्र पद पर लिया था या ले रहा है ;

परन्तु एक बार में जितने अधिकारियों की बाबत ऐसे प्रमाणपत्र प्रस्तुतमान होंगे, उनकी संख्या भारतीय प्रशासनिक सेवा (प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के अधीन अनुज्ञेय चयन सूची की न्यूनतम संख्या के आधे से अधिक नहीं होगी तथा उसी प्रक्रम के अनुसार होगी जिस क्रम में ऐसे अधिकारियों के नाम चयन सूची में हैं ;

परन्तु यह और कि ऐसा प्रमाणपत्र केवल तभी दिया जाएगा यदि गैर काब्र पद पर नियुक्ति किए गए चयन सूची में के प्रत्येक ऐसे ज्येष्ठ अधिकारी के स्थान पर, जिसकी बाबत प्रमाण पत्र दिया जाता है, भारतीय प्रशासनिक सेवा (काब्र) नियम, 1954 के नियम 9 के अधीन ज्येष्ठ पद में एक-एक कनिष्ठ चयन सूची अधिकारी स्थानापन्न रूप से कार्य करता है ;

परन्तु यह और भी कि उन अधिकारियों की संख्या जिनकी बाबत प्रमाण पत्र दिया जाता है भारतीय प्रशासनिक सेवा (काब्र संख्या का नियमन) विनियम, 1965 की अनुसूची के अधीन संजूर की गई प्रतिनियुक्ति के लिए आरक्षित संख्या से राज्य सरकार के नियंत्रण के अधीन गैर काब्र पदों का धारण करने वाले काब्र अधिकारियों की संख्या जितनी कम है उतनी संख्या में पदों से अधिक नहीं होगी ।

(7) प्रोन्नत अधिकारी का आधार वेतन किसी भी दशा में ज्येष्ठ वेतनमान के न्यूनतम से कम पर नियत नहीं किया जाएगा ।

(8) इस अनुभाग के किसी खण्ड में किसी बात के होते हुए भी, भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नति अधिकारी का आधार वेतन किसी भी समय उस आधार वेतन से अधिक नहीं होगा जो उसने सीधे भर्ती किए गए व्यक्ति के रूप में उस तारीख को भारतीय प्रशासनिक सेवा वेतनमान में लिया होता, यदि वह उस तारीख को, जिस तारीख को, वह राज्य सिविल सेवा में नियुक्त किया गया था, भारतीय प्रशासनिक सेवा में नियुक्त किया गया होता ।

(9) इस अनुभाग में किसी खण्ड में किसी बात के होते हुए भी, प्रोन्नत अधिकारी का वेतन, जिसका वेतन भारतीय प्रशासनिक सेवा (वेतन) ग्यारहवां संशोधन नियम, 1976 के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान में, भारतीय प्रशासनिक

सेवा (वेतन) नियम, 1954 के विद्यमान उपबन्धों के अनुसरण में, नियत किया गया है, भारतीय प्रशासनिक सेवा के पुनरीक्षित ज्येष्ठ वेतनमान में इस अनुभाग के अधीन उमसे निम्नतर प्रक्रम पर जितना कि पहले नियत किया गया है वेतन है, निम्नतर प्रक्रम पर नियत नहीं किया जाएगा ।

वृद्धि

प्रोन्नत अधिकारी का इस अनुभाग के खण्ड (i) के अधीन वेतन नियत करने में अनुसरित की जाने वाली पद्धति नीचे दी गई है :—

1. पहले प्रोन्नत अधिकारों की बाबत निम्नलिखित तथ्य लिखिए :—
(क) राज्य सिविल सेवा में अधिकारी, का यथास्थिति, वास्तविक वेतन या प्रकल्पित वेतन ;

(ख) राज्य सिविल सेवा में सेवा के पूरे वर्ष ; और

(ग) भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान में वेतनवृद्धियों की संख्या, जिनकी गणना राज्य सिविल सेवा के प्रति तीन सेवा वर्षों के लिये एक वेतन वृद्धि की दर से की गई हो ।

2. भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान में आरम्भिक वेतन नियत करने के लिये जानकारी की निम्नलिखित रूप में सारणी बद्ध कीजिये :—

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)	(ङ)	(च)
	1	2	3	4	5	6
(क) राज्य सिविल सेवा में	690	1130	1000	1180	1220	1025
(ख) राज्य सिविल सेवा में सेवा के पूरे वर्ष		7	17	10	18	19
(ग) वेतनवृद्धियों की संख्या		2	5	3	6	6
(घ) वेतनवृद्धियों की रकम		100	280	160	340	340
(ङ) (क) और (घ) को जोड़कर निकला वेतन		790	1410	1160	1520	1560
(च) वह प्रक्रम जिस पर वेतन नियत किया जाना चाहिये		1200	1420	1200	1540	1600
(छ) पारिणामिक वृद्धि		510	290	200	360	380
(ज) वृद्धि की वास्तविक रकम जो विनिर्दिष्ट न्यूनतम और अधिकतम तक सीमित होगी।		300	290	200	300	300
(झ) (क) और (ज) को जोड़कर निकला वेतन		990	1420	1200	1480	1520
(ञ) वह प्रक्रम जिस पर वेतन भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतन- मान में नियत किया जाना चाहिये		1200	1320	1200	1480	1540

(क) एक ऐसा मामला है जिसमें पारिणामिक वृद्धि 300 रुपये की अधिकतम वृद्धि से अधिक हो जाती है और राज्य सिविल सेवा में वेतन तथा 300 रुपये का योग 1200 रुपये से कम बैठता है । इसलिये वेतन वेतनमान के न्यूनतम पर नियत किया गया है ।

(ख) ऐसा मामला है जिसमें पारिणामिक वृद्धि अधिकतम और न्यूनतम वृद्धि के भीतर है।

(ग) ऐसा मामला है जिसमें पारिणामिक वृद्धि 200 रुपये है और नियत किया गया वेतन भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतन मान में एक प्रक्रम के समतुल्य है। अतः वेतन उसी प्रक्रम पर नियत किया जायेगा, न कि उसमें उच्चतर प्रक्रम पर।

(घ) इस बात का दृष्टान्त है कि जब पारिणामिक वृद्धि 300 रुपये की अधिकतम वृद्धि से अधिक हो जाये तब वेतन को भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान के उस प्रक्रम पर नियत किया जायेगा जो राज्य सिविल में के वेतन और 300 रुपये के योग के बराबर हो।

(ङ) ऐसा मामला है जिसमें 300 रुपये की अधिकतम वृद्धि के परिणामस्वरूप ऐसी रकम निकलती है जो ज्येष्ठ वेतनमान में कोई भी प्रक्रम नहीं है। ऐसी दशा में वेतन अपने उच्चतर प्रक्रम पर नियत किया गया है। यह मामला इसका भी दृष्टान्त है कि जब राज्य सिविल सेवा के निम्नतर वेतनमान में वेतन 1200 रुपये से अधिक हो जाये तब वेतन-वृद्धियों की किस प्रकार संगणना की जायेगी।

(च) ऐसा मामला है जिसमें पारिणामिक वृद्धि 200 रुपये की न्यूनतम वृद्धि से कम है। ऐसी दशा में वेतन भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान के उस प्रक्रम पर नियत किया जाता है जो राज्य सिविल सेवा में के वेतन तथा 200 रुपये के योग के बराबर हो। परन्तु चूंकि यह रकम किसी प्रक्रम के समतुल्य नहीं है अतः वेतन अपने उच्चतर प्रक्रम पर नियत किया जायेगा।

अनुभाग 2—नियम 4(4) के अन्तर्गत आने वाले प्रोन्नत अधिकारियों के आरम्भिक वेतन का नियमन।

(1) ऐसे प्रोन्नत अधिकारी की दशा में, जिसने सेवा के अपनी नियुक्ति से पूर्व पहले ही किसी काइर पद में स्थापनापन्न रूप में कार्य किया है। और ऐसी स्थापनापन्न सेवा को केन्द्रीय सरकार ने और जहाँ आवश्यक है वहाँ मंच लोक सेवा आयोग के परामर्श से, भारतीय प्रशासनिक सेवा (काइर) नियम, 1954 के नियम 9 के अनुसरण में की गई सेवा मान लिया है वहाँ उसका वेतन उस प्रक्रम पर नियत किया जायेगा जो उस वेतन से कम नहीं होगा जो उसने ऐसे किसी पद में अन्तिम बार स्थापनापन्न रूप में कार्य करने समय भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान में लिया था।

(2) ऐसे प्रोन्नत अधिकारी की दशा में जो भारतीय प्रशासनिक सेवा में परीक्षाधीन के रूप में नियुक्त किया जाता है, राज्य सिविल सेवा में, जिसमें कि उसका धारणाधिकार है, उसके वास्तविक वेतन में कोई वृद्धि होने पर उस सेवा के निम्नतर या उच्चतर वेतनमान में वेतनवृद्धि के परिणामस्वरूप, अधिकारी परीक्षा की अवधि के दौरान, भारतीय प्रशासनिक सेवा में वरिष्ठ वेतनमान में अपने वेतनमान को अनुभाग 1 में उपवर्णित सिद्धान्तों के अनुसार राज्य सिविल सेवा में अपने वर्तमान वेतनमान के आधार पर पुनर्गणना कराने का हकदार होगा मानो भारतीय प्रशासनिक सेवा में उसकी प्रोन्नति ऐसी वृद्धि की तारीख से प्रभावी हुई थी।

(3) यदि भारतीय प्रशासनिक सेवा में परीक्षाधीन के रूप में नियुक्त कोई प्रोन्नत अधिकारी, उस राज्य सिविल सेवा के, जिसमें उसका धारणाधिकार है, परीक्षा की अवधि के दौरान, उच्चतर वेतनमान में पुष्ट कर दिया जाता है और इस प्रकार राज्य सिविल सेवा के उसके वास्तविक वेतन में अभिवृद्धि हो जाती है तो भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान में उसके वेतन अनुभाग 1 में उपवर्णित सिद्धान्तों के अनुसार, राज्य सिविल सेवा में उसके वर्तमान वेतन के आधार पर, पुनः संगणित किया जायेगा मानो भारतीय प्रशासनिक सेवा में उसकी प्रोन्नति ऐसी अभिवृद्धि की तारीख से हुई थी।

35GI/76-2

अनुभाग 3.—नियम 4(5) के अन्तर्गत आने वाले राज्य सिविल सेवा के सदस्य के आरम्भिक वेतन का नियमन।

(1) काइर पदों में स्थापनापन्न रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किये गये राज्य सिविल सेवा के अधिकारी का आरम्भिक वेतन अनुभाग 1 में दिये गये सिद्धान्तों के अनुसार नियत किया जायेगा :

परन्तु यदि राज्य सिविल सेवा के किसी ऐसे अधिकारी ने यथा स्थिति केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन में और मंच लोक सेवा आयोग के परामर्श से, किसी काइर पद में, स्थापनापन्न रूप में पहले ही कार्य किया था, तो इस अनुभाग के अधीन उसका वेतन उस प्रक्रम पर नियत किया जायेगा जो उस वेतन से कम नहीं होगा जो उसने ऐसे किसी काइर पद में अन्तिम बार स्थापनापन्न रूप में कार्य करने समय भारतीय प्रशासनिक सेवा ज्येष्ठ वेतनमान में लिया था पर वह इस बात के अधीन होगा कि काइर पद में पद में पूर्वतर स्थापनापन्न रूप में कार्य भारतीय प्रशासनिक सेवा (काइर) नियम, 1954 के नियम 9 के अनुसरण में है ;

टिप्पणी :—राज्य सिविल सेवा के उस सदस्य की दशा में जो 1 जनवरी, 1973 से पूर्व किसी तारीख से काइर पद में स्थापनापन्न रूप में कार्य कर रहा है, भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान में उसका वेतन अनुभाग 1 में दिये गये सिद्धान्तों के अनुसार उसी प्रकार पुनः संगणित किया जायेगा मानों वह 1 जनवरी, 1973 से पूर्व काइर पद में स्थापनापन्न रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया था।

(2) राज्य सिविल सेवा के निम्नतर या उच्चतर वेतनमान में किसी वेतनवृद्धि के परिणामस्वरूप राज्य सिविल सेवा में अधिष्ठायी वेतन में वृद्धि हो जाने पर, राज्य सिविल सेवा के अधिकारी, जो जब वह किसी काइर पद पर स्थापनापन्न रूप में कार्य कर रहा हो इस बात का हक होगा कि वह राज्य सिविल सेवा में अपने वर्तमान वेतन के आधार पर भारतीय प्रशासनिक सेवा ज्येष्ठ वेतनमान में अपना वेतन, अनुभाग 1 में दिये गये सिद्धान्तों के अनुसार उसी प्रकार पुनः संगणित करा ले मानों वह काइर पद में ऐसी वेतन वृद्धि की तारीख से स्थापनापन्न रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया था।

(3) यदि राज्य सिविल सेवा का कोई अधिकारी, जो किसी काइर पद में स्थापनापन्न है नियत में कार्य कर रहा है, राज्य सिविल सेवा की उच्चतर श्रेणी में अधिष्ठायी रूप में प्रोन्नत किया जाता है तो भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान में उसका वेतन अनुभाग 1 में दिये गये सिद्धान्तों के अनुसार उसी प्रकार पुनः नियत किया जायेगा मानो वह ऐसे काइर पद में ऐसी वेतन वृद्धि की तारीख से स्थापनापन्न रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया था।

(4) भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान में वेतन की वृद्धि या राज्य सिविल सेवा के ऐसे अधिकारी की, जो किसी काइर पद पर स्थापनापन्न है नियत में कार्य कर रहा है, पूरे एक वर्ष की सेवा पूर्ण हो चुकने पर उस वेतनमान के किसी प्रक्रम पर मंजूर की जायेगी :

परन्तु इस खण्ड के अधीन एक वर्ष की सेवा की संगणना करने के प्रोचानों के लिये :

(i) वेतन को किसी विशिष्ट दर पर, जो कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (काइर) नियम, 1954 के नियम 9 के उपबन्धों के अनुसार है, की गई स्थापनापन्न सेवा को विशिष्ट कालावधियों हिसाब में ली जायेगी।

(ii) काइर पदों पर स्थापनापन्न रूप में कार्य करने के दौरान ली गई छुट्टी, विवाह चिकित्सा प्रमाण पत्र पर से विभिन्न असाधारण, छुट्टी के, वेतनवृद्धियों के लिये हिसाब में ली जायेगी। यदि छुट्टी के अवसान पर, वह अधिकारी उसी पद पर उसी वेतन दर पर वापस आ जाता है और सरकार यह प्रमाणित करती है कि यदि वह अधिकारी छुट्टी पर न गया होता तो वह उसी या किसी अन्य काइर पद पर बना रहता, या किसी अन्य काइर पद बना रहता। किसी ऐसे मामले में जिसमें केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि चिकित्सा प्रमाण पत्र पर ली

गई असाधारण छुट्टी से बिना असाधारण छुट्टी किसी ऐसे कारण से ली गई थी जो सम्बद्ध अधिकारी के नियंत्रण से परे था या उच्चतर वैधानिक और तकनीकी अध्ययन के लिये ली गई थी तो केन्द्रीय सरकार यह निर्णय कर सकती है कि चिकित्सा प्रमाण पत्र पर ली गई असाधारण छुट्टी से बिना असाधारण छुट्टी वेतनवृद्धि के लिये गणना में ली जायेगी;

(iii) अनुभाग 1 के खण्ड (6) के अधीन किसी विशिष्ट दर पर सेवा की कोई अवधि हिमाब में ली जायेगी :

परन्तु यह और कि राज्य सिविल सेवा के उस सदस्य को दशा में जो काइर पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहा है, भारतीय प्रशासनिक सेवा के ज्येष्ठ वेतनमान में तब तक कोई वेतनवृद्धि नहीं दी जायेगी जब तक वह राज्य सिविल सेवा में के और भारतीय प्रशासनिक सेवा में के पदों पर कुल मिलाकर छह वर्ष की सेवावधि पूरी नहीं कर लेता ।

(5) राज्य सिविल सेवा के उस सदस्य को वेतन जो काइर पद में स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहा है और ऐसा स्थानापन्न कार्य जो केन्द्रीय सरकार द्वारा और जहाँ आवश्यक है वहाँ संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से, भारतीय प्रशासनिक सेवा (काइर) नियम, 1954 के उपबन्धों के अनुसरण में नहीं माना गया हो, राज्य सिविल सेवा के वेतनमान में ऐसे किन्हीं उपान्तरणों के अधीन रहने हुए जो केन्द्रीय सरकार द्वारा इस बाबत किये जायें, गिनियमित किया जायेगा ।

(6) इस अनुभाग के किरी खण्ड में किसी बात के होने हुए भी, जहाँ केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि इस अनुभाग के किसी खण्ड या किन्हीं खण्डों के प्रयत्न के किसी विशेष मामले में अनुचित कठिनाई होगी, वहाँ वह आदेश देगा, यथास्थिति, उस खण्ड या किन्हीं खण्डों की अपेक्षाओं से, ऐसी सीमा तक और ऐसे अवसरों और शर्तों के अधीन रहने हुए जिन्हें वह उस मामले की न्यायोचित और साम्यापूर्ण रीति से निपटारे के लिये आवश्यक समझती है, अभिसुक्ति प्रदान कर सकती है या उनसे छूट दे सकती है ।”

स्पष्टीकरण शायन

केन्द्रीय सिविल सेवा (पुनरीक्षण वेतन) नियम, 1973 वर्ग-2, वर्ग-3 और वर्ग-4 कर्मचारियों के वेतनमानों के बारे में तृतीय केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा की गई सिफारिशों को कार्यान्वित करने के लिये जारी किये गये थे । उनको 1 जनवरी, 1973 से प्रवृत्त कराया गया था । तब सरकार ने वर्ग-1 सेवा/पद और अखिल भारतीय सेवा के वेतनमानों की बाबत तृतीय केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों, कुल उपान्तरणों के साथ मुख्यतः स्वीकार कर ली है, और यह चिन्तित किया है कि वेतन के पुनरीक्षण के बारे में या उन सभी पदों के वेतनमानों के जो 3,000 रुपये (नियत) या ऊपर तक उच्च कोटि के कर दिये हैं । सिवाय वर्ग-1 सेवा/पद और अखिल भारतीय सेवा के वेतनमानों के पुनरीक्षण के प्रवृत्त होने की तारीख वही होगी जो वर्ग-2 से 4 के कर्मचारियों के लिये है, अर्थात् 1 जनवरी, 1973 अतः भारतीय प्रशासन सेवा (वेतन) नियम, 1954 तदनुसार संशोधित किये जा रहे हैं ।

इस अधिसूचना को भूतलक्षी प्रभाव दिये जाने के कारण किसी अधिकारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना संभाव्य नहीं है ।

[संख्या 11030/15/75-ए० आई० एम० (II)]

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 5th June, 1976

G.S.R. 900.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services, Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, after consultation with the Governments of the States concerned, hereby makes the

following rules further to amend the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, namely :—

1. (1) These Rules may be called the Indian Administrative Service (Pay) Eleventh Amendment Rules, 1976.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of January, 1973.

2. In the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954,—

(1) In sub-rule (1) of rule 5 (a) in clause (ii), for the words “to a cadre post”, the following shall be substituted namely :—

“to the Indian Administrative Service or on completion of one year's service from the date his pay has been fixed in accordance with the provisions of Section I or Section II of the Schedule II, as the case may be.”

(b) for clause (i) of the second proviso, the following clause shall be substituted namely :—

“(i) for the purpose of calculating one Year's service for drawal of increment in the senior time scale of the Indian Administrative Service by a promoted officer, broken periods of service rendered in any Cadre post in accordance with rule 9 of the Indian Administrative Service (Cadre) Rules, 1954 shall be taken into account.”

(2) for Schedule II, the following Schedule shall be substituted, namely :—

SCHEDULE II

(See rules 4 and 5)

PRINCIPLES OF PAY FIXATION OF PROMOTED OFFICERS ON APPOINTMENT TO THE INDIAN ADMINISTRATIVE SERVICE AND OF MEMBERS OF THE STATE CIVIL SERVICE APPOINTED TO OFFICIATE IN CADRE POSTS

In this Schedule unless the context otherwise requires, the term :—

(i) “actual pay means the pay whether in the lower scale or in the higher scale, to which a member of the State Civil Service is entitled by virtue of his substantive position in the cadre of that service, and includes, on and after the 1st day of January, 1973, dearness allowance if the State Government have not revised the scales of pay applicable to the State Civil Service on the said date so as to include in the pay scale a promotion or entire amount of dearness allowance.

(ii) “assumed pay” means the pay and if the State Government have not revised the scales of pay applicable to the State Civil Service on the 1st day of January, 1973 so as to include in the pay scale a portion or the entire amount of the dearness allowance, includes, after the said date, the dearness allowance, which a member of the State Civil Service, officiating or confirmed in a higher scale would have drawn in the lower scale (which does not include higher scale) of his service, had he not been officiating or confirmed in the higher scale.

(iii) “higher scale” means any scale of pay higher than the “lower scale” prescribed for the State Civil Service and in force on the 1st day of January, 1973;

(iv) “lower scale” means the ordinary or the lowest scale of pay prescribed for the State Civil Service and in force on the 1st day of January, 1973;

SECTION I :—FIXATION OF INITIAL PAY OF PROMOTED OFFICERS FALLING UNDER RULE 4 (3).

(1) The initial pay of a promoted officer shall be fixed at the

stage of the senior time scale of the Indian Administrative Service equal to his actual pay in the lower scale or his assumed pay in the lower scale, as the case may be, increased at the rate of one increment in the senior time scale of the Indian Administrative Service for every three years of service in the State Civil Service. The resultant increase shall be subject to a minimum of Rs. 200 and a maximum of Rs. 300 over his pay in the State Civil Service;

Provided that,—

- (i) where, however, the amount arrived at after the addition of such minimum or maximum increase corresponds to a stage in the senior time scale of the Indian Administrative Service, the initial pay shall be fixed at that stage; and where it does not correspond to a stage in the senior time scale of the Indian Administrative Service the initial pay shall be fixed at the next higher stage of that scale; and
- (ii) for the purpose of this clause, service in the State Civil Service shall include such service in a former State, now merged in the State concerned, as may be equated to service in the State Civil Service by the Central Government in consultation with the State Government concerned.

Explanations —

- (i) In the case of a promoted officer whose actual pay in the lower scale of the State Civil Service is less than the minimum of the senior time scale of the Indian Administrative Service, the rate of increment shall be taken as Rs. 50 for the first two increments and Rs. 60 thereafter to the extent permissible.
 - (ii) In the case of a promoted officer whose actual pay in the lower scale of the State Civil Service is equal to or above the minimum of the senior time scale of the Indian Administrative Service, the rates of increment shall be equal to the rates admissible in the senior time scale of the Indian Administrative Service at the stage to which the actual pay corresponds or, if there is no such stage, the next lower stage.
- (2) The initial pay of a promoted officer who is substantive in the higher scale of the State Civil Service shall be fixed at the stage of the senior time scale of the Indian Administrative Service next above his actual pay in the higher scale.

Provided that in a case where the pay in the senior time scale of the Indian Administrative Service calculated in accordance with clause (1) is higher than that admissible under this clause, the promoted officer shall be entitled to such higher pay.

(3) A promoted officer who, at the time of his appointment to the Indian Administrative Service was officiating in the higher scale of the State Civil Service and whose initial pay in the senior time scale of the Indian Administrative Service is fixed in accordance with clause (1) shall, in case his officiating pay in the higher scale is higher than the initial pay so fixed in senior time scale of the Indian Administrative Service, be entitled to a personal pay equal to the difference provided that the State Government certifies that the promoted officer would have continued to officiate in the higher scale but for his appointment to the Indian Administrative Service. The personal pay shall be absorbed in future increments and increases in his pay, if any, including special pay, additional pay and any other form of pay.

(4) In the case of a promoted officer appointed to the Indian Administrative Service on probation, on any enhancement of his actual pay in the State Civil Service in which he holds a lien, as a result of an increment in the lower scale or the higher scale of that service, or in the event of confirmation in the higher scale of the State Civil Service the officer shall during the period of probation, be entitled to have his pay in the senior time scale of the Indian Administrative Service recalculated in accordance with the principles laid down in this Section on the basis of his enhanced pay in the

State Civil Service, as if he was promoted to the Indian Administrative Service with effect from the date of such enhancement.

(5) If a promoted officer appointed to the Indian Administrative Service on probation is confirmed with effect from a date prior to the date of his promotion to the Indian Administrative Service in the Higher scale of the State Civil Service in which he holds a lien during the period of probation and there is, thus, an enhancement of his actual pay in the State Civil Service, his pay in the senior time scale of the Indian Administrative Service shall be recalculated in accordance with the principles laid down in this section on the basis of his enhanced pay in the State Civil Service, as if he was promoted to the Indian Administrative Service with effect from the date of such enhancement.

(6) Where a promoted officer who on the date of his appointment to the Indian Administrative Service had held or is holding continuously a post other than a cadre post under the State Government or the Central Government or on foreign Service and the post is :

- (a) in a time scale identical to the time scale of a cadre post, or
- (b) equal in status and responsibilities to cadre post,

and the State Government concerned furnishes a certificate to the Central Government within three months of his appointment to a post other than a cadre post or within three months of the date on which the next junior Select List Officer is appointed to a cadre post, whichever is later, that he would have so officiated in a cadre post under rule 9 of the Indian Administrative Service (Cadre) Rules, 1954, but for his appointment to a post other than a cadre post :—

- (i) as relating to a post under clause (a) for period not exceeding one year and, with the approval of the Central Government, for a further period not exceeding two years, or
- (ii) as relating to a post in clause (b), for a period not exceeding three years his initial pay in the senior time scale of the Indian Administrative Service fixed in accordance with clause (1) shall not be at a stage lower than the pay he drew or draws in the said non-cadre post :

Provided that number of officers in respect of whom the certificate shall be current at one time shall not exceed one-half of the maximum size of the Select List permissible under sub-regulation (1) of regulation 5 of the Indian Administrative Service (Appointment by promotion) Regulations 1955 and follow the order in which the names of such officers appear in the Select List;

Provided further that such certificate shall be given only if, for every of senior officer in the Select List appointed to a non-cadre post in respect of which the certificate is given, there is one junior Select List officer officiating in a senior post under rule 9 of the Indian Administrative Service (Cadre) Rules, 1954;

Provided also that the number of officers in respect of whom the certificate is given, shall not exceed the number of posts by which the number of cadre officers holding non-cadre posts under the control of the State Government falls short of the deputation reserve sanctioned under the schedule to the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955.

(7) The basic pay of a promoted officer shall not, in any case, be fixed below the minimum of the senior time scale.

(8) Notwithstanding anything contained in any clause in this section, the basic pay of a promoted officer or the Indian Administrative Service Time-scale shall not at any time exceed the basic pay he would have drawn on the Indian Administrative Service Time-scale as a direct recruit on that date if he had been appointed to the Indian Administrative Service on the date he was appointed to the State Civil Service.

(9) Notwithstanding anything contained in any clause in this Section, the pay of a promoted officer, whose pay has

been fixed in the senior scale of the Indian Administrative Service prior to the date of publication in the Official Gazette of the Indian Administrative Service (Pay) Eleventh Amendment Rules, 1976, in accordance with the existing provisions of the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, shall not be fixed in the revised senior scale of the Indian Administrative Service under this Section at a stage lower than the pay fixed earlier.

ILLUSTRATIONS

The method to be followed in fixing the pay of a promoted officer under clause (1) of this section is indicated below :—

I. The following data in respect of the promoted officers to be noted down :—

- Actual pay of the officer in the State Civil Service or, as the case may be, his assumed pay in that service;
- Completed years of service in the State Civil Service; and
- Number of increments in the senior time scale of the Indian Administrative Service calculated at the rate of one increment for every three years of service in the State Civil Service.

II. Tabulate the information as follows to arrive at the initial pay to be fixed in the senior time scale of the Indian Administrative Service :—

	(A)	(B)	(C)	(D)	(E)	(F)
(a) Pay in the State Civil Service	690	1130	100	1180	1220	1025
(b) Completed years of Service in the state Civil Service	7	17	10	18	19	11
(c) Number of increments	2	5	3	6	6	3
(d) Amount of increments	100	280	160	340	340	160
(e) Pay arrived at by addition of (a) and (b)	790	1410	1160	1520	1560	1185
(f) State at which pay should be fixed	1200	1420	1200	1540	1600	1200
(g) Resultant increase	510	290	200	360	380	175
(h) Actual amount of increase subject to the minimum and maximum specified	300	290	200	300	300	200
(i) Pay arrived at by addition of (a) and (h)	990	1420	1200	1480	1520	1225
(j) Stage at which pay should be fixed in the senior time-scale of Indian Administrative service	1200	1420	1200	1480	1540	1250

(A) is a case where the resultant increase exceeds the maximum increase of Rs. 300 and the pay in the State Civil Service plus Rs. 300 results in a figure below Rs. 1200. The pay is, therefore, fixed at the minimum of the senior time scale.

(B) is a case where the resultant increase falls within maximum and the minimum increase.

(C) is a case where the resultant increase is Rs. 200 and the pay fixed corresponds to a stage in the senior time scale of the Indian Administrative Service and as such pay is to be fixed at that stage and not at the next higher stage.

(D) illustrates that when the resultant increase exceeds the maximum increase of Rs. 300, pay is to be fixed at the stage of senior time scale of Indian Administrative Service equal to the pay in the State Civil Service plus Rs. 300.

(E) is a case where the maximum increase of Rs. 300 results in an amount which is not a stage in the senior time scale of the Indian Administrative Service. The pay in such a case is fixed at the next higher stage. This case also illustrates how the increments are to be calculated when the pay of a promoted officer in the lower scale of the State Civil Service is over Rs. 1200.

(F) is a case where the resultant increase is less than the minimum increase of Rs. 200. In such a case pay is fixed at the stage of senior time scale of the Indian Administrative Service equal to pay in the State Civil Service plus Rs. 200. But as this amount does not correspond to a stage, pay is to be fixed at the next higher stage.

SECTION II—FIXATION OF INITIAL PAY OF PROMOTED OFFICERS FALLING UNDER RULE 4(4).

(1) In the case of a promoted officer who has already officiated in a cadre post and such an officiation has been held by the Central Government and wherever necessary in consultation with the Union Public Service Commission, to be in accordance with rule 9 of the Indian Administrative Service (Cadre) Rule, 1954, prior to his appointment to the Service, his pay shall be fixed at a stage not lower than the pay he drew in the Senior-time scale of the Indian Administrative Service while last officiating in a cadre post.

(2) In the case of a promoted officer appointed to the Indian Administrative Service on probation, on any enhancement of his actual pay in the State Civil Service in which he holds a lien, as a result of an increment in the lower scale or the higher scale of that service, or in the event of confirmation in the higher scale the officer shall, during the period of probation, be entitled to have his pay in the senior time scale of the Indian Administrative Service recalculated in accordance with the principles laid down in the Section I on the basis of his enhanced pay in the State Civil Service, as if he was promoted to the Indian Administrative Service with effect from the date of such enhancement.

(3) If a promoted officer appointed to the Indian Administrative Service on probation is confirmed in the higher scale of the State Civil Service in which he holds a lien during the period of probation and there is, thus, an enhancement of his actual pay in the State Civil Service, his pay in the senior time scale of the Indian Administrative Service shall be recalculated in accordance with the principles laid down in Section I on the basis of his enhanced pay in the State Civil Service, as if he was promoted to the Indian Administrative Service with effect from the date of such enhancement.

SECTION III—FIXATION OF INITIAL PAY OF MEMBER OF THE STATE CIVIL SERVICE FALLING UNDER RULE 4(5).

(1) The initial pay of a member of the State Civil Service appointed to officiate in a cadre post shall be fixed in accordance with the principles enunciated in Section I:

Provided that if such a member of the State Civil Service had already officiated in a cadre post with the approval of the Central Government and in consultation with the Union Public Service Commission as the case may be, his pay under this section shall be fixed at a stage not lower than the pay he drew in the senior time scale of the Indian Administrative Service while last officiating in such a post subject to the condition that the period of earlier officiation in a cadre post is in accordance with provisions of rule 9 of the Indian Administrative Service (Cadre) Rules, 1954;

NOTE : In the case of a member of the State Civil Service who has been officiating in a cadre post from a date prior to the first day of January, 1973, his pay in the senior time scale of the Indian Administrative Service shall be recalculated in accordance with the principles enunciated in Section I, as if he was appointed to officiate in the cadre post with effect from the first day of January, 1973.

(2) On any enhancement of his substantive pay in the State Civil Service as a result of an increment in the lower or the higher scale of that service a member of the State Civil Service officiating in a cadre post shall be entitled to have his

pay in the senior time scale of the Indian Administrative Service recalculated in accordance with the principles laid down in Section I on the basis of his enhanced pay in the State Civil Service as if he was appointed to officiate in the cadre post with effect from the date of such enhancement.

(3) If a member of the State Civil Service officiating in a cadre post is promoted substantively to the higher scale of pay of the State Civil Service his pay in the senior time scale of the Indian Administrative Service shall be recalculated in accordance with the principles enunciated in Section I, as if he was appointed to officiate in the cadre post with effect from the date of such enhancement.

(4) Increments of pay in the senior time scale of the Indian Administrative Service shall be granted to a member of the State Civil Service officiating in a cadre post on completion of one full years service on any stage of that scale.

Provided that for the purposes of calculating one year's service under this clause,—

(i) broken periods or officiating service on a particular rate of pay which is in accordance with the provisions of rule 9 of the Indian Administrative Service (Cadre) Rules, 1954, shall be taken into account;

(ii) Leave, except extraordinary leave otherwise than on medical certificate, taken during officiation in cadre post shall count for increment if, on the expiry of the leave, the officer returns to the same post on the same rate of pay and the State Government certifies that, but for proceeding on leave, the officer would have continued to officiate in the same or any other cadre post. The Central Government may, in any case in which it is satisfied that the ordinary leave, taken otherwise than on medical certificate, was taken for any cause beyond the control of the officer concerned or for prosecuting higher scientific and technical studies, direct that extraordinary leave, taken otherwise than on medical certificate, shall count for increment;

(iii) Any period of service on a particular rate of pay covered under clause (6) of section I, shall be taken into account;

Provided further that a member of the State Civil Service officiating in a cadre post shall not be granted an increment in the Senior Time scale of the Indian Administrative Service unless he completes an aggregate period of eight years' service in the State Civil Service.

(5) The pay of a member of the State Civil Service officiating in a cadre post and such an officiation has been held by the Central Government in consultation with the Union Public Service Commission, wherever necessary to be not in accordance with the provisions of rule 9 of the Indian Administrative Service (Cadre) Rules, 1954 shall be regulated in the scale of the State Civil Service, subject to any modifications made by the Central Government in this regard.

(6) Notwithstanding anything contained in any ~~clause~~ in this Section, where the Central Government is satisfied that the operation of any clause or clauses of this Section ~~causes~~ undue hardship in any particular case, it may, by ~~order~~, dispense with or relax the requirements of that clause or clauses as the case may be, to such an extent and subject to exceptions and conditions, as it may consider necessary dealing with the case in a just and equitable manner.

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Civil Services (revised pay) Rules, 1973 were issued to implement the recommendations made by the Third Central Pay Commission in respect of the pay scales of class II, Class III and Class IV employees. They were given effect to from the 1st January, 1973 Government have since broadly accepted, with some modifications, the recommendations of the Third Central Pay Commission regarding the pay scales in Class I Services/posts and the All India Services and have decided that, except in respect of revision of pay or scales of pay of posts which have been upgraded to Rs. 3,000 (fixed) or above, the date of effect of revision of pay scales in Class I Services/posts and the All India Services shall be the same as

for employees in Class II to Class IV, namely the 1st January, 1973. The Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, are therefore, being amended accordingly (No officer is likely to be adversely affected by this Notification being given retrospective effect).

[No. 11030/15/75-AIS(II)]

नई दिल्ली, 7 जून, 1976

सा० का० नि० 901.—प्रश्चिन भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सम्बद्ध सरकारों के परामर्श के पश्चात् भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) नियम, 1954 में और मशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् —

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय प्रशमान सेवा (वेतन) दशवां मशोधन नियम, 1976 है।

(2) ये 3 नवम्बर, 1973 से प्रवृत्त माने जाएंगे।

2. भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) नियम, 1954 में—

(क) अनुसूची-III में क-राज्य सरकारों के अधीन भारतीय पुलिस सेवा में समय वेतनमान से अधिक वेतन वाले पद "मागणी" में—

(i) पहले कालम में मनीपुर के सामने उल्लिखित प्रविष्टियों में "पुलिस महातिरीक्षक" के संबंध में दूसरे और तीसरे कालमों में दी गई प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रमशः प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"पुलिस महातिरीक्षक—2500-125/2-2750."

(ii) पहले कालम में त्रिपुरा के सामने उल्लिखित प्रविष्टियों में "पुलिस महातिरीक्षक" के संबंध में दूसरे और तीसरे कालमों में दी गई प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रमशः प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"पुलिस महातिरीक्षक 2500-125/2-2750"

स्पष्टीकारक आपन

इन पदों के वेतनमान का पुनरीक्षण तृतीय केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिश के आधार पर किया जा रहा है। आयोग की सिफारिशों को केन्द्रीय सरकार ने पहली जनवरी, 1973 में लागू करने का पक्ष ही स्वीकार कर लिया है। चूंकि पुलिस महातिरीक्षक मनीपुर और त्रिपुरा के वेतनमान को 3 नवम्बर, 1973 से बढ़ाकर 2250/- (निश्चित) किया गया था इस लिए इन पदों के वेतनमान इसी तारीख से बढ़ाकर 2500-125/2-2750 किया जा रहा है।

(इन नियमों को भूतलक्षी प्रभाव दिए जाने के कारण किसी अधिकारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना सम्भाव्य नहीं है)।

[सं० 11021/1/76-अ० भा० से० (ii) क]

New Delhi, the 7th June, 1976

G.S.R. 901.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, after consultation with the Governments of the States concerned, hereby makes the following rules further to amend the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Police Service (Pay) 10th Amendment Rules, 1976.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 3rd of November, 1973.

2. In Schedule III appended to the Indian Police Service Rules, 1954, under the heading "A-Posts carrying pay above the time-scale pay in the Indian Police Service under the State Governments", in the Table—

- (i) in the entries against Manipur occurring in the first column, for the entries relating to Inspector-General of Police in the second and third columns, the following shall be substituted, namely :—

"Inspector-General of Police Rs. 2500-125/2-2750."

- (ii) in the entries against Tripura occurring in the first column, for the entries relating to Inspector-General of Police in the second and third columns, the following shall be substituted, namely :—

"Inspector-General of Police Rs. 2500-125/2-2750".
EXPLANATORY MEMORANDUM

The revision of the pay scale of the posts is being made on the basis of the recommendations of the Third Central Pay Commission. The recommendations of the Commission have already been accepted by the Government of India with effect from 1st January, 1973. Since the posts of Inspector General of Police Manipur and Tripura, were upgraded to the pay scale of Rs. 2250 (fixed) with effect from 3-11-1973 the pay scale of these posts is being revised to Rs. 2500-125/2-2750 with effect from 3-11-1973.

(No officer is likely to be adversely affected by the Notification being given retrospective effect).

[No. 14021/1/76-AIS(II)A]

स।० का० नि० 902:—अखिल भारतीय सेवाएं अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार सम्बद्ध सरकारों के परामर्श से भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) नियम, 1954 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन विनियमों का नाम भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) श्वारहवां संशोधन विनियम, 1976 है।

(2) ये विनियम 3 नवम्बर, 1973 से प्रवृत्त माने जाएंगे।

2. भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) नियम, 1954 के साथ संलग्न

अनुसूची-IIIक में :—

"(क) राज्य सरकारों के अधीन भारतीय पुलिस सेवा में वेतन के समय वेतनमान से अधिक वेतन वाले पद" शीर्षक के अधीन "असम सेवालय" प्रविष्टि के आगे, पहले कालम में सेवालय के सामने बूसरे तथा तीसरे कालमों में दी गई तत्स्थानी प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रमशः प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

"पुलिस सहायनरीक्षक 2500-125/2-2750"

स्पष्टीकारक शायन

इस पद के वेतनमान का पुनरीक्षित तृतीय केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिश के आधार पर किया जा रहा है। चूंकि आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी, 1973 से मानी गई हैं इसलिए पुलिस सहायनरीक्षक सेवालय का वेतनमान 1 जनवरी 1973 से बढ़ा कर 2500-125/2-2750 किया जा रहा है।

इन नियमों की भूतलक्षा प्रभाव दिए जाने के कारण किसी अधिकारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना संभाव्य नहीं है।

[संख्या 14021/1/76-अ० सा० सं० (ii)ब]

यो० के० खेरियन, डेस्क अधिकारी

G.S.R. 902.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, after consultation with the Government of the States concerned hereby makes the following rules further to amend the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Police Service (Pay) 11th Amendment Rules, 1976.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st of January, 1973.

2. In Schedule III to the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954, heading, "A-Posts carrying pay above the time-scale pay in the Indian Police Service under the State Governments" in the Table—in the entries against "Assam-Meghalaya" occurring in the first column, for the entries relating to the Government of Meghalaya occurring in the second and third columns, the following entries shall be substituted namely :—

"Inspector General of Police Rs. 2500-125/2-2750".

EXPLANATORY MEMORANDUM

The revision of the pay scale of the post is being made on the basis of the recommendations of the Third Central Pay Commission. Since the recommendations of the Commission have already been accepted by the Government of India with effect from 1st January, 1973, the pay scale of the post of Inspector General of Police, Meghalaya, has been revised to Rs. 2500-125/2-2750 with effect from 1-1-1973.

(No officer is likely to be adversely affected by this rules being given retrospective effect.)

[No. 14021/1/76-AIS(II)-B]

V. K. CHFRIAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 7 जून, 1976

स।० का० नि० 903:—केन्द्रीय सरकार, अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बन्धित राज्य सरकारों से परामर्श करने के पश्चात् भारतीय प्रशासनिक सेवा (परिबीक्षा) नियम, 1954 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय प्रशासनिक सेवा (परिबीक्षा) संशोधन नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय प्रशासनिक सेवा (परिबीक्षा) नियम, 1954 के नियम 9 के में प्रारम्भिक विरे में "या ऐसे अन्य आदेश पारित कर सकेगी, जैसा शब्दों का खोप किया जाएगा।

[संख्या 11037/3/76-ए० आई० एम० (3)ए]

New Delhi, the 7th June, 1976

903.—In exercise of the powers conferred by (1) of section 3 of the All India Services Act, of 1951) the Central Government, after consultation with the Governments of the States concerned, hereby following rules further to amend the Indian Administrative Service (Probation) Rules, 1954, namely—

1. (1) These rules shall be called the Indian Administrative Service (Probation) Amendment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 9 of the Indian Administrative Service (Probation) Rules, 1954, in the opening paragraph, the words, "or pass such other order as it may think fit" shall be omitted.

[No. 11037/3/76-AIS (III)A]

सा० का० नि० 904 :—केन्द्रीय सरकार, अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बन्धित राज्य सरकारों से परामर्श करने के पश्चात् भारतीय पुलिस सेवा (परिीक्षा) नियम, 1954 से निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय पुलिस सेवा (परिीक्षा) द्वितीय संशोधन नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदूत होंगे।

2. भारतीय पुलिस सेवा (परिीक्षा) नियम, 1954 के नियम 9 में प्रारम्भिक पदे में, "या ऐसे अन्य आदेश पारित कर सकेगी, जैसा वह ठीक समझे" शब्दों का लोप किया जाएगा।

[संख्या 11037/3/76-ए० आई० एम० (3) बी]

G.S.R. 904.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government after consultation with the Governments of the States concerned, hereby makes the following rules further to amend the Indian Police Service (Probation) Rules, 1954, namely :—

1. (1) These rules shall be called the Indian Police Service (Probation) Second Amendment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 9 of the Indian Police Service (Probation) Rules, 1954, in the opening paragraph, the words, "or pass such other order as it may think fit" shall be omitted.

[No. 11037/3/76-AIS(III)-B]

सा० का० नि० 905 :—केन्द्रीय सरकार, अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बन्धित राज्य सरकारों से परामर्श करने के पश्चात् भारतीय वन सेवा (परिीक्षा) नियम, 1968 से निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय वन सेवा (परिीक्षा) द्वितीय संशोधन नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदूत होंगे।

32. भारतीय वन सेवा (परिीक्षा) नियम, 1968 के नियम 10 में, प्रारम्भिक पदे में, "या ऐसे अन्य आदेश पारित कर सकेगी, जैसा वह ठीक समझे" शब्दों को लोप किया जाएगा।

[संख्या 11037/3/76-ए० आई० एम० (3) सी]

G.S.R. 905.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, after consultation with the Governments of the States concerned, hereby makes the following rules further to amend the Indian Forest Service (Probation) Rules, 1968, namely :—

1. (1) These rules shall be called the Indian Forest Service (Probation) Second Amendment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 10 of the Indian Forest Service (Probation) Rules, 1968, in the opening paragraph, the words, "or pass such other order as it may think fit" shall be omitted.

[No. 11037/3/76-AIS(III)-C]

नई दिल्ली, 10 जून, 1976

शुद्धि पत्र

सा० का० नि० 906 :—दिनांक 16 अगस्त, 1975 के भारत के राजपत्र भाग-II खंड 3, उपखंड (1) में सा० का० नि० सं० 2228 के रूप में पृष्ठ 2227 पर प्रकाशित भारत सरकार, मंत्रीमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रणामनिक सुधार विभाग) को दिनांक 31 जुलाई, 1975 को अधिसूचना संख्या 16015/8/74-आ० भा० सं० (4) ख को पंक्ति सात आठ में 'दूसरा संशोधन' के स्थान पर 'तीसरा संशोधन' पढ़ा जाए।

[संख्या 20014/17/76-आ० भा० सं० (IV)-क]

आर० एल० अग्रवाल, अवसर सचिव

New Delhi, the 10th June, 1976

CORRIGENDUM

G.S.R. 906.—In the Government of India in the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) No. 16015/8/74-AIS(IV)-B dated 31st July, 1975 published as G.S.R. No. 2228 in the Gazette of India, Part-II Section 3 sub-section (i) dated the 16th August, 1975 at page 2228 in line 9, for '2nd Amendment' read '3rd Amendment'.

[No. 20014/17/76-AIS(IV)-A]

R. L. AGGARWAL, Under Secy.

योजना आयोग

नई दिल्ली, 31 मई, 1976

सा० का० नि० 907 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, योजना आयोग में निदेशक (निर्दिष्ट उत्पत्ति और आर्थिक क्षेत्रों में नमूना निर्माण) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम योजना आयोग निदेशक (निर्दिष्ट उत्पत्ति और आर्थिक क्षेत्रों में नमूना निर्माण) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदूत होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान ये होंगे जो इससे उपाध्व अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरहंतामः—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या पत्नी के जीवन होते हुए किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है;

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विश्व के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगा।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वहाँ, उसके लिये जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा सब लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या वर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यक्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रयोगों के व्यक्तियों के लिये उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु-सीमा	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
निदेशक/निविष्टि उत्पत्ति और आधिक-श्रेणी में नमूना निर्माण)	एक	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'क' राजपत्रित	1800-100-2000 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की वृत्ति में लागू होगी या नहीं	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्तों की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिफल	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वृत्ति में ये श्रेणियाँ जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा/की जायेगी/किया जायेगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संश्लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा।	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : भारतीय सांख्यिकीय सेवा के श्रेणी I के अधिकारी या उस सेवा के श्रेणी II के अधिकारी जिन्होंने नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में 3 वर्ष सेवा की हो। (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	लागू नहीं होता	संश्लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अधीन यथा अपेक्षित।	

PLANNING COMMISSION

New Delhi, the 31st May, 1976

G.S.R. 907.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Director (Input-Output and Economy Wide Model Building) in the Planning Commission, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Planning Commission Director (Input-Output and Economy Wide Model Building) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Number of Posts, Classification and Scale of Pay.—The number of the said posts, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in Columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications : No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, It may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respects to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall effect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from rules with time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection.	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits	
1	2	3	4	5	6	7	
Director (Input-output and Economy wide Model Building)	One	General Central Service Group 'A' Gazetted	Rs. 1800-100-2000	Not applicable	Not applicable	Not applicable	
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation, transfer and percentage of the vacancies to be filled by the various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made		If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11		12	13	
Not applicable	Not applicable	Transfer on deputation.	Transfer on deputation : Grade I Officers of the Indian Statistical Service or Grade II Officers of that service with 3 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 4 years).		Not applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.	

[File No. A. 12018/8/75-Admn. I]

सांक्रांति 908.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, योजना आयोग (प्रमुख, रसायन उद्योग) भर्ती नियम, 1969 में संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम योजना आयोग (प्रमुख, रसायन उद्योग) भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. योजना आयोग (प्रमुख, रसायन उद्योग) भर्ती नियम, 1969 की अनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात् :—

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्ति के लिये आयु	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
प्रमुख (रसायन उद्योग)	एक	साधारण, केन्द्रीय सेवा समूह 'क' राजपत्रित	2000-125/2/- 2250 रु०	चयन	45 वर्ष से अनधिक (सरकारी सेवाओं के लिए शिथिलनीय) टिप्पण : आयुसीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख, अभ्यर्थियों से (उनसे) भिन्न जो अन्वेषण और निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्रों में हैं) आवेदनों की प्राप्ति की अंतिम तारीख होगी।	आवश्यक : (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय से, रसायन शास्त्र में मास्टर की उपाधि या रासायनिक इंजीनियरी में उपाधि या समतुल्य; (2) योजना के विभिन्न पक्षों या रसायन उद्योगों के विकास कार्यक्रमों के निष्पादन या दोनों में कुल मिलाकर कम से कम दस वर्ष का अनुभव। (अर्हताएं, अन्यथा सुअहित अभ्यर्थियों की दशा में, संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं, विशेषतया, अनुसूचित जातियों या जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में अनुभव संबंधी अर्हता शिथिल की जा सकती है।)

वांछनीय :

- (1) रासायनिक और सहसह उद्योगों से संबंधित साक्ष्यता या व्योरे-वार परियोजना रिपोर्टों के तैयार करने या मूल्यांकन का अनुभव।
- (2) औद्योगिक अनुशासन, विदेशी विनिधान और सहयोग की नीतियों और प्रक्रियाओं से सुपरिचित होना चाहिये।

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति भर्ती सीधे होगी/ प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिष्ठान	प्रोन्नति प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण किया जायेगा/की जायेगी/किया जायेगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा।
--	----------------------------	--	--	---	---

8	9	10	11	12	13
आयु : नहीं	2 वर्ष	प्रतिनियुक्ति (संबिदा सम्मिलित है) या प्रोन्नति, अथवा, संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जायेगा, जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रतिनियुक्ति (संबिदा सम्मिलित है) पर स्थानान्तरण या प्रोन्नति केंद्रीय सरकार या राज्य सरकार या विश्वविद्यालयों या मान्यता प्राप्त अनुसंधान संस्थानों लोक उपक्रमों में समूचित श्रेणी के ऐसे अधिकारी जो स्तम्भ 7 में, सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित अर्हताएं और अनुभव रखते हों। योजना आयोग के ऐसे निर्देशों पर भी विचार किया जायेगा, जिन्होंने उस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् तीन वर्ष से अधिक सेवा की हो और जो स्तम्भ 7 में सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित अर्हताएं रखते हो। यदि उस पद पर नियुक्ति के लिए किसी निर्देशक का अयन किया जाता है तो वह प्रोन्नति द्वारा भरा गया समझा जायेगा। (प्रतिनियुक्ति या संबिदा की अवधि सामान्यतया 5 वर्ष से अधिक नहीं होगी।)	समूह क विभागीय प्रोन्नति समिति	स्तम्भ 10 के उपबन्धों के साथ पठित संघ लोक सेवा आयोग, (परामर्श से कूट) विनियम, 1958 द्वारा यथापेक्षित।

[सं० ए 12018/1/75-प्रशासन]

आनेन्द्र नाथ गुप्त, निदेशक

G.S.R. 908.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Planning Commission (Chief, Chemical Industries) Recruitment Rules, 1969, namely :—

1. (1) These rules may be called the Planning Commission (Chief Chemical Industries) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. For the Schedule to the Planning Commission (Chief, Chemical Industries) Recruitment Rules, 1969, the following shall be substituted, namely :—

SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection Post	Age limit for direct recruits.	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Chief (Chemical Industries)	One	General Central service Group 'A' Gazetted.	Rs. 2000-125/2-2250.	Selection.	Not exceeding 45 years, (Relaxable for Government Servants) Note : The Crucial date for determining the age limit shall be the closing date or receipt of applications from candidates (Other than those in the Union territories of the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : (i) Master's degree in Chemistry or Chemical Technology or a degree in Chemical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) At least 10 year's experience in the various aspects of planning or execution of development programmes of chemical Industries or in both in total. (Qualifications relaxable at the Union Public Service Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified in particular the qualifications regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes). Desirable : (i) Experience in the preparation or evaluation of feasibility or detailed project reports pertaining to chemical and Allied Industries.) (ii) Acquaintance with policies and procedures of industrial Licensing, foreign investment and collaboration.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or promotion or by deputation transfer and percentage of the vacancies to be filled by the various methods	In case a recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11	12	13
Age No. Educational Qualifications Yes.	2 Years	Transfer on deputation (including contract) or promotion the selection being made in consultation with the Union Public Service Commission failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation (including contract) or promotion: Officers of the appropriate grade from the Central Government or State Government or Universities or Recognised Research Institutions or public undertakings, possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruits in column 7. Directors of the Planning Commission who have put in not less than 3 yrs. service in the grade after appointment thereto on a regular basis and possessing qualifications and experience prescribed for direct recruits in column 7 will also be considered. In case a Director is selected for appointment to the post, it will be treated as having been filled by promotion. (Period of deputation or contract—ordinarily not exceeding 5 years).	Group 'A' Departmental Promotion Committee.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from consultation) Regulations, 1958, read with provision under column 10."

विधि, स्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 मई, 1976

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 26 मई, 1976

सां. कां. निं. 909.—मिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) की प्रथम अनुसूची के आदेश 27 के नियम 8 में के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के सतृष विधि मंत्रालय (विधि कार्य विभाग) की अधिसूचना सं. सां. कां. निं. 1412, तारीख 25 नवम्बर, 1960 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, महाराष्ट्र में संशोधन मय 7 में, लघुवाद न्यायालय से संबंधित उप-मद (घ) के मामले, विद्यमान प्रविष्टि को उसकी प्रविष्टि (i) के रूप में संशोधित किया जाएगा और इस प्रकार संशोधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(ii) श्री जी. वी. कामबेकर,
केन्द्रीय सरकार के अपर स्थायी काउन्सिलर।”

[सां. कां. 23 (2)/76-न्या.]

प्रां. के. कर्मा, अपर विधि सलाहकार

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 26th May, 1976

G.S.R. 909.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of rule 8B of Order XXVII of the First Schedule to the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Law (Department of Legal Affairs) No. G.S.R. 1412 dated the 25th November, 1960, namely :—

In the Schedule to the said notification, in item 7 relating to Maharashtra, against sub-item (d) relating to the Court of Small Causes, the existing entry shall be numbered as entry (i) thereof and after the entry as so numbered, the following entry shall be inserted, namely :—

“(ii) Shri G. V. Kasbekar,
Additional Central Government Standing Counsel.”

[No. F. 23(2)/76-Lud.]

P. K. KARTHA, Addl. Legal Adviser.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 5th May, 1976

G.S.R. 910.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Regional Offices of the Commissioner for Linguistic Minorities in India (Group C and Group D Posts) Recruitment Rules, 1975, published with the Notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. GSR 2787, dated the 13th December, 1975, namely :—

1. (1) These rules may be called the Regional Offices of the Commissioner for Linguistic Minorities in India (Group-C and Group-D Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Regional Offices of the Commissioner for Linguistic Minorities in India (Group C and Group D Posts) Recruitment Rules, 1975, in Item 3, relating to the posts of Lower Division Clerks, in column 7, for the entry “18-21 years”, the entry “18-25 years” shall be substituted.

[No. IV-14015/20/74-NJD(E)]

Y. V. NARANJE, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 जून, 1976

सां. कां. निं. 911.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महा-विद्यालय नागपुर में प्रयोगशाला सहायक के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम अग्निशमन सेवा महाविद्यालय नागपुर, प्रयोगशाला सहायक भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसके वेतनमान के होंगे जो संलग्न अनुसूची में स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयुसीमा और अन्य अर्हताएं :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वह होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 में 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. अनर्हताएं :—वह व्यक्ति—

- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, या
- (ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पत्र पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाय कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार मौजूद हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ वह, उसके लिये जो कारण हैं उन्हें लेख-बद्ध करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिये उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वैतनमान	चयन पथ अथवा अचयन पथ	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु सीमा	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
प्रयोगशाला-सहायक	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह 'ग'	330-10-380- द० री०-12-500- द० री०-15-560 र०	लागू नहीं होता	30 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के लिये छूट दी जा सकती है)	(1) भौतिकी तथा रसायन शास्त्र में बी० एम० सी० उत्तीर्ण होना चाहिये। (2) प्रयोगशाला सहायक के रूप में 3 वर्ष के अनुभव वाले व्यक्तियों को बरीयता दी जाएगी। (3) भौतिकी तथा रसायन शास्त्र में विभिन्न प्रयोगों के लिये प्रयोगशाला साधनों को लगाने में तथा स्वतंत्र रूप से साधारण प्रयोग भी करने में समर्थ होना चाहिये।
सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शिथिल आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा/की जायेगी/किया जायेगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	

[सं० 8/2/76-प्रणामन (सी०डी०)]

जी० गणेश, उपसचिव

New Delhi, the 2nd June, 1976

G.S.R. 911. In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Laboratory Assistant, National Fire Service College, Nagpur, namely:—

1. Short title and commencement. —(1) These rules may be called the Laboratory Assistant, National Fire Service College, Nagpur, Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule hereto annexed.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the aforesaid Schedule.

4. Disqualifications.—No person—

(a) who has entered into, or contracted, a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into, or contracted, a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage, and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of the rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the member of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts.	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-Selection post	Age limit for direct recruitment	Educational qualification and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Laboratory Assistant	1	General Central Service Group C	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.	N.A.	30 years. (Relaxable for Government servants).	(i) Should have passed B.Sc. with Physics and Chemistry. (ii) Preferably 3 years' experience as Laboratory Assistant. (iii) Should be able to set up laboratory apparatus for various experiments in Physics and Chemistry and also able to carry out simple experiments independently.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion /deputation/transfer grades from which promotion/deputation transfer to be made	If a Departmental promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	2 years.	By Direct Recruitment	Not Applicable	Not Applicable	Not Applicable.	

[No. 8/2/76-Adm. (CD)]
G. GANESH, Dy. Secy.

(भारत के महासचिव का कार्यालय)

नई दिल्ली, 10 जून, 1976

सां० कां० सि० 912.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशक पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक, कर्नाटक के कार्यालय में ग्रुप-ग के पदों से संबंधित भर्ती की पद्धति को विनियमित करने के लिये निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का नाम जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक, कर्नाटक का कार्यालय भर्ती नियम, 1976 होगा।

(2) ये नियम शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2 लागू होना:—यह नियम इसके साथ संलग्न अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पदों पर लागू होंगे।

3 पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और वेतनमान:—पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और वेतनमान इसके साथ संलग्न अनुसूची के स्तम्भ 2 में 4 तक में विनिर्दिष्टानुसार होंगे।

4 भर्ती की पद्धति, आय-सीमा और अन्य अर्हताएँ आदि:—भर्ती की पद्धति, आय-सीमा, अर्हताएँ और उनसे संबंधित अन्य बातें उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्टानुसार होंगी।

5 निरहताएँ:—यह व्यक्ति:

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो या विवाह करना तय किया हो जिसका पति/पत्नी जीवित है, या

(ख) जिसने अपने पति/पत्नी के जीवित होते हुए किसी अन्य व्यक्ति से विवाह किया हो या विवाह करना तय किया हो,

उक्त पदों पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु इस सम्बन्ध में यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू वैयक्तिक कानून के अधीन अनुशेष है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार भी मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

6. छूट देने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार का यह मत हो, कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उसके कारण विपिबद्ध करने लुये किसी वर्ग या श्रेणी के व्यक्तियों को इन नियमों के किसी उपबन्ध से छूट दे सकती है।

7. अपवाद:—केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के सम्बन्ध में किये जाते बाँचे आरक्षणों और अन्य अक्षित रियायतों पर इन नियमों में विहित किसी व्यवस्था का अवांछित प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रवरण पद है या अप्रवरण	सीधी भर्ती के लिये आय सीमा	सीधी भर्ती वालों के लिये अपेक्षित शैक्षिक व अन्य अर्हताएँ
1	2	3	4	5	6	7
कनिष्ठ अन्वेषक	2	सामान्य केन्द्रीय सेवा, युव-ग	425-15-500-द० री०- 15-560-20-700००	लागू नहीं	30 वर्ष	अनिवार्य : टिप्पणी: भर्ती नियमों के स्तम्भ 7 में वर्णित आय-सीमा के निर्धारण के लिये निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में, वह होगी जो भारत में (अण्डमान और निकोबार द्वीप समूहों तथा लक्षद्वीप में भिन्न) अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी। उन पदों के बारे में जिन की भर्ती नियोजन कार्यालयों के माध्यम से की जाती है, आय-सीमा के निर्धारण के लिये निर्णायक तारीख, प्रत्येक मामले में वह होगी, जिस अंतिम तारीख तक नियोजन कार्यालयों से नाम भेजे जाने के लिये कहा जायेगा।
						<p>किया मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर डिग्री या सांख्यिकी/गणित/अर्थशास्त्र/भाषा-विज्ञान/मानव-विज्ञान/भूगोल/समाजशास्त्र के समतुल्य आनर्ग डिग्री</p> <p>या</p> <p>(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से गणित/सांख्यिकी/अर्थशास्त्र (सांख्यिकी सहित) विषय के माध्य स्नातक की डिग्री।</p> <p>(ii) किसी मान्यताप्राप्त सांख्यिकीय संस्थान से सांख्यिकी में 2 वर्ष का स्नातकोत्तर प्रशिक्षण तथा सांख्यिकीय आंकड़ों से संग्रहण संकलन और निर्वहन सम्बन्धी सांख्यिकीय कार्य का अनुभव।</p> <p>या</p> <p>(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से अर्थशास्त्र/भाषा-विज्ञान/मानव-विज्ञान/भूगोल/समाज शास्त्र के माध्य स्नातक की डिग्री।</p> <p>(ii) ग्रामीण हस्तकला या अन्य सामाजिक, आर्थिक, भाषा विज्ञान, मानव वैज्ञानिक, भौगोलिक या सामाजिक जाँच-पड़ताल के सर्वेक्षण में 2 वर्ष का अनुभव।</p>

क्या सोचो भर्ती के लिये निर्धारित आयु व शैक्षिक अर्हतायें पदोन्नत होने वाले व्यक्तियों पर लागू होगी	परिवीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति, क्या भर्ती सोची भर्ती द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा की जायेगी और निम्न पद्धतियों से की जाने वाली रिक्तियों का प्रतिगत	यदि भर्ती पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा की जाती हो तो किन प्रेष्ठों से पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाना है	यदि कोई विभागीय पदोन्नति समिति हो, तो उसका गठन क्या है	भर्ती करने के लिये किन परिस्थितियों से संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाता है
---	------------------------------	---	--	--	--

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं	दो वर्ष	सीधी भर्ती	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

1	2	3	4	5	6	7
मेन्बर्षाल	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा, ग्रुप-ग	425-15-500-र० रो० 15-560-20-640 रु०	प्रवरण	लागू नहीं	लागू नहीं

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा, ऐसा न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा	पदोन्नति : प्रेष्ठ में तीन वर्ष की नियमित सेवा वाले उच्च श्रेणी लिपिक। प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण/केन्द्रीय/राज्य सरकार के कार्यालय में सक्षम पदों पर कार्यरत ऐसे उपयुक्त कर्मचारी जिन्हें प्रशामनिक, लेखा और बजट के कार्य का अनुभव हो।	ग्रुप-ग विभागीय पदोन्नति समिति उपनिदेशक, जनगणना कार्य :-ग्रन्थस सहायक निदेशक जनगणना कार्यः सदस्य अधिमान्यतः अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का केन्द्रीय सरकार के किसी अन्य विभाग में कार्यरत ग्रुप-क का कोई अधि-कारी :-सदस्य	लागू नहीं

[सं० 3/12/76-प्रशा० एक]

रा० स० जारी, महापंजीकार और पदेन संयुक्त सचिव

(Office of the Registrar General, India)

New Delhi, the 10 June, 1976

G.S.R. 912—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group C posts in the office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Karnataka, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Karnataka (Group C posts) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come in to force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed hereto.

3. Number of posts, classification and scales of pay.—The number of posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit and other qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts, shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

5. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into, or contracted, a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—When the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with regard to any class or category of persons or posts.

7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the members of the scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Accountant	1	General Central Service Group C	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-640	Selection	Not applicable	Not applicable

Whether age & educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	Promotion failing which by transfer on deputation transfer	Promotion: Upper Division Clerk with 3 years' regular service in the grade. Transfer on deputation/Transfer. Suitable officials holding analogous posts in Central/State Government offices with experience in establishment, accounts and budget work.	Group 'C' Departmental promotion Committee : Deputy Director of Census Operation—Chairman Assistant Director of Census Operations—Member A Group 'A' officer of some other Central Govt. office, preferably belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes—Member.	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7
Junior Investigator	2	General Central Service Group C	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700.	Not applicable	30 years	Essential : Master's degree or equivalent Honours degree in Statistics/Mathematics/Economics/Linguistics/Anthropology/Geography/Sociology of a recognised University.

OR

OR

1	2	3	4	5	6	7
						(i) Degree of a recognised University with Mathematics/Statistics/Economics (with Statistics) as a subject. (ii) Two years' post graduate training in Statistics in a recognised Statistical Institute and experience of statistical work involving collection, compilation and interpretation of statistical data. OR (i) Degree of a recognised University with Economics/Linguistics/Anthropology/Geography/Sociology ; (ii) Two years' experience in survey of villages, handicrafts or other socio-economic, linguistic, anthropological or sociological enquiries.

Note : The crucial date for determining the age-limit mentioned in column 6 of the recruitment rules will, in each case, be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).

In respect of post, appointments to which are made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit will, in each case, be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit names.

8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	Direct Recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable.

[No. 3/12/76-Ad. I]
R.B. CHARI, Registrar General, India and ex-officio Jt. Secy

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, 12 मई, 1976

सा० का० नि० 913.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुकों द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति ने इसके द्वारा इण्डिया मिज्यूरीटी प्रेस (श्रेणी-I और श्रेणी-II के पद) भर्ती नियमावली, 1968 में और संशोधन करके निम्न नियम बनाए गए हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों को इण्डिया मिज्यूरीटी प्रेस (श्रेणी-I और श्रेणी-II के पद) भर्ती (संशोधन) नियमावली, 1976 कहा जाएगा।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. इण्डिया मिज्यूरीटी प्रेस (श्रेणी-I और श्रेणी-II के पद) भर्ती नियमावली, 1968, की अनुसूची में "ग्रुप V" के अन्तर्गत सब 17-वीं और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्न लिखा जाएगा, अर्थात्:—

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	सीधी प्रवर्धन पद हैं या इससे भिन्न	सीधी भर्ती वालों के लिए उम्र के लिए उम्र	सीधी भर्ती वालों के लिए शिक्षा और आवश्यक अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
17-वीं क्रम अधिकांशी	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप-बी राजपत्रित नॉन-मिजिस्ट्रियल	840-40-1000-२० रो० 40-1200	लागू नहीं होता	30 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवकों को छूट दी जा सकती है)	(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा इसके समकक्ष (ii) किसी सरकारी विभाग में अथवा सरकारी विकास अथवा गैर-सरकारी प्रतिष्ठान में सामान के इंडेंट करने और उसे खरीदने के लिए जिम्मेदारी के पद पर काम करने का 4 वर्ष का अनुभव। (यदि उम्मीदवार और सब प्रकार से अर्हता प्राप्त है तो संघ लोक सेवा आयोग अपने विवेकानुसार अर्हताओं में छूट दे सकता है। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए लिए आरक्षित, किए गए पदों के संबंध में अनुभव संबंधी अर्हताओं में विशेष छूट दी जा सकती है।

क्या सीधी भर्ती वालों परीक्षा की भर्ती का तरीका सीधी भर्ती पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/तबादले द्वारा यदि कोई विभागीय परिस्थितियाँ जिसमें के लिए निर्धारित अवधि, यदि कोई द्वारा अथवा पदोन्नति द्वारा भर्ती किए जाने की स्थिति में उन समिति हो तो उसका भर्ती करते समय संघ उच्च और शिक्षा हो अथवा प्रतिनियुक्ति/तबादले द्वारा संवर्गों का विवरण जिन से पदोन्नति/ गठन लोक सेवा आयोग से संबंधी ग्रहणताएं पदोन्नति और विभिन्न तरीकों द्वारा भरे प्रतिनियुक्ति/तबादला किया जाना हो परामर्श किया जाना हो व्यक्तिगतों पर भी शतता हो लागू होगी

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर तबादले द्वारा ऐसा न होने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर तबादला:- केन्द्रीय सरकार के अधीन इसके समान पदों पर काम करने वाले अधिकारी अथवा 550-900 रुपये के वेतनमान वाले पदों पर काम करने की तीन वर्ष की सेवा अथवा 425-800 / 425-700 रुपये के वेतनमान में 10 वर्ष की सेवा अथवा इसके समकक्ष और कालम 7 में सीधी भर्ती वालों के लिए निर्धारित की गई ग्रहणताएं। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः 3 वर्ष से अधिक नहीं)	लागू नहीं होता	जैसा कि संघ लोक सेवा आयोग (परा-मर्श से छूट) विनि-यमावनी 1958 के अंतर्गत अपेक्षित है।

[सं० एक० 5/8/75- करेंसी]

लाज कुमार मलहोत्रा, अवसर सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
New Delhi, the 12th May, 1976

G.S.R. 913.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the India Security Press (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1968, namely :—

1. (1) These rules may be called the India Security Press (Class I and Class II posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976;
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the India Security Press (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1968, under Group V, for item 17-B and the entries thereto, the following shall be substituted, namely :—

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or Non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
17-B Purchase Officer.	1	General Central Service Group B, Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 840-40-1000-EB-40-1200.	Not applicable.	Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants).	(i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) 4 years' experience in a responsible capacity in indenting and purchasing of stores in a Government Department or in a Public body or in a private concern. (Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified; in particular the qualifications regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes with respect to post reserved for them.

NOTE :—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India. (Other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by the various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By transfer on deputation failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation : Officers under the Central Government holding analogous posts or with 3 years' service in posts in the scale of Rs. 550-900 or with 10 years' service in the scale of Rs. 425-800/425-700 or equivalent and possessing the qualification prescribed for direct recruits under column 7. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Not applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.

[No. F. 5/8/75-Cy.]

L. K. MALHOTRA, Under Secy.

(राजस्व और बैंक कारी विभाग)

नई दिल्ली, 3 मार्च, 1976

(Deptt. of Revenue and Banking)

New Delhi, the 3rd March, 1976

सां. कां. निं. 914.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सीमाशुल्क अंकक सेवा, वर्ग 2 भर्ती नियम, 1961 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम सीमाशुल्क अंकक सेवा वर्ग 2 भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये 1 जुलाई, 1974 से प्रवृत्त होंगे।

2. सीमाशुल्क अंकक सेवा, वर्ग 2 भर्ती नियम, 1961 में,

(1) नियम 7 में, उपनियम (ख) में, अंक, "24" के स्थान पर अंक, "26" रखा जाएगा;

(2) नियम 14 के उपनियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित टिप्पण्यस्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"टिप्पण्य :— उपर विनिर्दिष्ट आयुसीमा, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों की दशा में, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए साधारण, आदेशों के अनुसार, शिथिल की जा सकती है।

[प्रधिमूचना सं० ए० 12018/1/73-ए० डी०-II ए]

एम० आर० शर्मा, अवर सचिव

G.S.R. 914.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Customs Appraisers' Service, Class II Recruitment Rules, 1961, namely :—

1. (1) These rules may be called the Customs Appraisers' Service, Class II Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force from the 1st July, 1974.

2. In the Customs Appraisers' Service, Class II Recruitment Rules, 1961;

(1) in rule 7, in sub-rule (b) for the figures "24", the figures "26" shall be substituted;

(2) after sub rule (1) of the rule 14, the following Note shall be inserted namely :—

"Note.—The upper age limit specified above may be relaxed in the case of Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the general orders issued by the Central Government from time to time."

[Notification No. A-12018/1/73-Ad. II-A]

S. R. SHARMA, Under Secy.

उद्योग और नागरिक पूति मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 8 जून, 1976

सां. कां. निं. 915.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उद्योग और नागरिक पूति मंत्रालय के तकनीकी विकास महानिदेशालय में विकास अधिकारियों (चयन श्रेणी) के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम तकनीकी विकास महानिदेशालय विकास अधिकारी (चयन श्रेणी) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रभुत्त होंगे।

2. लागू होना:—ये नियम इससे उपाखण्ड अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पदों पर भर्ती की होंगे।

3. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पदों की संख्या/उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि:—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 12 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

5. निरर्हताएं:—वह व्यक्ति:—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है; या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो;

सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अर्थ पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुशेष है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. शिथिल करने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों या पदों की बाबत भावेष द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

7. व्यावृत्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों, और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
1. विकास अधिकारी (इंजीनियरी) (चयन श्रेणी)	8	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क' (राज-पत्रित)	1800-100-2000 रु०	चयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नतों की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति, भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिपात	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा/की जायेगी	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है, तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	शून्य	100 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा	प्रोन्नति: तकनीकी विकास महा-निदेशालय में विकास अधिकारियों (इंजीनियरिंग) में से जिन्होंने उस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् पांच वर्ष की सेवा की हो। “टिप्पण:—जहाँ इन नियमों के अधीन प्रोन्नति के लिए किसी अधिकारी पर विचार किया जाता है वहाँ उस श्रेणी में उक्त अधिकारी से ज्येष्ठ सभी अधिकारियों पर विचार इस बात के होने पर भी किया जाएगा कि उन्होंने उस श्रेणी में विनिर्दिष्ट वर्षों तक नि-मित्त सेवा नहीं की है।”	विकास महा-निदेशालय तकनीकी विकास। या ज्येष्ठतम-उपमहा-निदेशक (इंजीनियरिंग)। (2) औद्योगिक विकास विभाग के ऊपर सचिव (प्रशासन)।	संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) नियम 1958 के अधीन यथापेक्षित।	

1	2	3	4	5	6	7
2. विकास अधिकारी (रसायन) (चयन श्रेणी)	6	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क' (राज-पत्रित)	1800-100-2000	चयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	मूल्य	100 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा	प्रीति :-—तकनीकी विकास महा-निदेशालय में कार्यरत विकास अधिकारी (रसायन) और विशेष कार्य अधिकारी (एफ० पी० आई) में से जिन्होंने अपनी अपनी श्रेणी में या दोनों श्रेणियों में कुल मिलाकर नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् पाँच वर्ष सेवा की हो ; टिप्पणी :-—जहाँ इन नियमों के अधीन प्रीति के लिए किसी अधिकारी पर विचार किया जाता है उस श्रेणी में उक्त अधिकारी से ज्येष्ठ सभी अधिकारियों पर विचार इस बात के होने पर भी किया जाएगा कि उन्होंने उस श्रेणी में विनि-दिष्ट वर्षों तक नियमित सेवा नहीं की हो ।"	अध्यक्ष:- अध्यक्ष/सर्वस्य संघ सेवा प्रायोग । सदस्य:- (1) सचिव तकनीकी विकास और महा-निदेशक तकनीकी विकास या ज्येष्ठ उप महा-निदेशक (रसायन) (2) औद्योगिक विकास विभाग के उपर सचिव या समुयुक्त सचिव (प्रशासन)	संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम 1968 के अधीन यथापेक्षित

[फा० सं० ए-12018/16/76-ई० IV]

भार० रामानुजम, अवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 8th June, 1976

G.S.R. 915.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Development Officer (Selection Grade) in the Directorate General of Technical Development in the Ministry of Industry & Civil Supplies, namely :—

1. Short title and commencement: (1) These rules may be called the Directorate General of Technical Development [Development Officers (Selection Grade)] Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application : These rules shall apply to the recruitment to the posts specified in column 1 of the Schedule hereto annexed.

3. Number, classification and scale of pay : The number of posts, their classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limits, qualifications etc : The Method of recruitment to the said posts, age limits, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 12 of the Scheduled aforesaid.

5. Disqualification : No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to service:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax : Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules in respect of any class or category of persons for posts.

7. Saving : Nothing in these rules shall affect such reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or Non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
1. Development Officer (Engineering) (Selection Grade).	8	General Central Service Group A, (Gazetted).	Rs. 1800-100-2000.	Selection	Not applicable	Not applicable
2. Development Officer (Chemicals) (Selection Grade).	6	General Central Service Group A, (Gazetted).	Rs. 1800-100-2000.	Selection	Not applicable	Not applicable
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by the various methods.	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made		If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11		12	13
Not applicable	Nil	100% by promotion	Promotion : From amongst Development Officers (Engineering) in the Directorate General of Technical Development with 5 years service rendered in the grade after appointment thereto on a regular basis.		Chairman : Chairman/Member, Union Public Service Commission. Members : (1) Secretary (TD) and DGTD or Senior-most Deputy Director General (Engineering), and (2) Additional Secretary or Joint Secretary (Admn.) in the Department of Industrial Development.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption) Regulations, 1958.
Not applicable	Nil.	100% by promotion	Promotion : From amongst Development Officers (Chemicals) and Officer on Special Duty (Food Processing Industries) working in the Directorate General of Technical development with 5 years' service rendered in the respective grades or in both the grades combined rendered, after appointment thereto on a regular basis.		Chairman : Chairman/Member, Union Public Service Commission. Member : (1) Secretary (TD) & DGTD or Senior-most Deputy Director General (Chem.) (2) Additional Secretary or Joint Secretary (Admn.) in the Department of Industrial Development.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption) Regulations, 1958.

"NOTE : --Where an officer is considered for promotion under these rules, all persons senior to him in that grade shall also be considered notwithstanding that they may not have rendered the specified number of years of regular service in that grade."

[File No. A 12018/16/75-E.IV]
R, RAMANUJAM, Under Secy.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

पत्तन

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1976

सांकांलि० 916.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, मौरमुगाओ पत्तन नियम, 1966 में निम्नलिखित संशोधन करने की प्रस्तापना करती है, जिसे उक्त धारा की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार किया जा रहा है, अर्थात्—

मौरमुगाओ पत्तन नियम, 1966 में संशोधन

मौरमुगाओ पत्तन नियम, 1966 के नियम 32 (घ) के अधीन विहित दिन के समय आने वाले तूफान की चेतावनी के संकेत सं० VII और VIII को निम्नलिखित रूप में प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

तूफान संकेत सं० VII

तूफान संकेत सं० VIII



[फा० नं० पी० जी० एम०-63/75]

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

PORTS

New Delhi, the 23rd March, 1976

G.S.R. 916.—The following draft of certain rules which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) is hereby published, as required by sub-section (2) of the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration on or after the expiry of a period of forty five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to said draft before the expiry of the said period, will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

- These Rules may be called the Mormagao Port (Amendment) Rules, 1976.
- In clause (d) of rule 32 of the Mormugao Port Rules, 1966 against items VII and VIII, for the local signals under the heading "Day" in the third column, the following shall respectively be substituted namely :—

VII



VIII



[F. No. PGL-63/75]

नई दिल्ली 15 मई, 1976

सांकांलि० 917.—तृतीकोरन महापत्तन (बन्दरगाह यान) नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिन्हें केन्द्रीय सरकार भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्तापना करती है, उक्त धारा की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिये प्रकाशित किया जाता है जिसका उससे प्रभावित होने की संभावना है और सूचना दी जाती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से साठ दिन की अवधि पर या उसके पश्चात् प्राप्तिपत नियमों पर विचार किया जाएगा।

2. उक्त प्रारूप की बाबत इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि से पूर्व किसी व्यक्ति से जो सलाह या सुझाव प्राप्त होंगे उन पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

प्राप्तिपत नियम

1.—संक्षिप्त नाम और लागू होना : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम तृतीकोरन महापत्तन (बन्दरगाह यान) नियम, 1976 है।

(2) ये तृतीकोरन महापत्तन की लागू होंगे।

2. परिभाषाएं—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,

(क) "उप संरक्षक" से तृतीकोरन महापत्तन का उप संरक्षक अभिप्रेत है,

(ख) "प्रारूप" से इन नियमों से संलग्न प्रारूप अभिप्रेत है,

(ग) "बन्दरगाह यान" से ऐसा कैप्टन या जो भाड़े या किसी फ्लैट या स्थोरा, यात्रियों के लिये चल रहा हो या अन्य नाव जो, चाहे भाड़े के लिये चल रही हो या नहीं और चाहे विद्युत चालित हो या नहीं और जो चाहे नियमित रूप से या केवल यदाकदा चल रही हो, या भागतः पत्तन के भीतर और भागतः पत्तन के बाहर चल रही हो, अभिप्रेत है,

(घ) "आन्तरिक बन्दरगाहों" से पत्तन का वह भाग अभिप्रेत है जो बेसलाईन के पूर्व में पड़ता है (दक्षिण उत्तरी सड़क) और जिसकी विस्तार 205° पर हो और इनमें खराब बेसिन, पूर्वी डाक भुजा, तेन जेट्टी और भविष्य में होने वाली बर्ध, डाक भी है जिसका निकर्षण और विकास समय समय किया गया हो।

(ङ) "अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान" से इन नियमों के अधीन अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान अभिप्रेत है,

(च) मोटर कोर्ट से ऐसा शक्ति चालित बन्दरगाह यान अभिप्रेत है जो पूर्णतः या भागतः बाष्प से भिन्न विद्युत या यांत्रिक शक्ति के किसी रूप में प्रेरित हो रहा हो,

(छ) "बाह्य बन्दरगाह" से प्रवेश जल सरणी का वह भाग अभिप्रेत है जो ऊपर परिभाषित बेसलाईन के पूर्व में बन्दरगाह के प्रवेश द्वार के पार है और जो बन्दरगाह के प्रवेश द्वार से समुद्र की ओर 2400 मीटर की दूरी पर अवस्थित जलपथ बोया तक विस्तारित है,

(ज) बन्दरगाह यान के संबंध में प्रयुक्त "स्वामी" से मायिक स्वामी, अधिकारी या सबजटा बन्दरगाह भी है,

(झ) पत्तन से तृतीकोरन महापत्तन अभिप्रेत है,

(ञ) सड़क से पत्तन का वह भाग अभिप्रेत है, जो जलपथ बोया के समुद्र की ओर पड़ता है,

- (ट) स्वामी के संबंध में सेवक से टिण्डल या बोर्ड नाविक भी है,
 (ठ) "बाण नौका" से ऐसे बन्दरगाह यान अभिप्रेत है जो पूर्णतः या आंशिक बाण शक्ति से चालित हो,
 (ड) "टिण्डल" में ऐसा व्यक्ति भी है जो किसी बन्दरगाह यान भार-साधक हो।

3 (1) (क) बन्दरगाह यान का अनुज्ञापन के बिना न चलना

कोई भी व्यक्ति, चाहे स्वामी के रूप में या सेवक के रूप में, पत्तन की सीमा के भीतर पत्तन के किसी जलयान तक या जलयान में या एक स्थान से दूसरे स्थान तक या माल या याधियों के ले जाने के लिये किसी बन्दरगाह यान का प्रयोग तब तक नहीं करेगा जब तक ऐसे व्यक्ति के पास रजिस्ट्रीकरण या अनुज्ञापन अधिकारी द्वारा अनुवत्त प्रत्यक्ष रूप में अनुज्ञप्ति न हो और जब तक इस प्रकार प्रयुक्त बन्दरगाह यान को रजिस्ट्री-कृत न कर लिया गया हो। रजिस्ट्रीकरण के प्रयोजन के लिये बन्दरगाह यान का स्वामी उसे ऐसे स्थान में पहुँचायेगा जैसे रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अनुज्ञापन अधिकारी नियत करे। (ख) इन नियमों के अधीन अनुज्ञापन किए जाने वाले किसी अन्य यान के स्वामी को, अपनी नौकाओं के रजिस्ट्रीकृत और अनुज्ञप्त होने से पूर्व सीमाशुल्क विभाग में निरापत्ति प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करना चाहिये।

(ii) छूट—इन नियमों की कोई बात निम्नलिखित को लागू नहीं होगी,

- (i) ऐसे यान जो किसी पोत या स्टीमर के उल्कर के भाग के रूप में हैं, या
 (ii) ऐसे बन्दरगाह यान जिसे एक मात्र रूप से आमोद-प्रमोद के प्रयोजनों के लिये रखा गया हो, और
 (iii) ऐसे यान जो सरकार या पत्तन की सेवा में हैं।

4. बन्दरगाह यान का अनुज्ञापन—(1) नियम 3 के अधीन किसी बन्दरगाह यान के अनुज्ञापन के लिये प्रत्येक आवेदन लिखित रूप में उप संरक्षक की किया जाएगा और उसमें निम्नलिखित विशिष्टियाँ होंगी, अर्थात्:

- (क) स्वामी का नाम और उसका पूरा पता और यदि स्वामी अवयस्क हो तो इसमें संरक्षक का नाम पता होगा,
 (ख) अपनी ओर से कार्य करने के लिये स्वामी द्वारा सम्यक्तः प्राधिकृत अधिकारी, यदि कोई हो, का नाम और पता,
 (ग) उस टिण्डल का नाम जिसकी स्वामी बन्दरगाह यान के भार साधक के रूप में रखने की प्रस्तापना करता है,
 (घ) अपेक्षित अनुज्ञप्ति की प्रकृति, अर्थात् क्या इसकी अपेक्षा किसी यात्री नौका के लिये या किसी स्थौर नौका के लिये या किसी अन्य प्रयोजन के लिये है, और
 (ङ) बन्दरगाह यान के माप सकल टन भार और अन्य सुसंगत विशिष्टियों की बाबत स्थिति।

(2) उप नियम (1) के अधीन अनुज्ञप्ति के लिये आवेदन प्राप्त करने पर उप संरक्षक, स्वामी या ऐसे स्वामी द्वारा इस प्रयोजन के लिये सम्यक्तः नियुक्त किये गये किसी व्यक्ति की उपस्थिति में सर्वेक्षण या माप करेगा या करवाएगा और यह समाधान कर लेने पर कि बन्दरगाह यान समुद्र में चलने योग्य है और पत्तन में सेवा के लिये ठीक है या ऐसे अधिकारी से जिसने निम्नलिखित प्रमाणित करते हुए बन्दरगाह यान का सर्वेक्षण किया है, लिखित रूप में प्रमाणपत्र के पेश किये जाने पर—

- (क) कि ऐसे बन्दरगाह यान समुद्र में जाने योग्य है भलीभाँति लख है और उस प्रयोजन के लिये ठीक है जिसके लिये अनुज्ञप्ति की अपेक्षा की गई है,

(ख) यात्रियों की वह संख्या जिसे ऐसा बन्दरगाह यान सभी वशाओं में ले जाने में समर्थ है,

(ग) ऐसे बन्दरगाह यान के मुरक्षित नौ परिवहन के लिये अपेक्षित कर्मियों की संख्या,

(घ) कि ऐसे बन्दरगाह यान का उपस्कर अच्छी दशा में है, नियम 28 में विनिर्दिष्ट फीम के संदाय पर प्रत्यक्ष क में अनुज्ञप्ति मंजूर करेगा। (3) उप-नियम (2) में विनिर्दिष्ट सर्वेक्षण और माप के प्रयोजनों के लिये स्वामी बन्दरगाह यान को ऐसे स्थान पर पहुँचाएगा जिसे उप संरक्षक विनिर्दिष्ट करे।

(4) इन नियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, प्रत्यक्ष क में सभी अनुज्ञप्तियाँ 31 मार्च को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिये जारी की जाएंगी।

5. अवयस्क या स्त्रीस्वामी—यदि किसी बन्दरगाह यान का स्वामी कोई अवयस्क हो तो अनुज्ञप्ति अवयस्क के संरक्षक द्वारा अभिप्राप्त की जा सकेगी। यदि स्वामी कोई ऐसी स्त्री हो जो देश की वृद्धि के अनुसार सर्वसाधारण के सामने उपस्थित नहीं होती है, तो अनुज्ञप्ति उसकी ओर से उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अभिप्राप्त की जा सकेगी। ऐसे मामलों में, यथास्थिति, संरक्षक या अधिकारी को इन नियमों के अधीन स्वामी समझा जाएगा।

6. अनुज्ञप्ति, नियमों आदि तब पेश किया जाता जब कि उनकी मांग की जाए: (1) प्रत्येक बन्दरगाह यान की अनुज्ञप्ति टिण्डल के कब्जे में रहेगी जो अनुज्ञप्ति को तब पेश करेगा जब कभी उप संरक्षक या इस निमित्त उप संरक्षक द्वारा सम्यक्तः प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा उसे ऐसा करने के लिये की जाए।

(2) इन नियमों और उनके कार्यान्वयन के संबंध में उप संरक्षक द्वारा जारी किये गये लिखित अनुदेशों की एक प्रति स्वामी द्वारा टिण्डल को दी जायेगी जो मांग किये जाने पर उन्हें ऐसे बन्दरगाह यान को भाड़े पर लेने वाले या पर्यक को या यात्री को दिखलाएगा। स्वामी यह सुनिश्चित करने के लिये कि टिण्डल इन नियमों और अनुदेशों को समझता है और उससे इस आशय की घोषणा अभिप्राप्ति करने के लिये और जब कभी उप संरक्षक द्वारा उपेक्षा की जाए तब उसे पेश करने के लिये उत्तरदायी होगा।

7. अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान स्पष्ट रूप में संख्यांकन किया जाना :—

(1) अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान का स्वामी ऐसे बन्दरगाह यान के एक और दूसरी और चौथाई भाग पर कम से कम छह इंच की लम्बाई में काली पृष्ठभूमि में सफेद रंग से या हल्की पृष्ठभूमि में काले रंग में अंग्रेजी और हिन्दी अंकों में बन्दरगाह यान की वह संख्या जो कि अनुज्ञप्ति में उल्लिखित है, रंग चिह्नित करेगा या करवाएगा।

(2) कोई भी व्यक्ति नियम 4 के अधीन सम्यक्तः अनुज्ञप्त किसी बन्दरगाह यान पर ऐसी संख्या जो ऊपर कही गई है या अन्य कोई चिह्न जिससे इस विश्वास की उत्प्रेरित करने की सम्भावना हो कि ऐसा बन्दरगाह यान इस प्रकार अनुज्ञप्त किया गया है, रंग-चिह्नित नहीं करेगा या करवायेगा।

8. अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान के स्वामित्व या नियंत्रण में परिवर्तन—जब प्रत्यक्ष क में अनुज्ञप्ति का कोई धारक किसी बन्दरगाह यान के स्वामित्व को अन्य व्यक्ति को अन्तर्हित करता है, तो ऐसे अन्तरण की तारीख से छह दिन की समाप्ति पर अनुज्ञप्ति विधिमाम्य नहीं रह जाएगी। जहाँ ऐसा धारक बन्दरगाह यान के दूसरे व्यक्ति के पास बन्धक रखता है या उसके नियंत्रण में रखता है, वहाँ अनुज्ञप्ति ऐसे बन्धक या नियंत्रण में रखने की तारीख से 6 दिन की समाप्ति पर उस वशा में तब तक विधिमाम्य नहीं रहे जाएगी जब तक कि उप संरक्षक द्वारा अनुज्ञप्ति पर इस आशय का

पुष्ठांकन नहीं किया जाता है कि ऐसे अन्तर्गण या रखे जाने के होते हुए भी अनुज्ञप्ति विधिमान्य बनी रहेगी।

9. अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान के कर्मियों या दहन क्षमता में परिवर्तनों की बाबत रिपोर्ट की जाती—जब कभी किसी रजिस्ट्रीकृत बन्दरगाह यान के टिण्डल की बदली आता है या ऐसे यान में ऐसे परिवर्तन किया जाता है जिससे उसके लिए मंशर की गई अनुज्ञप्ति में अन्तर्विष्ट विशिष्टियों पर प्रभाव पड़ता है, तो ऐसी बदली या परिवर्तन की बाबत स्वामी द्वारा तुरन्त रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/अनुज्ञापन अधिकारी को रिपोर्ट की जाएगी। टिण्डल की बदली या दहन क्षमता के परिवर्तन की दशा में, बन्दरगाह यान तब तक नहीं चलेगा जब तक कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/अनुज्ञापन अधिकारी को ऐसी रिपोर्ट नहीं की जाती। ऐसी रिपोर्ट पर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/अनुज्ञापन अधिकारी स्वामी द्वारा धारित मूल अनुज्ञप्ति में संशोधन करेगा और टिण्डल की बदली की दशा में वह नियम 10 के अधीन रखे गए रजिस्टर में भी संशोधन करेगा।

जब कभी टिण्डल या किसी कर्मियों की बदली होती है तब सम्बद्ध यान के स्वामी को इन नौकाओं में नियोजन की बाबत अपने नामों को रजिस्ट्रीकृत करने से पूर्व सीमाशुल्क अधिकारी से 'निरापत्ति' प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करना चाहिए।

बन्दरगाह यान की दहन क्षमता को प्रभावित करने वाले परिवर्तन की दशा में, स्वामी द्वारा धारित मूल अनुज्ञप्ति को रद्द किया जाएगा और रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/अनुज्ञापन अधिकारी द्वारा बन्दरगाह यान के पुनः माप किए जाने के पश्चात् एक नयी अनुज्ञप्ति जारी की जाएगी और बन्दरगाह यान तब तक नहीं चलेगा जब तक ऐसी नयी अनुज्ञप्ति जारी नहीं की जाती।

परन्तु यदि उस समय जब कि ऐसी बदली या परिवर्तन होता है, बन्दरगाह यान पत्तन से दूर था, तो बदली या परिवर्तन की बाबत रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/अनुज्ञापन अधिकारी को उसके पत्तन पर वापस आने पर तुरन्त रिपोर्ट की जाएगी।

10. टिण्डलों का रजिस्ट्रीकरण—(1) नियम 4 के अधीन किसी बन्दरगाह यान के अनुज्ञापन के समय अनुज्ञप्ति में यथा प्रविष्ट टिण्डल का नाम और उसके संबंध में अन्य विशिष्टियाँ ऐसे रजिस्टर में प्रविष्ट की जाएंगी जिसे उप-संरक्षक द्वारा प्ररूप 'ख' में रखा जाएगा।

(2) प्रति वर्ष मार्च मास में ऐसी तारीख को जिस उप-संरक्षक द्वारा नियत किया जाएगा प्रत्येक अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान का स्वामी उप-संरक्षक के समक्ष, रजिस्टर में प्रविष्टियों की शुद्धता के गत्यापन के लिए, बन्दरगाह यान के टिण्डल को पेश करेगा।

परन्तु यदि ऐसा बन्दरगाह यान इस प्रकार नियत तारीख पर पत्तन से दूर है तो स्वामी उसके वापस आने के 24 घण्टे के भीतर टिण्डल को पेश करेगा।

(3) किसी व्यक्ति को किसी अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान के टिण्डल के रूप में उस दशा में नियोजित या नियुक्त नहीं किया जाएगा जब कि वह—

(क) ऐसा प्रमाणीकृत अधिकारी नहीं है जो नियम 29 के अनुसार ऐसे बन्दरगाह यान के मास्टर या इंजीनियर के रूप में अर्हित है,

(ख) उप-संरक्षक का राय में ऐसे बन्दरगाह यान के प्रयोग में अनभिज्ञ हुआ अथवा प्रदक्ष है।

11. अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान और कर्मियों का बाधक और विशेष निरीक्षण—प्रत्येक स्वामी, अनुज्ञप्ति की समाप्ति की तारीख से तीस दिन पूर्व, बन्दरगाह यान के निरीक्षण और अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए आवेदन करेगा। प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत अधिकारी/अनुज्ञापन अधिकारी द्वारा ऐसे

स्वान और ऐसी तारीख को जो वह उस प्रयोजन के लिए नियत करे निरीक्षण के लिए अनुज्ञप्ति सहित उसे पेश करे। ऐसे निरीक्षण के अतिरिक्त, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/अनुज्ञापन अधिकारी द्वारा या उसके द्वारा सम्यक्तः प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा, ऐसे समयों पर जिन्हें रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/अनुज्ञापन अधिकारी आवश्यक समझे, विशेष या आंशिक निरीक्षण किया जा सकेगा।

इस नियम के अधीन सभी निरीक्षणों के समय, यान में कर्मियों के सभी सदस्य और उपस्कर होंगे और ऐसे किसी व्यक्ति को जो इन नियमों की अपेक्षा के अनुसार प्रमाणीकृत व्यक्ति नहीं है या जो रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की राय में बन्दरगाह यान के प्रयोग से अनभिज्ञ है या अदक्ष है, टिण्डल के रूप में नियोजित या रजिस्ट्रीकृत नहीं किया जाएगा।

इन नियमों के अधीन अनुज्ञप्त सभी यानों के स्वामी अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए सीमाशुल्क अधिकारी से 'निरापत्ति' प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करेंगे।

12. निरीक्षण के लिए आरिष्ट बन्दरगाह यान की मरम्मत—(1) प्रत्येक अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान का स्वामी उसकी ऐसी मरम्मत करेगा जैसी नियम 11 में निर्दिष्ट निरीक्षण अधिकारी उसे दक्ष बनाने के लिए आदेश दे और कोई भी स्वामी या उसका कोई व्यक्ति ऐसे बन्दरगाह यान का तब तक प्रयोग नहीं करेगा या करवाएगा या करने देगा जब तक कि ऐसी मरम्मत नहीं की जाती है, और उप-संरक्षक ने उसके प्रयोग के लिए अनुज्ञा नहीं दे दी हो। ऐसी मरम्मतों के प्रयोजन के लिए स्वामी बन्दरगाह यान को अग्रगण्य में केवल ऐसे स्थान या स्थानों तक कबित कराएगा जैसे उप-संरक्षक समय-समय पर विदेश दे।

(2) किसी बन्दरगाह यान के बायलर, मशीनरी या हल में सभी बड़ी मरम्मतें उप-संरक्षक द्वारा नियुक्त किसी इंजीनियर और पोत सर्वेक्षक के पर्यवेक्षण के अधीन की जाएंगी। ऐसे यान का स्वामी या मास्टर मरम्मतें प्रारम्भ करने से पूर्व, उप-संरक्षक को ऐसे इंजीनियर और पोत सर्वेक्षक की फीस और अन्य खर्चों को पूरा करने के लिए पर्याप्त राशि का संवाय करेगा।

स्पष्टीकरण—इस उपनियम के प्रयोजन के लिए, उप-संरक्षक यह विनिश्चित करेगा कि क्या किसी विशिष्ट कार्य को बड़ी मरम्मत के रूप में माना जाएगा नहीं।

(3) उपनियम (2) में निर्दिष्ट फीस निम्नलिखित मापमान पर परिकल्पित की जाएगी, अर्थात् :—

फीसों का मापमान	रु०
(i) ऐसे प्रत्येक जलयान के लिए जिसका सकल टन भार 20 मीटरी टन से अधिक नहीं है	60
(ii) ऐसे प्रत्येक जलयान के लिए जिसका सकल टन भार 25 मीटरी टन से अधिक है और 50 टन से अधिक नहीं है	75
(iii) ऐसे प्रत्येक जलयान के लिए जिसका सकल टन भार 50 टन से अधिक है किन्तु 75 टन से अधिक नहीं है	90
(iv) ऐसे प्रत्येक जलयान के लिए जिसका सकल टन भार 75 टन से अधिक है किन्तु 100 टन से अधिक नहीं है	105
(v) ऐसे प्रत्येक जलयान के लिए जिसका सकल टन भार 100 टन से अधिक है किन्तु 300 टन से अधिक नहीं है	120

- (vi) ऐसे प्रत्येक जलयान के लिए जिसका सकल टन भार 300 टन से अधिक है किन्तु 600 टन से अधिक नहीं है 135
- (vii) ऐसे प्रत्येक जलयान के लिए जिसका सकल टन भार 600 टन से अधिक है किन्तु 900 टन से अधिक नहीं है 150
- (viii) ऐसे प्रत्येक जलयान के लिए जिसका सकल टन भार 900 टन से अधिक है किन्तु 1200 टन से अधिक नहीं है 160
- (ix) ऐसे प्रत्येक जलयान के लिए जिसका सकल टन भार 1000 टन से अधिक है 180
- 1200 टन से अधिक प्रत्येक 300 टन या उसके भाग के लिए 30 रु० प्रतिरक्त।

(4) उपनियम (2) में निविष्ट व्यय इस निमित्त केन्द्रीय सरकार के साधारण या विनिविष्ट अनुदेशों के अनुसार अवधारित किए जाएंगे।

13. अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान के कार्य पर नियन्त्रण :—

(1) स्वामी, प्रत्येक अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान में ऐसे कर्मचारी या उप-संरक्षक की व्यवस्था करेगा जो उप-संरक्षक द्वारा अवधारित किया जाए, और अनुज्ञप्ति में प्रविष्ट किए जाएं। बन्दरगाह यान का टिण्डल फलक पर अच्छे या प्रक्षुब्ध मौसम में चलने वाले बन्दरगाह यान के अनुसार अच्छे या प्रक्षुब्ध मौसम के लिए विनिर्दिष्ट कर्मचारी की संख्या से अधिक या कम व्यक्तियों को नहीं रखेगा और बन्दरगाह यान के लिए अनुज्ञप्ति में प्रविष्ट संख्या या परिमाण से अधिक संख्या या परिमाण में यात्रियों या माल का वहन नहीं करेगा।

(2) पत्तन के भीतर चलने वाले प्रत्येक अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान, अपने साथ जीवन बोया इतनी संख्या में ले जाएगा जो उप-संरक्षक द्वारा युक्तियुक्त समझी जाए और वे उसके द्वारा अनुमोदित टाईप के होंगे। इसके अतिरिक्त प्रत्येक ऐसा बन्दरगाह यान ऐसा तरणशील साधन भी अपने साथ ले जाएगा जो उप-संरक्षक द्वारा आवश्यक समझा जाए। बन्दरगाह यान में ले जाए जाने वाले ऐसे सभी बोया या तरणशील साधन जो उप-संरक्षक के समाधानप्रद रूप में रखा जाएगा जिससे फलक पर व्यक्ति आसानी से उन तक पहुंच जाए।

(3) यात्रियों के वहन के लिए अनुज्ञप्त प्रत्येक बन्दरगाह यान इस प्रकार फिट किया जाएगा कि प्रत्येक यात्री के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो जाए और मायबानों और बगल में मौसमी पर्दे उपलब्ध करने की बहूँ व्यवस्था की जाएगी जहाँ यात्रियों को क्रमशः धूप और मौसम से संरक्षण देना आवश्यक हो।

(4) उप-संरक्षक पत्तन के भीतर चलने वाले और यात्रियों का वहन करने वाले किसी अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान में कर्मियों की संख्या नियत करने में अपने विवेक का प्रयोग करेगा।

(5) क्या अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान का स्वामी यात्रियों की पूरी संख्या वहन करना चाहता है या यह इसके लिए तैयार नहीं है या विहित जीवन रक्षक उपकरणों का वहन करना असाध्य समस्या है, इस संबंध में उप-संरक्षक तदनुकूल यात्रियों की संख्या सीमित कर सकेगा और अनुज्ञप्ति पर उस आशय का पृष्ठांकन कर सकेगा।

14. पत्तन यातायात में बाधा डालना :—(1) किसी अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान में सेवा करने वाला कोई टिण्डल या कर्मचारी का कोई सदस्य ऐसे बन्दरगाह यान या किसी अन्य अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान के लदान, उत्तराई या सेवा में बाधा या रुकावट नहीं डालेगा या पत्तन में चलने वाले किसी जलयान के लिए बाधा या रुकावट नहीं डालेगा।

(2) कोई भी टिण्डल अपने भारसाधनाधीन किसी अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान को, पत्तन या घाटों या जेटियों के प्रवेश पथों में निर्बाध रूप से परिवहन करने में बाधा नहीं डालने देगा।

15. समुद्र में टक्कर निवारण की बाधत उपबन्धों का अनुपालन :—वाणिज्य पोत परिवहन (समुद्र में टक्करों का निवारण) विनियम, 1965 का पालन—सभी अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान, जलकि वे मार्ग में हों, वाणिज्य पोत परिवहन (समुद्र में टक्करों का निवारण) विनियम, 1965 के उपबन्धों का अनुपालन करेंगे।

16. विधिपूर्ण प्रतिहेतु के बिना चलने से इंकार करना :—(क) यदि नियमित रूप से भाड़े पर चलने वाले किसी रजिस्ट्रीकृत बन्दरगाह यान का स्वामी या भारसाधक टिण्डल, विधिपूर्ण प्रतिहेतु के बिना ऐसे यान को भाड़े पर चलने से उस समय इंकार करता है जबकि उसमें ऐसा करने की अपेक्षा की जाए, तो ऐसे बन्दरगाह यान की अनुज्ञप्ति रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/अनुज्ञापन अधिकारी द्वारा प्रतिसूत की जा सकती।

(ख) यदि बन्दरगाह यान को विधि विरुद्ध या अवैध क्रियाकलाप के लिए प्रयुक्त किया गया पाया जाता है तो अनुज्ञप्ति रद्द की जाएगी।

17. रात्रि के समय और खराब मौसम में अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान का कार्यकरण (क) कोई भी अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान—

(1) अपराह्न के 6 बजे और पूर्वाह्न के 6 बजे के बीच के घंटों में उप-संरक्षक की पूर्ण अनुज्ञा के बिना बाहरी सड़कों पर नहीं चलेगा ;

(2) बाहरी सड़कों पर नहीं चलेगा जब कि पत्तन के ध्वज दंड से खराब मौसम या उष्ण ज्वार उपदर्शित करने वाले तूफान की चेतावनी का संकेत सम्प्रदर्शित किया जाता है।

(ख) जबकि खंड (क) के उपखंड (ii) में निदिष्ट संकेत पत्तन ध्वज दण्ड पर फहराया जाता है, तब बाहरी सड़कों पर चलने वाले सभी बन्दरगाह यान तुरन्त आन्तरिक बन्दरगाह को वापस जाएंगे और उप-संरक्षक की विशेष अनुज्ञा के बिना बाहरी सड़कों पर तब तक नहीं जायेंगे जब तक कि संकेत को नीचे नहीं खींचा जाता है।

18. अच्छे और प्रक्षुब्ध मौसम में अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान का अनुज्ञेय लदान (1) कोई भी व्यक्ति, यात्रियों या पशुओं या अन्य स्थोरा सहित किसी अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान को उसकी अनुज्ञप्ति के निबन्धनों के उल्लंघन में किराए पर नहीं देगा।

(2) किसी अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान का कोई भी टिण्डल तब तक उसमें किसी पशु का लदान नहीं करने देगा जब तक कि ऐसे बन्दरगाह यान में बालू के वेलाष्ट या चपटा फर्श बनाने के लिए पर्याप्त धास-पात न हो और जब तक कि ऐसी अन्य अपेक्षाओं का अनुपालन न किया गया हो, जो उप-संरक्षक द्वारा किसी बन्दरगाह यानों की बाधत अधिसूचना की जाएं।

(3) जहाँ किसी अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान में पशुओं का वहन किया जाता है, वहाँ उसमें अन्य स्थोरा या यात्रियों का वहन नहीं किया जाएगा।

(4) केवल यात्रिक या विद्युत शक्ति से नोदित अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान में यात्रियों और पशुओं से भिन्न स्थोरा का वहन एक ही साथ किया जा सकेगा।

19. अधिक लदान को रोकने के लिए टिण्डल की शक्ति :—जब कभी किसी अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान में यात्रियों की संख्या या स्थोरा की मात्रा अनुज्ञप्ति में प्रविष्ट की गयी संख्या या मात्रा से अधिक हो जाती है, तब टिण्डल जलयान से या तट से रवाना होने से पूर्व किसी यात्री से बन्दरगाह यान छोड़ने दे या किसी परेपक, परेषिती या सम्बद्ध पोत परित्यक्त या अवतरण अधिकारी से बन्दरगाह यान से पूरे स्थोरा या उसके भाग को हटाने की अपेक्षा करेगा।

20. टिण्डलों द्वारा कतिपय मकेंनों पर ध्यान देने की आवश्यकता—प्रत्येक अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान का स्वामी, ऐसे बन्दरगाह यान के टिण्डल को यह अनुदेश देगा कि वह बन्दरगाह यान मास्टर ध्वज पर और ऐसे वर्गाकार नीले ध्वज पर जिसमें आरपार चार-चार समानान्तर लाल धारियाँ होंगी, और जिसे पत्तन ध्वज दण्ड पर उस दशा में संप्रदर्शित किया जाएगा जब कि उप-संरक्षक ने नियम 11 के अधीन निरीक्षण करने की इच्छा की हो, तुरन्त ध्यान दे।

21. अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान लंगर डालने वाले या पाम आने वाले जलयानों में उनके लंगर डालने से पूर्व बाधा नहीं डालेगा—कोई भी व्यक्ति जो किसी अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान का भारमाधक है या उसका नौपरिवहन कर रहा है, ऐसे बन्दरगाह यान को किसी बन्ध-स्थल या चिन्हक बोया से बाधने या प्रयास नहीं करेगा या ऐसे जलयान के लंगर पर पहुँचने या बोया पर बाधे जाने से पूर्व, लंगर या बन्ध-स्थल पर पहुँचने वाले किसी जलयान के साथ-साथ उसे नहीं ले जाएगा।

22. मछली पकड़ने की नौकाओं का स्थोरा नौका या जलयान के पार्श्व पर नहीं आने दिया जाएगा—(1) कोई भी व्यक्ति, जो किसी अनुज्ञप्त स्थोरा, नौका का भारमाधक है या उसका नौपरिवहन कर रहा है, उसके दग गज के भीतर उस दशा में मछली पकड़ने वाली नौका को नहीं आने देगा जबकि ऐसी स्थोरा नौका जलयान और तट के बीच में चल रही हो।

(2) कोई भी व्यक्ति जो मछली पकड़ने की नौका भारमाधक है या उसका नौ परिवहन कर रहा है, उसे उस समय किसी जलयान के पार्श्व में नहीं आने देगा जबकि स्थोरा की उतराई या लदान हो रहा हो।

(3) यदि उप-संरक्षक द्वारा किसी अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान को उपनियम (1) या (2) के उपबन्धों का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है, तो उप-संरक्षक—

(क) बन्दरगाह यान की आवश्यकता की गयी अनुज्ञप्ति रद्द कर सकेगा,

(ख) यह निदेश दे सकेगा कि किसी अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान में बोयी टिण्डल को किसी भी दृष्टिगत में नियोजित नहीं किया जाएगा तथा टिण्डल के रजिस्टर में उसका नाम काट दिया जाएगा।

(4) यदि उपनियम (3) के खड (ख) में दिए गए उप-संरक्षक के निदेशों के विरुद्ध, कोई स्वामी ऐसे टिण्डल को नियोजित करता है तो उप-संरक्षक उक्त स्वामी द्वारा धारित सभी अनुज्ञप्तियों को या किसी अनुज्ञप्ति को रद्द कर सकेगा।

23. यात्रियों और माल की उतराई और लदान पत्तन के भीतर किया जाना—सभी यात्रियों और माल की उतराई या लदान पत्तन की सीमाओं के भीतर ऐसे स्थानों पर किया जाएगा जिन्हें संरक्षक नियत करे और कोई भी व्यक्ति ऐसे स्थानों के बाहर यात्रियों या माल का लदान या उतराई तब तक नहीं करेगा जब तक कि पत्तन और पत्तन के सीमा-शुल्क अधिकारियों की मंजूरी पहले ही नहीं ले ली गयी हो।

24. बन्दरगाह यान के भाड़े की दरें—भाड़े पर यात्रियों का वहन करने के लिए अनुज्ञप्त किसी बन्दरगाह यान के स्वामी, टिण्डल या कर्मि-दल का कोई सदस्य और ऐसे बन्दरगाह यान के स्वामी द्वारा प्रतिनियुक्त किया गया कोई व्यक्ति, किसी यात्री से ऐसे भाड़े प्रभारों की माग नहीं करेगा जो उन दरो से अधिक हों जिन्हें केन्द्रीय सरकार द्वारा मंजूर किया गया है और ऐसे बन्दरगाह यान का स्वामी, टिण्डल या कर्मिदल का सदस्य, जलयान और तट के बीच की यात्रा के दौरान या पत्तन के भीतर या बाहर एक स्थान से दूसरे स्थान तक की यात्रा के दौरान किसी यात्री से कोई उपदान या उपहार नहीं मांगेगा या स्वीकार नहीं करेगा।

25. दोषनिष्ठ टिण्डलों आदि के नियोजन पर प्रतिषेध—यदि किसी अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान का टिण्डल या उसका कर्मिदल का कोई सदस्य,

इन नियमों के किसी भाग के लिए दोषनिष्ठ किया गया हो, तो बन्दरगाह यान का स्वामी, उप-संरक्षक द्वारा ऐसी अपेक्षा किए जाने पर, ऐसे टिण्डल या कर्मिदल के सदस्य को अपने नियोजन से पदच्युत करेगा।

26. अनुज्ञप्तियों का प्रतिनिरूपण—यदि उप-संरक्षक की राय में, किसी अनुज्ञप्त बन्दरगाह यान के स्वामी ने इन नियमों के किसी उपबन्ध का उल्लंघन किया है, तो वह, किसी अन्य कार्यवाही पर जो उस उल्लंघन की बाधन ऐसे स्वामी के विरुद्ध की जाए, प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऐसे स्वामी द्वारा धारित सभी या किसी अनुज्ञप्ति को रद्द कर सकेगा।

27. उप-संरक्षक के विनिश्चय के विरुद्ध अपील—इन नियमों के अधीन उप-संरक्षक के विनिश्चय के विरुद्ध अपील पत्तन के संरक्षक को की जाएगी। ऐसी अपील उस तारीख से जिसको उप-संरक्षक का विनिश्चय जिसके विरुद्ध अपील की गयी है, सम्बद्ध पक्षकार या पक्षकारों को लिखित रूप में समूचित किया गया है, मान दिन के भीतर लिखित रूप में की जाएगी।

28. बन्दरगाह यान के सर्वेक्षण, अनुज्ञापन, निरीक्षण की निर्माणाख्यान फॉर्स उद्ग्रहणीय होंगी—

की गयी सेवा	डीरियों और शोधनियों से भिन्न नौकाएं	डॉरिया और शूचनियों	कैटाम-रान	णक्ति चालित यत्न
रु० पै०	रु० पै०	रु० पै०	रु० पै०	
1. अनुज्ञप्ति का जारी किया जाना	2.00	1.00	1.00	25.00
2. अनुज्ञप्ति का संशोधन या अन्य व्यक्ति के हक में अनुज्ञप्ति का प्रत्यरण	1.00	1.00	1.00	1.00
3. जब मूल अनुज्ञप्ति खो गयी हो, गलत स्थान पर रखी दी गयी हो, तब अनुज्ञप्ति की दूसरी प्रति का मंजूर किया जाना	2.00	1.00	1.00	1.00
4. टिण्डल का रजिस्ट्रीकरण	1.00	1.00	1.00	1.00
5. टिण्डल के रजिस्ट्रीकरण में संशोधन	1.00	1.00	1.00	1.00
6. प्रत्येक सर्वेक्षण और माप के लिए	5.00	2.00	2.00	50.00
7. वार्षिक निरीक्षण	3.00	1.00	1.00	50.00
8. विशेष निरीक्षण	3.00	1.00	1.00	50.00

29. इन नियमों के अधीन अनुज्ञप्त वाष्प नौकाओं और मोटर नौकाओं को लागू होने वाले विशेष उपबन्ध—(1) इन नियमों के अधीन अनुज्ञप्त प्रत्येक वाष्प नौका के फलक पर, जहाँ कि वह भाड़े के लिए या अन्यथा चल रही हो, निम्नलिखित प्रमाणिकृत अधिकारी होंगे:

(i) यदि उसमें सी एन० एन० पी० प्रत्युन के इञ्जिन लगे हों,

(क) तो उसके मास्टर के रूप में ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पास अन्तर्वेशीय वाष्प जलयान अधिनियम 1917 (1917 का 1) के अधीन दिए गए प्रथम श्रेणी मास्टर का प्रमाणपत्र या वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) या ऐसे विनियमों जिन्हें केन्द्रीय सरकार उस निमित्त विनिर्दिष्ट करे, के अधीन दिए गए मास्टर का प्रमाणपत्र या मेट प्रवीणता प्रमाणपत्र हो, और

(ख) उसके इंजीनियर के रूप में ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पास उपरोक्त अधिनियमों या विनियमों में से किसी के अधीन दिए गए इंजीनियरी प्रमाणपत्र हो।

(ii) यदि उसमें 100 एन०एच०पी० से कम के किन्तु 40 एन०एच०पी० से अत्युत के इंजिन लगे हों, तो

(क) उसके मास्टर के रूप में ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पास अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन दिए गए द्वितीय श्रेणी मास्टर का प्रमाणपत्र या ऐसे प्रमाणपत्र हों, जिसे खंड (i) के उपखंड (क) में निर्दिष्ट किया गया है, और

(ख) उसके इंजीनियर के रूप में ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पास अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन दिए गए प्रथम श्रेणी इंजिन चालक प्रमाणपत्र या वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) या ऐसे विनियमों जैसे केन्द्रीय सरकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे, के अधीन दिए गए इंजिन चालक प्रमाणपत्र या ऐसा प्रमाणपत्र हो, जो खंड (i) के उप-खंड (ख) में निर्दिष्ट है,

परन्तु किसी नौका की बाबत उस दशा में यह समझा जाएगा कि उसने इस खंड का अनुपालन किया है जब कि उसमें एक ऐसा व्यक्ति हो जिसके पास उप-खंड (क) और उप-खंड (ख) में विनिर्दिष्ट दोनों प्रमाणपत्र हों, और

(iii) यदि हममें 40 एन०एच०पी० से कम के इंजिन लगे हों, तो

(क) उसके मास्टर के रूप में ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पास अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम 1917 (1917 का 1) के अधीन दिए गए सारंग प्रमाणपत्र या ऐसा अन्य प्रमाणपत्र हो जो खंड (ii) के उपखंड (क) में विनिर्दिष्ट है, और

(ख) उसके इंजीनियर के रूप में ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पास अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन दिए गए द्वितीय श्रेणी इंजिन चालक प्रमाणपत्र या ऐसा प्रमाणपत्र हो जो खंड (ii) के उप-खंड (ख) में निर्दिष्ट है,

परन्तु किसी नौका की बाबत उस दशा में यह समझा जाएगा कि उसने इस खंड का अनुपालन किया है जब कि उसमें एक व्यक्ति ऐसा हो जिसके पास उप-खंड (क) और उप-खंड (ख) में निर्दिष्ट दोनों प्रमाणपत्र हों।

(2) इन नियमों के अधीन अनुज्ञप्त प्रत्येक मोटर नौका के फलक पर, जब कि वह भाई पर चल रही हो, निम्नलिखित प्रमाणिकृत अधिकारी होगा, अर्थात्—

(i) यदि उसमें 365 बी०एच०पी० से अत्युत के इंजिन लगे हों, तो

(क) उसके इंजीनियर के रूप में ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पास अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन दिए गए प्रमाणपत्र या वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) या ऐसे विनियमों जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर उस निमित्त विनिर्दिष्ट करे, के अधीन दिए गए समुद्रगामी मोटर पोत की दायन प्रथम श्रेणी या द्वितीय श्रेणी इंजीनियर प्रमाणपत्र हो,

(ख) उसके मास्टर के रूप में ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पास अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन दिया गया प्रथम श्रेणी मास्टर का

प्रमाणपत्र या वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) या ऐसे विनियमों जिन्हें केन्द्रीय सरकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे, के अधीन दिया गया प्रवीणता प्रमाणपत्र या मेट का प्रवीणता प्रमाणपत्र हो,

(ii) यदि उसमें 565 बी०एच०पी० से कम के, किन्तु 226 बी०एच०पी० से अत्युत के इंजिन लगे हों, तो

(क) उसके इंजीनियर के रूप में ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पास अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन दिए गए प्रथम श्रेणी मोटर इंजिन चालक प्रमाणपत्र या वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) या ऐसे विनियमों जिन्हें केन्द्रीय सरकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे, के अधीन दिए गए समुद्रगामी मोटर पोत इंजिन चालक प्रमाणपत्र या ऐसा प्रमाणपत्र हो जो खंड (ii) के उप-खंड (क) में निर्दिष्ट है, और

(ख) यदि इंजिनों का प्रयोग नौदन के लिए किया गया हो, तो उसके मास्टर के रूप में ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पास अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन दिए गए द्वितीय श्रेणी मास्टर का प्रमाणपत्र या ऐसा अन्य प्रमाणपत्र हो जो खंड (i) के उप-खंड (ख) में निर्दिष्ट है, और

(ii) यदि उसमें 226 बी०एच०पी० से कम के इंजिन लगे हों

(क) तो उसके इंजीनियर के रूप में ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पास अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन दिए गए द्वितीय श्रेणी मोटर इंजिन चालक प्रमाणपत्र या वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) के अधीन या ऐसे विनियमों के अधीन जिन्हें केन्द्रीय सरकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे, दिए गए समुद्रगामी मोटर पोत इंजिन चालक का प्रमाणपत्र या ऐसे प्रमाणपत्र हो जो खंड (i) के उप-खंड (क) में निर्दिष्ट है, और

(ख) यदि इंजिनों का प्रयोग नौदन के लिए किया जाता है, तो उसके मास्टर के रूप में ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पास अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन दिए गए द्वितीय श्रेणी मास्टर का प्रमाणपत्र या ऐसा प्रमाणपत्र हो जो खंड (ख) में निर्दिष्ट है, और

(iv) यदि उसमें 226 बी०एच०पी० से अत्युत के इंजिन लगे हों,

(क) तो उसके इंजीनियर के रूप में ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पास अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन दिया गया द्वितीय श्रेणी मोटर इंजिन चालक का प्रमाणपत्र या ऐसा प्रमाणपत्र हो जो खंड (ii) के उपखंड (क) में निर्दिष्ट है, और

(ख) यदि इंजिनों का प्रयोग नौदन के लिए किया जाता है, तो उसके मास्टर के रूप में ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पास अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन दिए गए सारंग प्रमाणपत्र या ऐसा प्रमाणपत्र हो जो खंड (ii) के उपखंड (क) में निर्दिष्ट है,

परन्तु ऐसी मोटर नौका में, जिसमें 40 बी०एच०पी० से अधिक के इंजिन नहीं लगे हों, उसके इंजनियर के रूप में ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पास केन्द्रीय सरकार द्वारा या केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त सम्यक्तया प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा दिया गया कोई अनुज्ञापत्र हो :

परन्तु यह और कि ऐसी मोटर नौका में, जिसमें 20 बी०एच०पी० से अधिक के इंजिन न लगे हों और जिसकी लम्बाई माथा के अग्रभाग से उसके पिछले भाग तक माप करने पर 30 फीट से अधिक न हो, उसके मास्टर के और इंजीनियर के रूप में ऐसा व्यक्ति हो सकेगा जिसके पास उपखंड (क) और उपखंड (ख) में विनिर्दिष्ट दोनों प्रमाणपत्र हों :

परन्तु यह और भी कि ऐसी मोटर नौका में, जिसमें 20 बी०एच०पी० से अधिक के इंजिन नहीं लगे हों और जिसकी लम्बाई उपरोक्त रूप में माप करने पर 30 फीट से अधिक न हो तथा जिसका प्रयोग स्वामी या उसके कुटुम्ब या मित्रों द्वारा अनन्यतः व्यक्तिगत आनन्द-प्रमोद के लिए किया जाता है, प्रमाणीकृत मास्टर या इंजीनियर का होना आवश्यक नहीं है, किन्तु उसका नौ परिवहन स्वामी या ऐसे अन्य व्यक्ति द्वारा किया जा सकेगा जिसके पास केन्द्रीय सरकार या इस निमित्त केन्द्रीय सरकार द्वारा सम्यक्तया प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा दिया गया अनुज्ञापत्र हो।

(3) ऐसे व्यक्ति को, जिसने पहली जनवरी, 1974 को दो वर्ष की अवधि तक, पत्तन में चलने वाली वाण्य नौका या मोटर नौका के मास्टर, सिरांग, इंजीनियर या इंजिन चालक के रूप में सेवा की हो, किन्तु जिसके पास, यथास्थिति, उपखंड (1) या उपखंड (2) के अधीन अपेक्षित प्रवीणता प्रमाणपत्र न हों, इस आणय का प्रमाणपत्र कि ऐसी वाण्य नौका या मोटर नौका में जब कि वह पत्तन में चल रही थी, सेवा करने के कारण वह, यथास्थिति, मास्टर सिरांग, इंजीनियर या इंजिन चालक के रूप में कार्य करने के लिए सक्षम है, नीचे दी गयी फीस के संवाय करने पर, परीक्षा किए बिना, मास्टर या सिरांग की दशा में उप संरक्षक द्वारा और इंजिन चालक की दशा में, अधीक्षक, यांत्रिक द्वारा दिया जा सकेगा:—

	रु०
प्रथम श्रेणी मास्टर का प्रमाणपत्र	16.00
द्वितीय श्रेणी मास्टर का प्रमाणपत्र	6.00
सिरांग प्रमाणपत्र	4.00
द्वितीय श्रेणी मोटर इंजिन चालक या द्वितीय श्रेणी मोटर इंजिन चालक प्रमाणपत्र	4.00
प्रथम श्रेणी इंजिन चालक या प्रथम श्रेणी मोटर इंजिन चालक प्रमाणपत्र	10.00
इंजीनियर या मोटर इंजीनियर का प्रमाणपत्र	12.00

(1) केन्द्रीय सरकार विशेष परिस्थितियों में,—

(क) वाण्य नौकाओं या मोटर नौकाओं के किसी वर्ग को, यथास्थिति, उपनियम (1) या उपनियम (2) की अपेक्षा में छूट दे सकेगी।

(ख) उन अर्हताओं को अधिकृत कर सकेगी जो ऐसी नौकाओं में नियोजित अधिकारियों के लिए अपेक्षित हों।

30. (1) इन नियमों के अधीन अनुज्ञप्त प्रत्येक मोटर नौका में बालू के बक्स और अग्नि बुझाने के लिए उपयुक्त क्षमता के अनुमोदित पेटेंट अग्नि शामक की व्यवस्था की जाएगी और स्वामी उसे तेल के कचरे से मुक्त रखेगा।

(2) इन नियमों के अधीन अनुज्ञप्त सभी मोटर नौकाओं के जब कि वे पत्तन के भीतर चल रहे हों, धोरगुल करने वाले इंजिनों पर दक्ष-रक्षणमक फिट किए जाएंगे।

31. अनुज्ञप्त बन्दरगाह या नौका का डूबना :— ऐसे अनुज्ञप्त बन्दरगाह या नौका का जो पत्तन क्षेत्र के भीतर डूब गया है, स्वामी, ऐसे डूबने के तथ्य और उसके स्थान पर, जहाँ कि यह घटना हुई है, की बाबत रिपोर्ट मुरन्त उप संरक्षक को करेगा।

प्रारूप 'क'

[नियम 4(2) देखिए]

अनुज्ञप्ति संख्या

..... फिट लम्बी चौड़ी गहरी माप वाली नौका के, जिसके रजिस्ट्रीकृत टन हैं, स्वामी को स्थोरा (पशुओं से भिन्न) और/या यात्रियों/पशुओं के नीचे विनिर्दिष्ट सीमा तक तृतीकोरित महापत्तन (बन्दरगाह यात) नियम, 1974 में अधिकृत निर्बंधनों के अधीन और गास्तियों के अधीन रहते हुए, तृतीकोरित महा पत्तन पर या वहां से दूर पोतों तक या पोतों से बहन करने के लिए दी गयी अनुज्ञप्ति।

रजिस्ट्रीकरण की तारीख	बन्दरगाह यात का नाम, संख्या और विवरण	रेग और उपस्कर	कब और कहाँ बना	पिछली बार कब और कैसे तथा में मरम्मत हुई	यात्रियों रहित स्थोरा	यात्रियों की सं० जिसमें स्थोरा नहीं है
1	2	3	4	5	6	7
					पशुओं की संख्या और पशुओं से भिन्न स्थोरा अनुमानित भार	8
					अच्छे मौसम में प्रशुब्ध मौसम में	अच्छे मौसम में प्रशुब्ध मौसम में
						अच्छे मौसम में प्रशुब्ध मौसम में ।

कर्मचारी की संख्या	नौका के स्वामी और स्वामियों की बाबत विनिर्दिष्टियां		नौका के टिप्पण की बाबत विनिर्दिष्टियां		वह अवधि जिसके लिए अनुज्ञापन प्रवृत्त रहेगी।	टिप्पणियां
	नाम	उपजीविका निवास स्थान	नाम	निवास स्थान		
9	10	11	12	13	14	15
प्रच्छेद मोम में टिप्पण लक्ष्य						
प्रक्षुब्ध मोम में टिप्पण लक्ष्य						
तारीख :						
टिप्पण :- 12 वर्ष की आयु से कम के दो बच्चे-- 1 बच्चा ।					रजिस्ट्रार/अनुज्ञापन अधिकारी/अनुज्ञापन अधिकारी तक विस्तारित	
यथोक्त						
यथोक्त						
यथोक्त						
यथोक्त						
यथोक्त						
यथोक्त						
यथोक्त						
यथोक्त						
यथोक्त						

टिप्पण की बदली के लिए पृष्ठान्त ।

प्रारूप 'ख'
(नियम 10 देखिए)

1974 के वर्ष के लिए तृतीकोर्न महापत्तन में नियोजित टिप्पणों के नाम, आयु, निवास स्थान और हस्ताक्षर/अंगुठे के निशान दर्शित करने वाला रजिस्टर

क्रम सं०	रजिस्ट्रीकरण की तारीख	बन्धनशर्त की संख्या	यान का नाम	आयु			निवास स्थान	हस्ताक्षर/प्रंगुठे का निशान (निरक्षर की दशा में)	टिप्पणियां
				वर्ष	मास	दिन			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

[का० सं० पी जी एल-90/75]
वी० द्वारकाबास, अवर सचिव

New Delhi, the 15th May, 1976

G.S.R. 917.—The following draft of Major Port of Tuticorin (Harbour Craft) Rules, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the Indian Ports Act 1908 (15 of 1908) is published as required by sub-section (2) of the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the draft rules will be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date of publication of this notification in the official gazette.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft, before the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. Short title and application.—(1) These rules may be called the Major Port of Tuticorin (Harbour Craft) Rules, 1976.

(2) They shall apply to the Major Port of Tuticorin,

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :—

(a) "Deputy Conservator" means the Deputy Conservator, Major Port of Tuticorin ;

(b) "Form" means a form appended to these rules ;

(c) "harbour craft" means any catamaran plying for hire or any flat or cargo, passenger or other boat plying

whether for hire or not and whether power driven or not and whether plying regularly or only occasionally, or partly within and partly without the port ;

(d) "Inner harbour" means that part of the Port which lies east of the base line (South North Road) having a bearing of 205° and includes the turning basin, eastern dock arm, oil jetty and any future berth, docks dredged and developed from time to time ;

(e) "Licensed harbour craft" means any harbour craft licensed under these rules ;

(f) "Motor boat" means any power-driven harbour craft propelled wholly or in part by any form of electrical or mechanical power other than steam ;

(g) "Outer harbour" means that part of the approach channel lying east of the base line defined above beyond the entrance of the Harbour and extending upto the fairway buoy located at a distance of 2400 metres seawards from entrance of the Harbour.

(h) "owner" used in relation to a harbour craft includes any part owner, agent or mortgage in possession thereof ;

(i) "Port" means the major Port of Tuticorin ;

(j) "roads" means that part of the port which lies seawards of the fairway buoy ;

(k) "servant" used in relation to owner includes the tinda or any boatmen.

- (l) "Steam-boat" means any harbour craft propelled wholly or in part by steam power;
- (m) "Tindal" includes any person in charge of a harbour craft.

3. (i)(a) "Harbour craft, not to ply without a licence".—No person shall, whether as owner or as servant, use any harbour craft to carry goods or passengers to or from any vessel at the port or from place to place within the limits of the port unless such person holds a licence in form 'A' granted by the Registering or Licensing Officer and unless the harbour craft so used has been registered. For purpose of registration the owner of a harbour craft shall cause it to be brought to such place as the Registering officer/Licensing Officer may appoint.

(b) The owner of any new craft to be licensed under these rules should obtain a 'No Objection' certificate from the Customs before their boats are registered and licensed.

(ii) Exemption.—Nothing in this rule shall apply.—

- (i) to crafts forming part of the equipment of a ship or steamer; or
- (ii) to harbour craft maintained solely for purposes of pleasure; and
- (iii) crafts in the service of Government or the port.

4. Licensing of Harbour Craft.—(1) Every application for the licensing of a harbour craft under rule 3 shall be made to the Deputy Conservator in writing and shall contain the following particulars namely:—

- (a) the owner's name and address in full and if the owner is a minor it shall contain the name and address of his guardian;
- (b) the name and address of the agent, if any, duly authorised by the owner to act on his behalf;
- (c) the name of the tindal whom the owner proposes to place him in charge of the harbour craft;
- (d) the nature of the licence required, that is to say, whether it is required for a passenger boat or for a cargo boat, or for any other purpose; and
- (e) the details of the harbour craft in respect of its measurements, gross tonnage and other relevant particulars.

(2) On receiving an application for licence under sub-rule (1), the Deputy Conservator shall survey and measure the harbour craft, or cause it to be surveyed and measured in the presence of the owner or any person duly appointed for the purpose by such owner, and on being satisfied that the harbour craft is, seaworthy and fit for service at the port, or upon the production of a certificate in writing from the officer who surveyed the harbour craft certifying—

- (a) that such harbour craft is seaworthy, properly equipped and suited for the purpose for which the licence is required;
- (b) the number of passengers that such harbour craft is capable of carrying under all conditions;
- (c) the number of crew required for the safe navigation of such harbour craft;
- (d) that the equipment of such harbour craft is in good order and condition;

grant a licence in Form A on payment of the fees specified in rule 28.

(3) For the purpose of survey and measurement specified in sub-rule (2), the owner shall cause the harbour craft to be brought to such place as the Deputy Conservator may specify.

(4) Subject to the provisions of these rules, all licences in Form A shall be issued for the financial year ending on the 31st March.

5. Minor or Female Owners.—If the owner of a harbour craft is a minor, the licence may be obtained by the guardian of the minor. If the owner is a woman, who according to the customs of the country does not appear in public, the

licence may be obtained on her behalf by her duly authorised agent. In such cases the guardian or the agent as the case may be shall be deemed to be the owner for the purposes of these rules.

6. Licence, Rules, etc. to be produced when demanded.—

(1) The licence of every harbour craft shall be kept in the possession of the tindal who shall produce the licence whenever called upon to do so by the Deputy Conservator or by any person duly authorised by the Deputy Conservator in that behalf.

(2) A copy of these rules and of any written directions issued by the Deputy Conservator in respect of their implementation shall also be furnished by the owner to the tindal who shall on demand, show them to any hirer or consignor of, or passenger in, such harbour craft. The owner shall be responsible for ensuring that the tindal understands the provisions of these rules and directions and for obtaining a declaration from him to that effect and producing the same whenever required by the Deputy Conservator.

7. Distinctive numbering of licensed harbour craft.—(1) The owner of licensed harbour craft shall paint or cause to be painted upon a black back-ground in white or upon a light back-ground in black English and Hindi figures not less than six inches in length, on a conspicuous part of the bow of such harbour craft on one side, and on the quarter of the other, the number of the harbour craft as mentioned in the licence.

(2) No person shall paint or cause to be painted upon any harbour craft not duly licensed under rule 4, any such number as aforesaid or any other mark likely to induce the belief that such harbour craft has been so licensed.

8. Change of Ownership or Control of Licensed Harbour Craft.—When the holder of a licence in Form A transfers the ownership of the harbour craft to another person, the licence shall cease to be valid on the expiry of six days from the date of such transfer. Where such holder mortgages the harbour craft to, or places it under the control of another persons, the licence shall cease to be valid on the expiry of six days from the date of such mortgage or placing unless an endorsement on the licence is made by the Deputy Conservator to the effect that not withstanding such transfer or placing, the licence shall continue to be valid.

9. Changes in Crew or Carrying capacity of Licensed Harbour Craft to be reported.—Whenever the tindal of any registered harbour craft is changed or any alteration in such craft is made so as to affect any of the particulars contained in the licence granted for it, such change or alteration shall be forthwith reported by its owner to the Registering Officer/Licensing Officer. In case of change of Tindal or of any alteration in the carrying capacity the harbour craft shall not ply until such report is made to the Registering Officer/Licensing Officer. On such report the Registering Officer/Licensing Officer shall amend the original licence held by the owner and in case of change of Tindal, also the register kept under rule 10.

Whenever there is change of Tindal or any other crew, the owners of the craft concerned should obtain a 'No Objection' certificate from Customs before their names are registered for employment in these boats.

In case of alteration in the harbour craft affecting its carrying capacity, the original licence held by the owner shall be cancelled and a fresh licence issued by the Registering Officer/Licensing Officer after the harbour craft been re-measured, and the harbour craft shall not ply until such fresh licence has been issued:

Provided that if any harbour craft was away from the port at the time when such change or alteration takes place, the change or alteration shall be reported to the Registering Officer/Licensing Officer immediately on its return to the port.

10. Registration of Tindals.—(1) At the time of licensing of any harbour craft under rule 4, the name of its tindal as entered in the licence and other particulars relating to him shall be entered in a register which shall be kept by the Deputy Conservator in Form B.

(2) Every year in the month of March on a date to be fixed by the Deputy Conservator the owner of every licensed harbour craft shall produce before the Deputy Conservator the tindal of the harbour craft for verifying the correctness of the entries in the register:

Provided that if such harbour craft is away from the port on the date so fixed, the owner shall produce the tindal within 24 hours after its return.

(3) No person shall be employed or registered as a tindal of a licensed harbour craft if he—

- (a) is not a certificated officer qualified to be the master or Engineer of such harbour craft in accordance with rule 29;
- (b) is in the opinion of the Deputy Conservator unaccustomed to the use of such harbour craft or otherwise inefficient.

11. Annual and Special Inspection of Licensed Harbour Craft and Crew.—Every owner shall 30 days before the date of expiry of the licence submit an application for the inspection of the Harbour Craft and renewal of licence. Every owner of every registered harbour craft shall be required to produce it together with its licence for inspection by the Registering Officer/Licensing Officer at such place, and on such date as he may appoint for the purpose. In addition to such inspection, special or partial inspections may be held by the Registering Officer/Licensing Officer or by any person duly authorised by him, at such times as the Registering Officer/Licensing Officer may consider necessary.

At all inspections under this rule, the harbour craft shall have its full complement of crew and equipment and no person who is not a certificated person as required by these rules, or who in the opinion of the Registering Officer, is unaccustomed to the use of the harbour craft or inefficient shall be employed or registered as a Tindal.

The owners of all craft licensed under these Rules shall obtain a 'No Objection' certificate from the Customs for renewal of licence.

12. Repairs of Licensed Harbour Craft ordered for Inspection.—(1) The owner of every licensed harbour craft shall execute such repairs thereto as the inspecting officer referred to in rule 11 may direct in order to render it efficient, and no owner or any of his persons shall use any such harbour craft or cause or permit it to be used until such repairs have been duly executed and the Deputy Conservator has granted permission for its use. For the purpose of such repairs, the owner shall cause the harbour craft to be hauled up only to such place or places on the fore-shore as the Deputy Conservator may from time to time direct.

(2) All major repairs to the boiler, machinery or hull of a licensed harbour craft shall be carried out under the supervision of an Engineer and Ship Surveyor, appointed by the Deputy Conservator. The master or the owner of such craft shall before the commencement of the repairs pay to the Deputy Conservator a sum sufficient to cover the fees and other expenses of such Engineer and Ship Surveyor.

Explanation.—For the purpose of this sub-rule, the Deputy Conservator shall decide as to whether a particular work should be regarded as a major repair or not.

(3) The fees referred to in sub-rule (2) shall be calculated on the following scale, namely:—

SCALE OF FEES

(i) For every vessel the gross tonnage of which does not exceed 25 tonnes.	60
(ii) For every vessel the gross tonnage of which exceeds 25 tonnes and does not exceed 50 tons.	75
(iii) For every vessel the gross tonnage of which exceeds 50 but does not exceed 75 tons.	90
(iv) For every vessel the gross tonnage of which exceeds 75 tons but does not exceed 100 tons.	105
(v) For every vessel the gross tonnage of which exceeds 100 tons but does not exceed 300 tons.	120
(vi) For every vessel the gross tonnage of which exceeds 300 tons but does not exceed 600 tons.	135
(vii) For every vessel the gross tonnage of which exceeds 600 tons but does not exceed 900 tons.	150
(viii) For every vessel the gross tonnage of which exceeds 900 tons but does not exceed 1200 tons.	180
(ix) For every vessel the gross tonnage of which exceeds 1200 tons.	180

Plus Rs. 30/- for every 300 tons or part thereof in excess of 1,200 tons.

(4) The expenses referred to in sub-rule (2) shall be determined in accordance with the general or specific instructions of the Central Government in this behalf.

13. Control of Working of Licensed Harbour Craft.—(1) The owner shall provide every licensed harbour craft with such crew and equipment as may be determined by the Deputy Conservator and entered in the licence. The tindal of the harbour craft shall not have on the board more or less than the number of the crew specified in the licence for fine or rough weather according as the harbour craft plies in fine or rough weather and shall not carry passengers or goods in excess of the number or quantity entered in the licence for the harbour craft.

(2) Every licensed harbour craft plying within the port shall carry such number of life-buoys as may be considered reasonable by the Deputy Conservator and of a type approved by him. Every such harbour craft shall carry in addition, such buoyant apparatus as may be considered necessary by the Deputy Conservator. All such buoys and buoyant apparatus carried in the harbour craft shall be stowed to the satisfaction of the Deputy Conservator and so as to be readily accessible to the person on board.

(3) Every harbour craft licensed for the carriage of passengers shall be so fitted that sufficient sitting space is available for each passenger and awnings and side weather screen shall also be provided, where necessary, to give protection to passengers from sun and weather respectively.

(4) The Deputy Conservator shall exercise his discretion in fixing the number of crew required in a licensed harbour craft plying within the port and carrying passengers.

(5) Whether the owner of a licensed harbour craft does not desire to carry the full complement of passengers, or is not prepared, or considers it impracticable to carry the prescribed life saving appliances, the Deputy Conservator may limit the number of passengers accordingly and endorse the licence to that effect.

14. Obstructing Port Traffic.—(1) No tindal or any member of the crew serving in any licensed harbour craft shall obstruct or hinder the loading, discharging or service of such harbour craft, or of any other licensed harbour craft or obstruct or hinder any vessel working in the port.

(2) No tindal shall permit any licensed harbour craft in his charge to obstruct the free navigation of the port of the approaches to wharves or jetties.

15. Compliance with the Provision regarding Prevention of Collision at Sea—observance of the Merchant Shipping.

(Prevention of collisions at sea) Regulations, 1965—All licensed harbour craft, when under way, shall comply with the provisions of the Merchant Shipping (Prevention of Collisions at sea) Regulations, 1965

16. Refusal to ply without Lawful Excuse.—(a) If the owner or the tindal in charge of a registered harbour craft plying regularly for hire, without reasonable excuse, refused to ply such craft for hire when required to do so, the licence of such harbour craft shall be liable to be revoked by the Registering Officer/Licensing Officer.

(b) If the harbour craft is found to be used for unlawful or illegal activities, the licence shall be cancelled.

17. Working of Licensed Harbour Craft at Night and in Bad Weather.—(a) No licensed harbour craft shall ply in the outer roads—

- (i) between the hours of 6 P.M. and 6 A.M. without the previous permission of the Deputy Conservator;
- (ii) when a storm warning signal indicating bad weather or high seas is displayed from the port flagstaff.

(b) When the signal referred to in sub-clause (ii) of clause (a) is hoisted at the port flagstaff, all harbour crafts plying in the outer roads shall return to the inner harbour at once and shall not proceed to the outer roads without the special permission of the Deputy Conservator until the signal is hauled down.

18. Permissible Loading of Licensed Harbour Craft in fine and rough weather.—(1) No person shall lend a licensed harbour craft with passengers or with animals or other cargo in contravention of the terms of its licence.

(2) No tindal of any licensed harbour craft shall permit any animal to be loaded in it, unless the harbour craft has

been provided with sand ballast or straw sufficient to form a flat floor and unless such other requirements as may be imposed by the Deputy Conservator in respect of the harbour crafts, have been complied with.

(3) Where animals are carried in a licensed harbour craft, no other cargo or passenger shall be carried therein.

(4) Passengers and cargo other than animals may be carried at the same time only in a licensed harbour craft propelled by mechanical or electrical power.

19. Power of Tindal to prevent overloading.—Whenever the number of passengers or the quantity of cargo in a licensed harbour craft exceeds the number of quantity entered in the license, the tindal shall, before starting from the vessel or from the shore, require any passenger to leave the harbour craft or any consignor, consignee, or shipping or landing agent concerned to remove from the harbour craft the whole or any part of the cargo.

20. Attention of certain Signals required of Tindals.—The owner of every licensed harbour craft shall instruct the tindal of such harbour craft to pay immediate attention to the harbour craft master flag, square blue flag with four parallel red bars running crosswise which shall be displayed on the port flag-staff when the Deputy Conservator desired to carry out an inspection under rule 11.

21. Licensed Harbour Craft not to interfere with mooring or Approaching vessels before they anchor.—No person in charge of or navigating any licensed harbour craft shall attempt to make such harbour craft fast to any mooring or mark buoy, or take it along side of a vessel approaching an anchorage or mooring before such vessel has come to anchor or been moored to a buoy.

22. Fishing boats not to be allowed near a cargo boat or Alongside vessel.—(1) No person in charge of or navigating a licensed cargo boat shall allow a fishing boat to be within ten yards of her when such cargo boat is plying between a vessel and the shore.

(2) No person in charge of or navigating a fishing boat shall allow it to go alongside a vessel while discharging or shipping of cargo is proceeding.

(3) If any licensed harbour craft is found by the Deputy Conservator to have contravened the provisions of sub-rule (1) or (2) the Deputy Conservator may—

- (a) cancel the licence issued in respect of the harbour craft;
- (b) direct that the tindal at fault shall not be employed in any capacity in any licensed harbour craft and that his name shall be removed from the register of tindals;

(4) If any owner employs such tindal contrary to the directions of the Deputy Conservator, given under clause (b) of sub-rule (3), the Deputy Conservator, may cancel all or any of the licences held by the said owner.

23. Landing and shipping of passengers and goods to be within the port.—All passengers and goods shall be landed or shipped in such places within the limits of the port as the Conservator may appoint and no person, shall ship or land passengers or goods outside such places unless the sanction of the Port and Officers of customs at the Port has previously been obtained.

24. Rates of harbour craft hire.—No owner, tindal or any member of the crew of a licensed harbour craft licensed to carry passengers for hire and no person deputed by the owner of such harbour craft, shall demand from any passenger hire charges exceeding that sanctioned by the Central Government and no owner, tindal or member of the crew of such harbour craft shall demand or accept any gratuity or present from any passenger during the course of its trip between any vessel and the shore or from place to place whether within or without the port.

25. Prohibition of employment of convicted tindals etc.—If the tindal or any member of the crew of a licensed harbour craft is convicted for a breach of any of the provisions of these rules, the owner of the harbour craft shall, on being required to do so by the Deputy Conservator, dismiss such tindal or member of the crew from his employment.

26. Revocation of licences.—If, in the opinion of the Deputy Conservator, the owner of any licensed harbour craft has contravened any of the provisions of these rules, he may, without prejudice to any other action that may be taken against such owner in respect of the contravention, cancel all or any of the licences held by the owner.

27. Appeal from Deputy Conservator's decision.—An appeal shall lie from any decision of the Deputy Conservator under these rules, to the Conservator of the Port. Such appeal shall be prepared in writing within seven days from the date on which the decision of the Deputy Conservator appealed against has been communicated in writing to the party or parties concerned.

28. Fees.—The following fees shall be leviable for survey, licensing, inspection of the harbour crafts :

Service rendered	Boats other than Canoes & shoe-dhonies	Canoes & shoe-dhonies	Catamarans	Power driven craft
	Rs. P.	Rs. P.	Rs. P.	Rs. P.
1. Issue of licence	2.00		1.00	25.00
2. Amendment of the licence or transfer of licence in favour of another person	1.00	00	1.00	1.00
3. Grant of duplicate licence when the original is lost, mislaid or rendered illegible	2.00	1.00	1.00	1.00
4. Registration of Tindal	1.00	1.00	1.00	1.00
5. Amendment to registration of Tindal	1.00	1.00	1.00	1.00
6. For each survey and measurement	5.00	2.00	2.00	50.00
7. Annual inspection	3.00	1.00	1.00	50.0
8. Special inspections	3.00	1.00	1.00	50.00

29. Special provisions applicable to steam boats and motor boats licensed under these rules :—

(1) Every steam boat licensed under these rules shall while plying for hire or otherwise, have on board the following certificated officers :—

(i) if she has engines of not less than 100 N.H.P.

(a) as her Master, a person possessing a First Class Master's certificate granted under the Inland Steam Vessels Act, 1917 (1 of 1917) or a Master's Certificate or Mate's certificate of Competency granted under the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) or under such regulations as the Central Government may, from time to time specify in that behalf; and

(b) as her Engineer a person possessing an Engineer Certificate granted under any of the aforesaid Acts or Regulations;

(ii) if she has engines of less than 100 N.H.P. but not less than 40 N.H.P.

(a) as her Master, a person possessing a Second Class Master's certificate granted under the Inland Steam Vessels Act, 1917 (1 of 1917) or any such certificate as is referred to in sub-clause (a) of clause (i) and

(b) as her Engineer, a person possessing a First Class Engine Driver's Certificate granted under the Inland Steam Vessels Act, 1917 (1 of 1917) or an Engine Driver's Certificate granted under the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) or under such regulations as the Central Government may, from time to time, specify or any such certificate as is referred to in sub-clause (b) of clause (i) :

Provided that a boat shall be deemed to have complied with this clause, if she has a person possessing both the

Certificates referred to in sub-clause (a) and sub-clause (b) and

(iii) if she has engines of less than 40 N.H.P.

(a) as her Master, a person possessing a Serang's Certificate granted under the Inland Steam Vessels Act, 1917 (1 of 1917) or any such certificate as is referred to in sub-clause (a) of clause (ii); and

(b) as her Engineer, a person possessing a Second Class Engine Driver's Certificate granted under the Inland Steam Vessels Act, 1917 (1 of 1917) or any such certificate as is referred to in sub-clause (b) of clause (ii):

Provided that a boat shall be deemed to have complied with this clause if she has a person possessing both the certificates referred to in sub-clause (a) and sub-clause (b).

(2) Every motor boat licensed under these rules shall, while plying for hire or otherwise have on board the following certificated officer namely:—

(i) if she has engines of not less than 565 B.H.P.

(a) as her Engineer, a person possessing a Motor Engineer's Certificate granted under the Inland Steam Vessels Act, 1917 (1 of 1917) or a certificate as a First Class or Second Class Engineer of Sea-going motor ship granted under the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) or under such regulations as the Central Government may from time to time specify in that behalf;

(b) as her Master, a person possessing a First Class Master's Certificate granted under the Inland Steam Vessels Act, 1917 (1 of 1917) or a certificate or Mate's Certificate of Competency granted under the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) or under such regulations as the Central Government may from time to time specify.

(ii) if she has engines of less than 565 B. H. P. but not less than 226 B. H. P.

(a) as her Engineer, a person possessing a First Class Master Engine Driver's certificate granted under the Inland Steam Vessels Act, 1917 (1 of 1917) or a certificate of an Engine Driver of a sea-going motor ship granted under the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) or under such regulations as the Central Government may from time to time specify or any such certificate as is referred to in sub-clause (a) of clause (i); and

(b) in case the engines are used for propulsion, as her Master, a person possessing a Second Class Master's certificate granted under the Inland Steam Vessels Act, 1917 (1 of 1917) or any such certificate as referred to in sub-clause (b) of clause (i) and

(iii) If she has engines of less than 226 B. H. P. :—

(a) as her Engineer, a person possessing Second Class Motor Engine Driver's Certificate granted under the Inland Steam Vessels Act, 1917 (1 of 1917), or a certificate of an Engine Driver of a sea-going motor ship granted under the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) or under such regulations as the Central Government may from time to time specify or any such certificate as is referred to in sub-clause (a) of clause (i) and

(b) in case the engines are used for propulsion, as her Master, a person possessing a Second Class Master's certificate granted under the Inland Steam Vessels Act, 1917 (1 of 1917) or any such certificate as is referred to in sub-clause (b) of clause (i) and

(iv) if she has engines of less than 226 BHP:

(a) as her Engineer, a person possessing a Second Class Motor Engine Driver's certificate granted

under the Inland Steam Vessels Act, 1917 (1 of 1917) or any such certificate as is referred to in sub-clause (a) of clause (ii); and

(b) in case the engines are used for propulsion, as her Master, a person possessing a Serang's Certificate granted under the Inland Steam Vessels Act, 1917 (1 of 1917) or any such certificate as is referred to in sub-clause (i) clause (ii):

Provided that a motor boat having engines of not more than 40 B.H.P. may have as her Engineer, a person holding permit granted by the Central Government or any person duly authorised by the Central Government in this behalf :

Provided further, that a motor boat having engines of not more than 20 B.H.P., the length of which measured from the fore part of the steam to the after part of the steam post does not exceed 30 feet, may have as her Master and Engineer a person possessing both the certificates referred to in sub-clause (a) and sub-clause (b).

Provided also that a motor boat having engines of not more than 20 B.H.P., the length of which measured as aforesaid does not exceed 30 feet, which is used exclusively or personal recreation by the owner or his family or friends need not carry a certificated Master or Engineer but may be navigated by the owner or any other person possessing a permit granted by the Central Government or by any person duly authorised by the Central Government in this behalf.

(3) Any person who has served as Master, Engineer or Engine Driver of a steam boat or motor boat plying in a Port for a period of two years on the 1st January, 1974 but is not in possession of the certificate of competency required under sub-rule (1) or sub-rule (2) as the case may be, may be granted, in the case of the Master or Serang the Deputy Conservator and in the case of Engineer or Engine Driver by the Superintendent, Mechanical, a certificate to the effect that he is, by reason of his having so served, competent to act as Master, Serang, Engineer or Engine Driver as the case may be, on board such steam boat or motor boat while plying in the Port without examination, on payment of the fees set out below :—

	Rs.
First class Master's Certificate	16.00
Second Class Master's Certificate	6.00
Serang's Certificate	4.00
Second Class Engine Driver's or second class motor Engine Driver's certificate	4.00
First Class Engine Driver's First Class Motor Engine Driver's	10.00
Engineer's or Motor Engineer's certificate	12.00

(4) The Central Government may in special circumstances

(a) exempt any class of steam boats or motor boats from the requirement of sub-rule (1) or sub-rule (2) as the case may be.

(b) lay down the qualifications required for the officers employed on such boats.

30. (1) Every motor boat licensed under these rules shall be provided with a sand box and an approved patent fire extinguisher of suitable capacity for extinguishing fire and the owner shall keep it free from oil refuse.

(2) Noisy engines of all motor boats licensed under these rules while plying within the port shall be fitted with efficient silencers.

31. Sinking of license, harbour craft.—The owner of any licensed harbour craft which has been sunk within the port area shall forth with report the fact of such sinking and the place where it occurred to the Deputy Conservator.

FORM 'A'
[(See Rule 4(2))]

Licence No.

Licence granted to owner of boat measuring feet long feet broad feet deep registered tons, to carry cargo (other than animals) and/or passengers/animals to the extent specified below, to and from ships at or off the Major Port of Tuticorin under the restrictions and subject to the penalties laid down in the Major Port of Tuticorin (Harbour Craft) Rules, 1974.

Date of Registry	Name, number, & description of Harbour Craft	Rig. and equipment	When built and where	When repaired last & in what condition	Cargo without passengers	
					Number of animals and presumed weight	Weight of cargo other than animals
1	2	3	4	5	6	7
					In fine weather: In rough weather	In fine weather In rough weather

Number of passengers without cargo	Number of crew	Particulars respecting the owner or owners of the boat		Particulars respecting tindal of the boat		Period for which the licence is to be in force	Remarks
		Name	Occupation, place or places of residence	Name	Place of residence		
8	9	10	11	12	13	14	15
In fine weather:	In fine weather: Tindal Lascars						
In rough weather	In rough weather: Tindal Lascar						

Date :

Note : Two children under 2 years of age-1 adult

Registering Officer/Licensing Officer.

Extended to

Ditto
Ditto
Ditto
Ditto
Ditto
Ditto
Ditto
Ditto
Ditto

Endorsement for change of Tindal

FORM 'B'
(See rule 10)

Register showing the Names, ages, places of residence and Signature/Thumb impression of Tindals employed in the Major Port of Tuticorin for the years 1974. —

S. No.	Date of Registry	Number of Harbour Craft	Name	Age			Place of residence	Signature/Thumb impression (in case of illiterate)	Remarks
				Years	Months	Days			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

[File No. PGL-90/75]

V. DWARAKAVAS, Under Secy.

उर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1976

सांकांति० 918 —संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक्त द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, एतद्वारा, उर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) में लेखापाल के पद की भर्ती विधि को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ — (1) इन नियमों को कोयला विभाग (लेखापाल) भर्ती नियम, 1976 कहा जाएगा।
(2) ये भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।
2. पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान — पदों की संख्या, वर्गीकरण और उससे संबंधित वेतनमान, इन नियमों के साथ संलग्न अनुसूची के कालम 2 से 4 में लिखे अनुसार होंगे।
3. भर्ती पद्धति, आयु-सीमा और अन्य योग्यताएं — भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, योग्यताएं और उससे संबंधित अन्य बातें, उक्त अनुसूची के कालम 5 में 13 में लिखे अनुसार होंगी।
4. अपात्रता — ऐसा कोई भी व्यक्ति —
(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो या विवाह करना तय किया हो जिसका पति/पत्नी जीवित है, या
(ख) जिसने एक पति/पत्नी के जीवित होते हुए किसी अन्य व्यक्ति से विवाह किया हो या विवाह करना तय किया हो, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा। लेकिन यदि केन्द्र सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाती है कि ऐसा विवाह उस व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षों के धैर्य-व्यक्ति कानून के अधीन मान्य है और ऐसा करने के अन्य आधार भी हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।
5. छूट देने का अधिकार — जहाँ केन्द्र सरकार का यह मत हो, कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ ऐसे कारणों का उल्लेख करने हुए एक आदेश द्वारा किसी श्रेणी या वर्ग के व्यक्तियों को इन नियमों के किसी भी उपबंध में छूट दे सकती है।
6. अपवाद — इन नियमों की किसी भी बात का केन्द्र सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए किए जाने वाले आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं होगा।

अनुसूची

पदनाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रवर्ण पद या अप्रवर्ण पद	सीधे भर्ती के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती के लिए अपेक्षित शैक्षिक व अन्य योग्यताएं
1	2	3	4	5	6	7
लेखापाल	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा, ग्रुप 'बी' अराज-पत्रित (प्रतिपिक-वर्गीय)	60 500-20-700- द० गे०-25-900	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

क्या साधी भर्ती के लिए नियत आयु और शैक्षिक योग्यताएं पदोन्नति में भी लागू होंगी	परिक्षा की अवधि यदि हो	भर्ती की विधि—सीधी भर्ती से या पदोन्नति से या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण से तथा विभिन्न विधियों से भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिफल।	यदि पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण से भर्ती है तो वे ग्रेड जिनसे पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण हो।	यदि कोई विभागीय पदोन्नति समिति है तो उसका गठन	वे परिस्थितियाँ जिनमें भर्ती करते समय संघ लोक सेवा आयोग से सलाह ली जाएगी।
8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : एम० ए० एम० लेखापाल/एम० ए० एम० पास क्लर्क की रैंक के अधि-कारी अथवा भारतीय लेखा परीक्षा और लेख विभाग, भारतीय रक्षा लेखा विभाग, भारतीय रेल लेखा विभाग तथा भारतीय डाक तार लेखा विभाग जैसे संगठित लेखा विभागों में से किसी एक में समान हैसियत वाले व्यक्ति (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)	लागू नहीं होता	जैसा कि संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 में अपेक्षित है।

[ए० 12018/2/75-एडमिनेस्ट्रेशन 1]

आर० एम० शिवानी, अवर सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 23rd April, 1976

G.S.R. 918.—In exercise of the Powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Accountant in the Ministry of Energy (Department of Coal), namely :

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called the Department of Coal (Accountant) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay : The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications : The method of recruitment to the said post, the age limit, qualifications and other matters relating thereto, shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualification : No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax : Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving : Nothing in these rules shall effect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or Non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits	
1	2	3	4	5	6	7	
Accountant	1	General Central Service Group 'B' Non-Gazetted (Ministerial)	Rs. 500-20-700-EB-25-900.	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.	
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation / transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion / deputation or transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made		If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11		12	13	
Not applicable	Not applicable.	By transfer on deputation	Transfer on deputation : Officers of the rank of S.S. Accountant/SAS passed Clerks or persons of equivalent rank from any of the organised Accounts Departments, viz. Indian Audit and Accounts Department, Indian Defence Accounts Department, Indian Railway Accounts Department and Posts and Telegraphs Accounts Department. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).		Not applicable	As required under Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.	

[No. A-12018/2/75-Adm. I]

R.S. SHIVANI, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1976

सा. का. नि. 919—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के पुनर्वासि केन्द्र में वरिष्ठ व्यावसायिक चिकित्सक के पद की भर्ती की पद्धति को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

- संक्षिप्त शीर्षक और प्रारंभ: 1. इन नियमों का नाम सफदरजंग अस्पताल, पुनर्वासि केन्द्र, नई दिल्ली (वरिष्ठ व्यावसायिक चिकित्सक) भर्ती नियम-यसी, 1976 है।
- ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगी।
- संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान: पदों की संख्या उनका वर्गीकरण तथा वेतनमान वहीं होंगे जैसा कि अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में निर्दिष्ट है।
- भर्ती की विधि, आयुसीमा, अर्हताएं, आदि: उक्त पदों पर भर्ती की विधि, आयुसीमा, अर्हताएं तथा अन्य बातें वहीं होंगी जैसा कि उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में निर्दिष्ट हैं।
- अनर्हता: कोई व्यक्ति :—
(क) जो किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह करता/करती है अथवा विवाह की संविदा करता/करती है जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित हो, अथवा
(ख) जो व्यक्ति एक पति/एक पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति के साथ विवाह करता/करती है अथवा विवाह की संविदा करता/करती है उक्त पद पर नियुक्त होने का पात्र नहीं होगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार यह समाधान होने पर कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्षकार पर लागू होने वाली स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है, और ऐसा करने के अन्य आधार हैं, किसी भी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. छूट देने की शक्ति: जहाँ केन्द्रीय सरकार का यह विचार हो कि छूट देना आवश्यक या उचित है वहाँ वह संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से और लिखित कारणों के आधार पर आदेश द्वारा किसी श्रेणी या वर्ग से संबंधित व्यक्तियों को इन नियमों के किसी उपबन्ध से छूट दे सकती है।

6. व्यावृत्ति: इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिये जिन आरक्षणों और अन्य रियायतों की व्यवस्था करना प्रापेक्षित है, उन पर इन नियमों की किसी बात का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अनुसूची

नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	पद संलेखन है अथवा नाम-संलेखन	सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा	सीधी भर्ती के लिये अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
वरिष्ठ व्यावसायिक चिकित्सक	1 (एक)	सामान्य केन्द्रीय सेवा, श्रेणी ख, राजपत्रित अनुसूचिवीय	840-40-1000- व० रो०-40-1200 रु०	संलेखन	35 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी कर्म-चारियों के लिए शिथिलनीय)*	अतिरिक्त : (1) मान्यताप्राप्त विषयविज्ञान संस्थान से व्यावसायिक चिकित्सा में डिग्री या डिप्लोमा अथवा समतुल्य अर्हता। (2) किसी अमान्यताप्राप्त अस्पताल/चिकित्सा संस्था में व्यावसायिक चिकित्सा का तीन वर्ष का व्यावहारिक अनुभव। (अथवा सुयोग्य अभ्यर्थियों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर अर्हतायें शिथिलनीय विशेषकर अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति से संबंधित अभ्यर्थियों के मामले में अनुभव संबंधी अर्हतायें शिथिलनीय)

*टिप्पणी:—भारत में रह रहे अभ्यर्थियों (अर्जमान निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप को छोड़कर) से प्रार्थनापत्र प्राप्त करने की जो अंतिम तिथि होगी वहीं आयु सीमा की निर्णायक तिथि होगी।

क्या पदोन्नति से रखे जाने वाले उम्मीदवार के मामले में प्रत्यक्ष भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए निर्धारित आयु और शैक्षिक अर्हताएं लागू होंगी	परिबीक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती का तरीका, सीधी भर्ती द्वारा या पदोन्नति के द्वारा अथवा स्थानान्तरण के द्वारा तथा विभिन्न तरीकों द्वारा भरे जाने वाले पदों की प्रतिशतता	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण के द्वारा भर्ती के मामले में वह ग्रेड जिससे पदोन्नति प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण किया जाना है	यदि विभागीय पदोन्नति समिति है तो उसका क्या गठन है	परिस्थितियां जिनमें भर्ती के लिए संशोधित सेवा आयोग से परामर्श लिया जाता है
--	-------------------------------	--	--	---	--

8	9	10	11	12	13
आयु—नहीं शैक्षिक अर्हताएं—हां	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	पदोन्नति : सफदरजंग अस्पताल अथवा जिलगहन अस्पताल तथा नर्सिंग होम में कार्य कर रहे व्यावसायिक चिकित्सक जिनकी इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद 10 वर्ष की सेवा हो।	श्रेणी-ख विभागीय पदोन्नति समिति। 1. महानिदेशक/अपर महानिदेशक—अध्यक्ष 2. प्रशासन व सतर्कता निदेशक—सदस्य 3. सहायक महानिदेशक/उपनिदेशक पुनर्वास केन्द्र, सफदरजंग अस्पताल—सदस्य 4. उपनिदेशक (प्र०)—सदस्य सचिव	संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम 1958 के अधीन यथा-पेशित।

[सं० ए-12025(II)/1/73-एम०सी०]

एस० श्रीनिवासन, अपर सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Health)

New Delhi, the 30th April, 1976

G.S.R. 919.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Senior Occupational Therapist in the Rehabilitation Centre, Safdarjang Hospital, New Delhi, namely :—

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called Rehabilitation Centre, Safdarjang Hospital, New Delhi, (Senior Occupational Therapist) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay : The number of posts, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in column 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications etc : The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification :—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of these rules.

5. Power to relax : Where the Central Government is of opinion that is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Savings : Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or Non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Senior Occupational Therapist	1	General Central Service Group 'B' Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 840-40-1000-EB-40-1200.	Selection	Not exceeding 35 years (Relaxable for Government Servants)**	Essential : (i) Degree or Diploma in Occupational Therapy of a recognised University/Institution or equivalent. (ii) Three years' practical experience in Occupational Therapy in a Hospital/Medical Institution of repute. (Qualifications relaxable at the Union Public Service Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified; in particular the qualifications regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes).

**NOTE : —The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by the various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Age : No Educational Qualifications : Yes.	2 years	By promotion failing which by direct recruitment.	Promotion : Occupational Therapists in the Safdarjang Hospital or Wellington Hospital and Nursing Home with 10 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Group 'B' Departmental Promotion Committee. 1. Director General/Addl. Director General —Chairman 2. Director of Administration & Vigilance —Member. 3. Asstt. Director General/Deputy Director, Rehabilitation Department Safdarjang Hospital New Delhi. —Member. 4. Deputy Director (O&M) Administration —Secretary Member	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from consultations Regulations, 1958.

नई दिल्ली, 3 जून, 1976

New Delhi, the 3rd June, 1976

सांकां. 920.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में केन्द्रीय औषधि प्रयोगशाला कलकत्ता (बर्ग 1 और बर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1970 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में केन्द्रीय औषधि प्रयोगशाला कलकत्ता, (बर्ग 1 और बर्ग 2 पद), भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. महानिदेशालय स्वास्थ्य सेवा में केन्द्रीय औषधि प्रयोगशाला कलकत्ता (बर्ग 1 और बर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1970 में,—

(i) 'बर्ग 1 और बर्ग 2 पद' शब्दों और अंकों के स्थान पर, जहाँ कहीं वे आए हों, 'समूह क' और 'समूह ख' शब्द और अक्षर रखे जाएंगे।

(ii) उपनिवेशक से सम्बन्धित मय सं. 2 के सामने, स्तम्भ 2 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखा जाएगी, अर्थात्:—
"दो"

[फा० सं० ए-12018/6/73-डी]

G.S.R. 920.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Drugs Laboratory, Calcutta in the Directorate General of Health Services (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1970, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Drugs Laboratory, Calcutta in the Directorate General of Health Services (Class I and Class II Posts), Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Drugs Laboratory, Calcutta in the Directorate General of Health Services (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1970,—

(i) for the words and figures 'class I' and 'class II' wherever they occur, the words and letters 'group A' and 'group B' shall be substituted.

(ii) against item No. 2 relating to Deputy Director, for the entry in column 2, the following entry shall be substituted, namely:—

"Two"

[No. A. 12018/6/73-D]

सांकां. 921.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय औषधि प्रयोगशाला, कलकत्ता (बर्ग 3 और बर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1972 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय औषधि प्रयोगशाला, कलकत्ता (बर्ग 3 और बर्ग 4 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय औषधि प्रयोगशाला, कलकत्ता (बर्ग 3 और बर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1972 में—

(i) 'बर्ग 3 और बर्ग 4' शब्दों और अंकों के स्थान पर, जहाँ कहीं वे आए हों, समूह 'ग' और समूह 'घ' शब्द और अक्षर रखे जाएंगे।

(ii) अनुसूची में, सहायक प्रमुख-अभिज्ञानी और तत्संबंधी प्रविष्टियों से संबंधित क्रम सं. 14 के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टियाँ अन्तःस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

"क्रम सं. 14-क"

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अथवा पद अथवा अच्ययन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
"14-क तकमीकी सहायक"	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' श्रेणी-पत्रित प्रसिद्धिकर्मीय	425-15-500-ब० रो०-15-560-20- 700 रु०	अथवा	25 वर्ष से अनधिक	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विज्ञान में उपाधि जिसमें एक विषय रसायन विज्ञान रहा हो।

सीधे भर्ती किए जाने परीक्षा की व्यवधि, भर्ती की पद्धति—भर्ती सीधे होगी प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा यदि विभागीय प्रोन्नति भर्ती करने में कितने व्यक्तियों के यदि कोई हो। या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/ भर्ती की वशा में वे श्रेणियाँ जिनसे समिति है, तो उसकी परिस्थितियों में संघ लिए विहित प्रायु स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया संरचना लोक सेवा आयोग से प्रोन्नतों की वशा में पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली जाएगी/की जाएगी/किया जाएगा। परामर्श किया जाएगा। लागू होंगी या नहीं। रिक्तियों का प्रतिशत।

8	9	10	11	12	13
नहीं	दो वर्ष	शतप्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	उच्च श्रेणी भारतसाक्षक लिपिक, उच्च श्रेणी लिपिक, लेखापाल और प्रयोगशाला सहायक।	1. विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्न-लिखित होंगे— 1. निदेशक, केन्द्रीय औषधि प्रयोगशाला, कलकत्ता। 2. उपनिदेशक केन्द्रीय औषधि प्रयोगशाला, कलकत्ता। 3. निदेशक, केन्द्रीय औषधि प्रयोगशाला, कलकत्ता द्वारा नियुक्त नामनिर्देशित।	लागू नहीं होता

[फा०सं० ए-12018/6/73-बी एण्ड एम एस]
रमेश महाबुर, उप सचिव

G.S.R. 921.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Drugs Laboratory, Calcutta (Class III and IV Posts) Recruitment Rules, 1972, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Drugs Laboratory Calcutta, (Class III and Class IV Posts), Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Drugs Laboratory, Calcutta (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1972,—

(i) for the words and figures 'Class III' and 'Class IV' wherever they occur, the words and letters 'Group C' and 'Group D' shall be substituted.

(ii) in the Schedule, after serial No. 14 relating to the post of Assistant Pharmacognocist and the entries thereto, the following serial No. and entries shall be inserted, namely :—

"Serial No. 14-A"

SCHEDULE

S. No.	Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age for direct recruitment	Education and other qualifications required for direct recruitment
1	2	3	4	5	6	7	8
14-A	Technical Assistant.	1	General Central Service Group 'C' non-gazetted non-ministerial.	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700.	Selection	Not exceeding 25 years.	A degree in Science of a recognised University with Chemistry as one of the subjects.

Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its Composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
9	10	11	12	13	14
No.	Two years	100% by promotion, failing which direct recruitment.	Upper Division Clerks-in-charge, Upper Division Clerks, Accountant and Laboratory Assistants.	Departmental Promotion Committee consisting of— 1. Director, Central Drugs Laboratory, Calcutta. 2. Deputy Director, Central Drugs Laboratory, Calcutta. 3. A nominee appointed by the Director, Central Drugs Laboratory, Calcutta.	Not applicable.

[No. A-12018/6/73-D & MS]

RAMESH BAHADUR, Dy. Secy.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(सिंचाई विभाग)

नई दिल्ली, 27 मई, 1976

सा० का० नि० 922.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, माही नियंत्रण बोर्ड, प्रशासन निकाय में, सहायक सचिव के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम माही नियंत्रण बोर्ड, सहायक सचिव (प्रशासन निकाय) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राष्ट्रपति में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अर्हताएं आदि.—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उमरे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं.—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति:—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं, उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची						
पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अभ्यन पद प्रयत्न अभ्यन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए सीधे भर्ती किए जाने वाले शैक्षिक और अन्य अर्हताएं आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए
1	2	3	4	5	6	7
सहायक सचिव (प्रशासन निकाय)	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' राजपञ्चित।	650-30-740-35- 810-द०रो०-35- 880-40-1000- द०रो०-1200-50- 1250 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
<p>सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परीक्षा की व्यवधि यदि कोई हो।</p> <p>बहिष्कृत आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोत्सवों की वषा में लागू होंगी या नहीं।</p> <p>भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोत्सव द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती होने वाली रिक्तियों का प्रतिशत।</p> <p>प्रोत्सव/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वषा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोत्सव/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा/की जाएगी/किया जाएगा।</p> <p>यदि विभागीय प्रोत्सव समिति है तो उसकी संरचना।</p> <p>भर्ती करने में किन परिस्थितियों में सच लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।</p>						
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : गुजरात/राजस्थान की राज्य सरकारों के अधीन ऐसे अधिकारी जो सहायक इंजीनियर के पद धारण करते हैं और जिनके पास किसी माध्यम-प्राप्त विश्वविद्यालय की मिलित इंजीनियरी में उपाधि या समतुल्य हो। टिप्पण : प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।	लागू नहीं होता	संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अधीन यथा अपेक्षित।	

[सं० 2/76 ए० सं० 17 (38)/75 की कस्यु 1]

के० भार० एस० आचार्य, प्रवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Irrigation)

New Delhi, the 27th May, 1976

G.S.R. 922.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Assistant Secretary in the Administrative Unit of the Mahi Control Board, namely :—

1. Short title and commencement:—(1) These rules may be called the Mahi Control Board, Assistant Secretary (Administrative Unit) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay:—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment age limit, qualification etc. :— The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications.—No person,—

(a) who was entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving :— Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Assistant Secretary (Administrative Unit)	1	General Central Service Group 'B' Gazatted	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-1200-50-1250.	Not applicable	Not applicable	Not applicable
Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits will apply in case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by Promotion/deputation transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its Composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment.	
8	9	10	1	12	13	
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation	Transfer on deputation : Officers under the State Governments of Gujarat/Rajasthan holding the posts of Assistant Engineer and possessing a degree in Civil Engineering of a recognised University or equivalent. Note:— The period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years.	Not applicable	Necessary, as required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.	

[No. 2/76-F. No. 17(38) /75—DW-I]
K.R.S. Acharya, Under Secy.

(द्वितीय विभाग)

नई दिल्ली, 2 जून, 1976

सा० का० वि० 923.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड में प्रयोगशाला सहायक के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड (प्रयोगशाला सहायक) भर्ती नियम, 1976 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- निरर्हताएं:—वह व्यक्ति—
(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति:—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिये जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाधन आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजाति और अन्य जातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिये उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शैक्षिक और अन्य अर्हताएं आयु-सीमा	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शैक्षिक और अन्य अर्हताएं आयु-सीमा
1	2	3	4	5	6	7
प्रयोगशाला सहायक	4	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' (भारत-पत्रित) (अलिपिक-वर्गीय)	260-6-290-३०००- 6-326-8-366- ६०००-8-390- 10-400 रु०	चयन	25 वर्ष से अतधिक	(1) मैट्रिक या समतुल्य अर्हता (2) किसी रसायनिक प्रयोगशाला में तीन वर्ष का अनुभव।
सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोत्तों की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती होनी या प्रोत्त द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिफल।	सीधे प्रोत्त द्वारा	प्रोत्त/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोत्त/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा	यदि विभागीय प्रोत्त समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा
8	9	10	11	12	13	
आयु : नहीं अर्हताएं : हों	2 वर्ष	शतप्रतिशत प्रोत्त द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रोत्त : प्रयोग परिसर (जो नियमित स्थापन के हों) जो न्यूनतम शैक्षिक अर्हता को अपेक्षा अर्थात् : मैट्रिक या उसके समतुल्य, पूरी करते हों और जिन्होंने नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में 5 वर्ष सेवा की हो।	1. मुख्य जल भू-विज्ञानी केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड — अध्यक्ष 2. निदेशक (मुख्यालय) केन्द्रीय जल बोर्ड — सदस्य 3. अध्यक्ष इजीनि-यर (मुख्यालय) केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड—सदस्य 4. उपेष्ट जल भूविज्ञानी, केन्द्रीय भूमिगत जल-बोर्ड—सदस्य सचिव	लागू नहीं होता।	

[सं० 7-2875/5-एम०आई० (ए०)]

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 2nd June, 1976

G.S.R. 923.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Laboratory Assistant in the Central Ground Water Board, namely :—

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Central Ground Water Board (Laboratory Assistant) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay :—Number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules :—

3. Method of recruitment, age limit, qualification etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualification :— No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.— Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.— Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether Selection or non-selection post	Age limit	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Laboratory Assistant	4 (Four)	General Central Service, Group 'C' (Non-Gazetted) (Non-Ministerial).	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.	Selection	Not exceeding 25 Years	(1) Matriculation or equivalent qualification. (2) Three years experience in a Chemical Laboratory.
Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion /deputation transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its Composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Age : No. Qualifications : Yes	Two Years	100% by promotion failing which by direct recruitment	Promotion Laboratory attendants (borne on regular establishment) who fulfil the requirement of minimum educational qualifications viz. Matriculation or equivalent and have 5 years' service in the grade rendered after appointment thereto on regular basis.	1. Chief Hydrogeologist Central Ground water Board.. Chairman 2. Director (Headquarters) Central Ground Water Board.... Member. 3. Superintending Engineer (Headquarters) Central Ground Water.... Member 4. Senior Hydrogeologist, Central Ground Water Board.... Member Secretary.	Not Applicable	

[No.7-28/75-MI (A)]

सा० का० नि० 924.—राष्ट्रपति, सविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग और इस पद के सन्धि में सभी वर्तमान नियमों का अधिष्ठापन करते हुए, केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड में झिलर-एवं-यांत्रिक के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड (झिलर-एवं-यांत्रिक) भर्ती नियम, 1976 है ।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
- पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.—उक्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपावृद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट है ।
- भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि.—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं ।

4. निरहताएं.—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी से जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाय कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रयत्न में छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति.—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, यहाँ यह, उसके लिये जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति.—इन नियमों की कोई शान भी इन आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिये उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अधिनयन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु-सीमा	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
ड्रिलर-एवं-यांत्रिक	97	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह ग (तकनीकी)	425-15-560-द० 10-20-640 रु०	चयन	35 वर्ष से अनधिक। केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, और अन्य विशेष प्रवर्गों की दशा में शिथिल-नीय।	यांत्रिक/वेधन इंजीनियरी में डिप्लोमा और साथ ही धूर्त (रीटरो) तथा आघात (पर्कुशन) रिमों आदि के प्रचालन और अनुरक्षण का 3 वर्ष का अनुभव। या मैट्रिक उत्तीर्ण और साथ ही आघात तथा धूर्त रिमों आदि के प्रचालन और अनुरक्षण का 8 वर्ष का अनुभव।
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति-भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा अथवा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13	
अर्हता : नहीं आयु : नहीं	दो वर्ष	50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा, 50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रोन्नति :— केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड में के सहायक ड्रिलर-एवं-यांत्रिक, जिन्होंने उस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 5 वर्ष निरन्तर सेवा की हो।	केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड में विभागीय प्रोन्नति समिति समूह ग (तकनीकी) 1. मुख्य इंजीनियर, केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड—अध्यक्ष (मुख्य इंजीनियर की अनुपस्थिति में अधीक्षण इंजीनियर, केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड, अध्यक्ष के रूप में कार्य करेगा) 2. अधीक्षण इंजीनियर, केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड—सदस्य 3. निदेशक (मुख्यालय) केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड—सदस्य 4. कार्यपालक इंजीनियर (मुख्यालय) केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड—सदस्य।	लागू नहीं होता।	

[सं० 23-5/76-एम०आई० (ए०)]

एम० देयाल, उप-सचिव

G.S.R. 924.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of all existing rules relating to this post, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Driller-cum-Mechanic in the Central Water Board, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Ground Water Board (Driller-cum-Mechanic) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No Person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personnel law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concession required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of Pay	Whether Selection or Non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualification required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Driller-cum-Mechanic	97 (Ninty seven,	General Central Service, Group C (Technical)	Rs. 425-15-560-EB-20-640.	Selection	Not exceeding 35 years. Relaxable in the case of Scheduled Castes, Scheduled Tribes, and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time	Diploma in Mechanical/Drilling Engineering with 3 years' experience in the operation and maintenance of rotary and percussion rigs etc. OR Matriculate with 8 years' experience in the operation and maintenance of percussion and rotary rigs etc.

Whether age & educational qualification etc. prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of Probation etc.	Method of recruitment etc.	In case of recruitment by promotion/transfer grades from which promotion to be made	If Departmental Promotion Committee exists what is its Composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Qualifications : No Age : No	Two years	50% by direct recruitment; 50% by promotion, failing which, by direct recruitment.	Promotion : Assistant Driller-cum-Mechanic in the Central Ground Water Board with 5 years' continuous service in the grade rendered after appointment thereto on regular basis.	Departmental Promotion Committee, Group C (Technical) in the Central Ground Water Board : 1. Chief Engineer, Central Ground Water Board--Chairman (Superintending Engineer, Central Ground Water Board, in the absence of Chief Engineer shall act as Chairman. 2. Superintending Engineer, Central Ground Water Board.—Member. 3. Director (Hqrs.) Central Ground Water Board.—Member. 4. Executive Engineer (Hqrs.) Central Ground Water Board.—Member.	Not applicable.

[No. 23-5/76-MI(A)]
S. DAYALA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 3 जून, 1976

सां० का० बि० 925.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अर्थ और सांख्यिकी निदेशालय (तकनीकी लिपिक) भर्ती नियम, 1964 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बगते हैं अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम अर्थ और सांख्यिकी निदेशालय (तकनीकी लिपिक) भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. अर्थ और सांख्यिकी निदेशालय (तकनीकी लिपिक) भर्ती नियम, 1964 की अनुसूची में,

(1) स्तम्भ 6 में प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाए, अर्थात् :— 'लागू नहीं होता',

(2) स्तम्भ 7 में प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :— 'लागू नहीं होता',

(3) स्तम्भ 8 में प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी अर्थात् :— 'लागू नहीं होता',

(4) स्तम्भ 10 में प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :— 'यत् प्रतिशत विभागीय प्रोन्नति द्वारा

(5) स्तम्भ 11 में, प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"अर्थ और सांख्यिकी निदेशालय के उन संगणकों में से प्रोन्नति द्वारा जिन्होंने उस श्रेणी में कम से कम 3 वर्ष सेवा की हो"

[सं० 9-17/75-अर्थनीति]

एम० वी० केशवन, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd June, 1976

G.S.R. 925.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Directorate of Economics and Statistics (Technical Clerks) Recruitment Rules, 1964, namely :—

1. (1) These rules may be called the Directorate of Economics and Statistics (Technical Clerks) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Directorate of Economics and Statistics (Technical Clerks) Recruitment Rules, 1964;

(1) in column 6, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"Not applicable";

(2) in column 7, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"Not applicable";

(3) in column 8, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"Not applicable";

(4) in column 10, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"100% by departmental promotion";

(5) in column 11, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"By promotion from amongst Computers in the Directorate of Economics and Statistics with a minimum of 3 years' service in the grade".

[No. 9-17/75-Econ. Py.]
M. V. KESAVAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 जून, 1976

New Delhi, the 3rd June, 1976

सं० का० नि० 927.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मत्स्यन बन्दरगाह निवेश-पूर्व सर्वेक्षण (वर्ग 3 और 4 पद) भर्ती नियम, 1968 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम मत्स्यन बन्दरगाह निवेश-पूर्व सर्वेक्षण (वर्ग 3 और 4 पद) भर्ती संशोधन नियम, 1976 है,

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. मत्स्यन बन्दरगाह निवेश-पूर्व सर्वेक्षण (वर्ग 3 और 4 पद) भर्ती नियम, 1968 की अनुसूची में, 'कनिष्ठ निपिकों' के पद से संबंधित क्रम संख्या 3 के सामने स्तम्भ 6, 8 और 10 में की प्रविष्टियाँ के स्थान पर क्रमशः निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जायेंगी, अर्थात्:—

(i) स्तम्भ 6 में, "25 वर्ष से अधिक नहीं"

(ii) स्तम्भ 8 में "आयु—नहीं"

शैक्षिक अर्हता : हाँ

(iii) स्तम्भ 10 में, "90 प्रतिशत रिक्तियाँ सीधी भर्ती द्वारा भरी जायेंगी और 10 प्रतिशत रिक्तियाँ उसी कार्यालय में कार्य कर रहे उन वर्ग 4 के कर्मचारियों में से प्रतियोगी परीक्षा के आधार पर भरी जायेंगी जो मैट्रिक पास हों, या सम-तुल्य अर्हता रखते हों और जिन्होंने वर्ग 4 में 5 वर्ष सेवा की हो, 1 परीक्षा की पात्रता के लिए अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष है (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातियों के कर्मचारियों के लिए 50 वर्ष)।

परन्तु हम पद्धति से भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की अधिकतम संख्या किसी वर्ष में रिक्तियों के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी और न भरी रिक्तियों को अग्रणीत नहीं किया जायेगा।

[सं० 11-5/76-मात्स्यकी (प्रशासन)]

[No. 11-5/76-Fy (Admn.)]

सा० का० नि० 928.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समन्वयेयी मात्स्यकी परियोजना और उसके बेस (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद भर्ती) नियम 1959, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम समन्वयेयी मात्स्यकी परियोजना और उसके बेस (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद भर्ती) संशोधन नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. समन्वयेयी मात्स्यकी परियोजना और उसके बेस (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद भर्ती) नियम 1959 की अनुसूची में, मद 7 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित मद और प्रविष्टियाँ रखी जायेंगी, अर्थात्:—

1	2	3	4	5	6	7
"7 स्किपर	27	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' (अराज-पत्रित) अलिपिक वर्गीय।	1100-50-1600 रु०	चयन	35 वर्ष से अतिरिक्त (सरकारी सेवकों के लिए शिथिलनीय)।	(i) समुद्री वाणिज्यिक विभाग द्वारा जारी किया गया मत्स्यन पोत के लिए स्किपर की सक्षमता प्रमाणपत्र। (ii) स्कूल छोड़ने का प्रमाणपत्र या समतुल्य। (iii) मत्स्यन पोत पर 5 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव। (अर्हता, अन्यथा सुअहित अभ्यर्थियों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिलनीय)।

G.S.R. 926.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Pre-Investment Survey for Fishing-Harbours (Class III and IV posts) Recruitment Rules, 1968, namely:—

1 (1) These rules may be called Pre-Investment Survey for Fishing Harbours (Class III and IV posts) Recruitment Amendment Rules, 1976;

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Pre-Investment Survey for Fishing Harbours (Class III and IV posts) Recruitment Rules 1968, against serial No. 3 relating to the post of "Junior Clerks", for the entries in columns 6, 8 and 10, following entries shall respectively be substituted, namely:—

(i) in column 6; "Not exceeding 25 years";

(ii) in column 8; "Age—No, Educational Qualification : Yes";

(iii) in column 10; "90 per cent vacancies shall be filled by direct recruitment and 10% vacancies shall be filled from amongst the class IV employees, working in the same office, who are matriculates, or possess equivalent qualification and have rendered five years' service in class IV, on the basis of competitive examination, the maximum age limit for eligibility for the examination being 45 years (50 years for the Scheduled Caste/Scheduled Tribe employees). Provided that the maximum number of persons to be recruited by this method shall be limited to 10% of the vacancies in a year and unfilled vacancies shall not be carried over".

8	9	10	11	12	13
आयु : नहीं अर्हता : स्तम्भ 7 में (1) के अनुसार।	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर, सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोन्नति : श्रेणी 2 के मेंट (वैतनमान 650- 960 रुपए) जिन्होंने उस श्रेणी में 5 वर्ष की नियमित सेवा की हो और साथ ही ऐसे बोमुन (प्रमाणित) (वैतनमान 550-750 रुपए) के नामों पर भी विचार किया जाएगा जिन्होंने उस श्रेणी में 8 वर्ष नियमित सेवा की हो।	समूह 'ख' विभागीय प्रोन्नति सभितः— 1. सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग—अध्यक्ष 2. प्रशासन के प्रभारी संयुक्त सचिव (यदि संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य उपस्थित नहीं हों तो यह अध्यक्ष की हैसियत से भी कार्य करेगा) ।—सदस्य 3. कृषि विभाग के प्रभाग का तकनीकी प्रमुख या उसका नामनिर्देशित—सदस्य 4. समन्वेषी मात्स्यकी परियोजना का प्रमुख या उसका नामनिर्दे- शित—सदस्य 5. प्रशासन का प्रभारी उप सचिव—सदस्य 6. संस्थान स्थापन का प्रभारी अवर सचिव —सदस्य	संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अधीन यथापेक्षित।”

[सं० 3-20/70 मात्स्यकी (प्रशासन)]

आर० जी० बनर्जी, अवर सचिव

G.S.R. 927.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Exploratory Fisheries Project and its Basis (Recruitment to Class I and Class II posts) Rules, 1959, namely:—

1. (1) These rules may be called the Exploratory Fisheries Project and its Bases (Recruitment to Class I and Class II posts) Amendment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Exploratory Fisheries Project and its Bases (Recruitment to Class I and Class II posts) Rules 1959, for item 7 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be substituted, namely:—

1	2	3	4	5	6	7
"7. Skipper	27	General Central Service, Group 'B' (Non-Gazetted) Non-Ministerial	Rs. 1100-50-1600	Selection	Not exceeding 35 years (Relaxable for Government servants).	(i) Certificate of Competency as Skipper for the Fishing Vessels issued by Mercantile Marine Department. (ii) Secondary School Leaving Certificate or equivalent. (iii) 5 years' practical experience on fishing vessels. (Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified).

8	9	10	11	12	13
Age: No Qualifications: As at (i) in column 7	2 years	By promotion, failing which, by direct recruit- ment.	Promotion: Mates Grade II (Scale Rs. 650-960) with 5 years' regular service in the grade and Bansans (Certified) (Scale Rs. 550-750) with 8 years' regular service in the grade, being considered together.	Group B Departmental Promotion Committee: 1. Member, Union Public Service Com- mission —Chairman 2. Joint Secretary In- charge of Adminis- tration (He shall also act as Chairman when Member, Union Public Service Commission does not attend) —Member 3. Technical Head of the Division in the Department of Agri- culture or his nominee —Member 4. Head of the Explora- tory Fisheries Project or his nominee. —Member 5. Deputy Secretary In- charge of Adminis- tration —Member 6. Under Secretary In- charge of Establish- ment concerned —Member	As required under the Union Public Service Commis- sion (Exemption from consultation) Regulations, 1958.

[No 3-20/70—Fy (Admn). 3]
R. G. BANERJEE, Under Secy.

शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय (संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, 29 मई, 1976

सा० का० नि० 928.—संविधान के अनुच्छेद 309 के उपबन्धों द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए तथा शिक्षा मंत्रालय (पुस्तकाध्यक्षों) के भर्ती नियम 1959, जहाँ तक वे पुस्तकाध्यक्ष ग्रेड 1 के पद से संबंधित हैं, को रद्द करने हुए राष्ट्रपति एतद्द्वारा शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय में संस्कृति विभाग और शिक्षा विभाग में पुस्तकाध्यक्ष ग्रेड 1 के पदों से संबंधित भर्ती की प्रणाली का विनियमन करने के हेतु निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :—

1. लघु शीर्षक तथा आरम्भ :—इन नियमों को संस्कृति विभाग और शिक्षा विभाग पुस्तकाध्यक्ष ग्रेड 1 भर्ती नियम, 1976 कहा जाए।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में छपने की तारीख से लागू होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान :—पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण तथा वेतनमान उसी प्रकार होंगे जिस प्रकार अनुबन्ध सूची के कालम 2 से 4 तक में निर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की प्रणाली, आयु सीमा तथा अर्हताएं इत्यादि :—इस पद के लिए भर्ती की प्रणाली, आयु सीमा, योग्यताएं तथा भर्ती से संबंधित अन्य विषय उपरोक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 में निर्दिष्ट के अनुसार होंगे।

4. अयोग्यताएं :—कोई भी ऐसा व्यक्ति —

(क) जो ऐसे व्यक्ति से विवाह का अनुबन्ध अथवा विवाह करता है जिसकी पत्नी अथवा पति जीवित हो, अथवा

(ख) जो पति/पत्नी के रहते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह का अनुबन्ध अथवा विवाह करता है, उक्त पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा; किन्तु यदि सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसा विवाह उक्त व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू वैयक्तिक कानून के अधीन अनुज्ञेय है तथा ऐसा करने के कुछ अन्य आधार भी हैं, किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

5. रियायत देने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक है तो लिखित रूप से कारणों को दर्ज करते हुए तथा लोक सेवा आयोग से परामर्श करके वह आदेश द्वारा किसी भी श्रेणी अथवा वर्ग के व्यक्तियों के सम्बन्ध में इन नियमों के किसी भी उपबन्ध में रियायत दे सकती है।

6. शर्तें :—इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य वर्गों के व्यक्तियों को दी जाने वाली अपेक्षित रियायतों और आरक्षणों को इन नियमों में से कोई भी प्रभावित नहीं करेगा।

अनुसूची

पद नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वैतनमान	प्रवर्णन पद है या अप्रवर्णन	प्रत्यक्ष भर्ती वालों के लिए आयु	प्रत्यक्ष भर्ती वालों के लिए शैक्षणिक तथा अन्य योग्यताएं
1	2	3	4	5	6	7
पुस्तकाध्यक्ष ग्रेड I	9	सामान्य केन्द्रीय सेवा (ग्रुप ख) राजपत्रित	650-30-740-35-810-कु०रो०-35-880-40-1000-कु०रो० 40-1200 रुपये	प्रवर्णन	40 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी कर्मचारियों के लिए छूट)।	अनिवार्य : (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय अथवा समकक्ष मास्टर की डिग्री। (ii) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय अथवा संस्था के पुस्तकालय विज्ञान में डिग्री अथवा समतुल्य डिप्लोमा। (iii) किसी स्थायी पुस्तकालय में जिम्मेदारी के पद पर 5 वर्ष का अनुभव। (उम्मीदवारों की अन्यथा सुयोग्य स्थिति में संघीय लोक सेवा आयोग के निर्देशन पर अर्हताओं में छूट)।

क्या प्रत्यक्ष भर्ती वालों के लिए निर्धारित की गई आयु तथा शैक्षणिक अर्हताएं पदोन्नति के विषय में भी लागू होंगी	परिवीक्षा की की अवधि, यदि कोई हो तो	भर्ती प्रणाली, प्रत्यक्ष भर्ती या पदोन्नति या प्रतिनियुक्ति या तबादले द्वारा भर्ती किए जाने की स्थिति में उन ग्रेडों का उल्लेख जिससे पदोन्नति या प्रतिनियुक्ति या तबादला किया जाना है	विभागीय पदोन्नति समिति है तो उसकी संरचना क्या है	परिस्थितियाँ जिनके लिए भर्ती करने के विषय में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाना है
--	-------------------------------------	---	--	---

8	9	10	11	12	13
आयु: नहीं। शैक्षणिक अर्हताएं कालम 11 में निविष्ट की गई सीमा तक।	2 वर्ष।	75 प्रतिशत पदोन्नति से अन्यथा सीधी भर्ती से तथा 25 प्रतिशत सीधी भर्ती से	पुस्तकाध्यक्ष ग्रेड II जिसकी नियुक्ति के बाद नियमित आक्षार पर उसी ग्रेड में 8 वर्षों की सेवा हो और पुस्तकालय विज्ञान में जो कम से कम डिग्री अथवा समतुल्य डिप्लोमा रखता हो।	वर्ग ख विभागीय पदोन्नति समिति:— 1. सदस्य के०लो०से० आ०,—अध्यक्ष 2. संयुक्त सचिव-संबंधित सं०शि० सं० 3. निदेशक (के०स० पु०) /ड० शि० सं० (पु०प्र०)। 4. अ०स०(प्र०)—सदस्य सचिव	केन्द्रीय लोक सेवा आयोग के अन्तर्गत यथा अपेक्षित (परामर्श विनियमन) 1958 से छूट।

[फा० सं० ए०-12018/2/74-ई०एण्डसी०]
पी०एस० बालाकृष्णन, प्रवर सचिव

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE

(Department of Culture)

New Delhi, the 29th May, 1976

G.S.R. 928.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Ministry of Education (Librarians) Recruitment Rules, 1959, in so far as they relate to the post of Librarian Grade I, the President hereby makes the following rules for regulating the method of recruitment to the posts of Librarian Grade I in the Department of Culture and the Department of Education in the Ministry of Education and Social Welfare, namely:—

1. Short title and Commencement: (1) These rules may be called the Department of Culture and the Department of Education Librarian Grade I Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Number of Posts, Classification and Scale of Pay:—The number of the said posts, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed herewith.

3. Method of Recruitment, Age Limit and Qualifications etc.:—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the aforesaid schedule.

4. Disqualification:—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to Relax:—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect of any class or category of persons.

6. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-selection post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Librarian Grade I	9	General Central Service (Group B) Gazetted	Rs. 650-31-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200	Selection	Not exceeding 40 years (Relaxation for Government servants)	Essential: (i) Master's Degree of a recognised University or equivalent. (ii) Degree or equivalent Diploma in Library Science of a recognised University or Institution. (iii) 5 years' experience in a responsible capacity in a Library of standing. (Qualifications relaxable at the Union Public Service Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Age: No Educational Qualifications: To the extent indicated in column 11.	2 years	75% by promotion, failing which by direct recruitment; and 25% by direct recruitment.	Librarian Grade II with 8 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis, and possessing at least a Degree and a Degree or equivalent diploma in Library Science.	Group B Departmental Promotion Committee: 1. Member, UPSC, Chairman. 2. Joint Secy.—JEA concerned. 3. Dir. (CSL)/DEA (BP) 4. US(A) — Member Secy.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from consultation regulations, 1958)	

[File No. A-12018/2/74-E&C]

P. S. BALAKRISHNAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 जून, 1976

ला० का० नि० 929.—संबिधान की धारा 309 के उपबन्धों में प्रश्न प्रणियों का प्रयोग करने हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा डा० जाकिर हुसैन स्मारक संग्रहालय में संग्रहालय अध्यक्ष (क्यूरेटर) के पद पर भर्ती की प्रणाली का नियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

1. मधु शीर्षक तथा आरम्भ होता :—(1) इन नियमों को डा० जाकिर हुसैन स्मारक संग्रहालय (संग्रहालय-अध्यक्ष) भर्ती नियम, 1976 कहा जाए।

(2) सरकारी राजपत्र में छपने से ये लागू होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान :—इन पदों का संख्या, उनका वर्गीकरण तथा वेतनमान उसी प्रकार से होंगे, जिस प्रकार हमसे अनुबन्ध अनुसूची के कालम 2 में 4 में निदिष्ट हैं।

3. भर्ती की प्रणाली, वय सीमा तथा योग्यताएं आदि :—इस पद के लिए भर्ती की प्रणाली वय सीमा, योग्यताएं तथा भर्ती से संबंधित अन्य विषय अनुसूची के कालम 5 में 13 में निदिष्ट के अनुसार होंगे।

4. अयोग्यताएं :—कोई भी ऐसा व्यक्ति—

(क) जो ऐसे व्यक्ति से विवाह का अनुबन्ध अथवा विवाह करता है, जिसकी पत्नी अथवा पति जीवित हो, अथवा

(ख) जो पति/पत्नी के रहते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह का अनुबन्ध अथवा विवाह करता है, उक्त पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा :

बशर्ते कि यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि उस व्यक्ति प्रौर विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू वैयक्तिक कानून के अधीन ऐसा विवाह अनुष्ठेय है तथा ऐसा करने के कुछ अन्य आधार भी हैं, किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

5. रियायत देने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक अथवा उचित है, तो लिखित रूप से कारणों को दर्ज करने हुए वह आदेश द्वारा, किसी भी श्रेणी अथवा वर्ग के व्यक्तियों के संबंध में, इन नियमों के किसी भी उपबन्ध में रियायत दे सकती है।

6. प्रतिबन्ध :—इन संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित आदिम जाति तथा अन्य वर्ग के व्यक्तियों को दी जाने वाली अपेक्षित रियायतों और आरक्षणों को इन नियमों में से कोई भी प्रभावित नहीं करेगा।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	क्या प्रवरण पद है अथवा गैर प्रवरण पद	सीधी भर्ती के लिए प्रायः सीधी भर्ती के लिए अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य योग्यताएं।
1	2	3	4	5	6
संग्रहालय अध्यक्ष (क्यूरेटर)।	एक	सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग-‘ग’- अलिपिक वर्गीय, प्रराजपन्नित	425-15-500-द०रो० 15-560-20-700-रूपए	लागू नहीं होता	28 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के लिए रियायत)
					अतिवार्य : किसी मान्यता प्राप्त विषयविद्यालय से भारतीय इतिहास अथवा भूविज्ञान अथवा फारसी में मास्टर की (उत्तर स्नातक) डिग्री अथवा उसके समकक्ष प्रानसे डिग्री। वांछनीय : संग्रहालय विज्ञान में डिप्लोमा उर्दू की अच्छी जानकारी। किसी विख्यात संग्रहालय अथवा ऐसे ही किसी संस्था में अनुभव।
क्या प्रत्यक्ष भर्ती वालों के लिए निष्ठा-रित की गई प्रायः तथा शैक्षिक अर्हताएं पदोन्नति के विषय में भी लागू होंगी	परिक्षा की अवधि, यदि कोई हो तो	भर्ती की प्रणाली सीधी भर्ती या पदोन्नति अथवा प्रतिनियुक्ति/तबादले द्वारा तथा विभिन्न प्रणालियों द्वारा भरे जाने वाले रिक्त स्थानों की प्रतिगणना	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति या तबादले द्वारा भर्ती की स्थिति में, उन ग्रेडों का उल्लेख जिससे पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति या तबादला किया जाता है	यदि विभागीय पदोन्नति समिति हो तो उसकी संरचना क्या है	परिस्थितियां जिनके, अधीन भर्ती करने के विषय में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श लिया जाना है।
8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता।	दो वर्ष।	प्रतिनियुक्ति पर तबादले द्वारा, जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रतिनियुक्ति पर तबादला : राष्ट्रीय संग्रहालय अथवा किसी ऐसी ही संस्था में ग्रेड में दो वर्ष की सेवा वाले तकनीकी सहायक (425-700 रूपए वेतनमान में)। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	लागू नहीं होता।	लागू नहीं होता

[स० एक० 23-3/76-सी०ए० I(5)]

बलदेव महाजन, अवसर सचिव

New Delhi, the 8th June, 1976

G.S.R. 929.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Curator in the Dr. Zakir Husain Memorial Museum, namely:—

1. Short Title and Commencement:—(1) These rules may be called the Dr. Zakir Husain Memorial Museum (Curator) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of Pay:—The number of the said posts, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of Recruitment, age limit and qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the aforesaid Schedule.

4. Disqualifications:—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or

(b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the Personal Law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax:—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving: Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-selection post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Curator	One	General Central Service Group 'C' Non-Ministerial Non-Gazetted	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700	Not applicable	28 years (Relaxable for Government servants)	Essential: Master's or equivalent Honours Degree of a recognised University in Indian History or Geology or Persian. Desirable: Diploma in Museology. Good knowledge of Urdu. Experience in a Museum of standing or comparable Institution.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	2 years	By transfer on deputation failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation: Technical Assistant (Scale of pay Rs. 425-700) in the National Museum or from comparable Institution with 2 years service in the grade. (Period of deputation ordinarily not exceeding three years)	Not applicable	Not applicable.	

[No. F. 23-3/76-CAI(5)]

BALDEV MAHAJAN, Under Secy.

योजना मंत्रालय

(सांख्यिकी विभाग)

नई दिल्ली, 29 मई, 1976

स।० का० नि० 930.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवर्तित शक्तियों का प्रयोग करन हुए, सांख्यिकी विभाग (वर्ग 11 पद) भर्ती नियम, 1972 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम सांख्यिकी विभाग (वर्ग IV पद) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. सांख्यिकी विभाग (वर्ग IV पद) भर्ती नियम, 1972 की अनुसूची में, चपरासी के पद से संबंधित क्रम सं० 5 के सामने स्तम्भ 10 और 11 में की गई प्रविष्टियों के स्थान पर क्रमशः निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जायेंगी, अर्थात्:—

स्तम्भ 10:

- (i) 75 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा, जिसके न हो सकने पर स्थानान्तरण द्वारा
- (ii) 25 प्रतिशत स्थानान्तरण द्वारा।

स्तम्भ 11:

- (i) केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों में सदृश या समतुल्य पद धारण करने वाले ऐसे व्यक्तियों का स्थानान्तरण जिनके पास स्तम्भ 7 में विनिर्दिष्ट अर्हता हो: या
- (ii) ऐसे झाड़ूकणों, फराशों, चौकीदारों आदि का स्थानान्तरण जिनके पास चपरासी पद पर सीधी भर्ती के लिए विहित अर्हता नहीं है किन्तु जो प्रारम्भिक रूप से साक्षर हैं और साधारण लिखित परीक्षा में हिन्दी पढ़ने की योग्यता का सबूत देते हैं और जिन्होंने मूल काडर में पांच वर्ष सेवा की हो।

[सं० ए० 12018/3/75 स्था० I]

प्रार० डी० सिषल, अवर सचिव

नई दिल्ली, 1 जून, 1976

स।० का० नि० 931.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवर्तित शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा योजना मंत्रालय, सांख्यिकी विभाग के केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (औद्योगिक सांख्यिकी पक्ष) कलकत्ता में कनिष्ठ मैस्टर अपरेटर के पद की भर्ती पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त शीर्षक तथा प्रारंभ:—(1) ये नियम केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (औद्योगिक सांख्यिकी पक्ष), कलकत्ता (ग्रुप “डी” पद) भर्ती नियम, 1976 कहें जायेंगे।
- (2) ये नियम भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान:—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनसे संलग्न वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के 2 से लेकर 4 तक के कालों में दिए गए हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं आदि:—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे सम्बद्ध अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के 5 से लेकर 13 तक के कालों में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं:—(क) कोई व्यक्ति जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ विवाह करता है या विवाह की संविदा करता है जिसका कि एक पति/जिसकी कि एक पत्नी जीवित हों, सेवा में नियुक्त का पात्र नहीं होगा, अथवा

(ख) कोई व्यक्ति जो कि पति/पत्नी के जीवित रहने हुए किसी व्यक्ति के साथ विवाह करता है/करती है अथवा विवाह की संविदा करता है/करती है सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

बशर्ते कि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाली स्वीय विधि के अन्तर्गत अनुज्ञेय है और ऐसा करने के अन्य आधार हैं तो किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. छूट देने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ वह उन कारणों से जो लेखबद्ध किए जायेंगे आदेश द्वारा व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को भी शिथिल कर सकेगी।

6. व्यापकता:—इन नियमों में से कोई भी नियम, इस बारे में समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए प्रबल किए जाने वाले आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी।

MINISTRY OF PLANNING

(Department of Statistics)

New Delhi, the 29th May, 1976

G.S.R. 930.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Department of Statistics, (Class IV posts) Recruitment Rules, 1972, namely:—

1. (1) These rules may be called the Department of Statistics (Class IV posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Department of Statistics (Class IV posts) Recruitment Rules, 1972, for the existing entries in columns 10 and 11 against Serial Number 5, relating to the post of Peon, the following entries shall respectively be substituted, namely:—

Column 10: (i) 75 per cent by direct recruitment, failing which by transfer.

(ii) 25 per cent by transfer

Column 11: (i) Transfer of persons holding similar or equivalent posts in Central Government Offices and possessing qualification specified in column 7. or

(ii) Transfer of sweepers, farashcs, chowkidars, etc. who do not possess the qualifications prescribed for direct recruitment to the post of peon but who possess elementary literacy and give proof of ability to read in Hindi in a simple written test and have put in five years' service in the parent cadre.

[No. A. 12018/3/75-Estt.I]

R. D. SINGHAL, Under Secy.

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रवर्णन पद अथवा प्रप्रवर्णन पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले शैक्षिक और अन्य ग्रह-ताएं	व्यक्तियों
1	2	3	4	5	6	7	
कनिष्ठ गैस्टेटर ऑपरेटर	(एक)	सामान्य केन्द्रीय सेवा, (ग्रुप 'डी' (अग्रज- पत्रित)	210-4-250-२००० 5-270 रु०	चयनेतर	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
क्या सीधे भर्ती वालों के लिए निर्धारित आयु तथा शैक्षिक ग्रह-ताएं पदोन्नति किए जाने वाले व्यक्तियों के संबंध में भी लागू होगी	परिबीक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति, सीधी भर्ती से या पदोन्नति से, अथवा प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण से तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण से भर्ती किए जाने पर वे ग्रेड जिनमें पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किए जाने हैं।	यदि विभागीय पदोन्नति समिति विद्यमान है तो उसका गठन क्या है	वे परिस्थितियां जिनमें भर्ती करने में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना है		
8	9	10	11	12	13		
लागू नहीं होता	दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा	पदोन्नति : वे दफ्तरी जिन्होंने कम से कम तीन वर्ष तक लगातार उभर रूप में कार्य किया हो और सभी प्रकार की बुल्सिकेडिंग मशीनों के प्रचालन का अच्छा ज्ञान रखते हों।	ग्रुप 'डी' पदोन्नति समिति में निम्न-लिखित पदाधिकारी हैं :— (1) उप-निदेशक (प्रशासन) —अध्यक्ष (2) अनुभाग अधिकारी (प्रशासन-I) —सदस्य (3) अनुभाग अधिकारी (प्रशासन II) —सदस्य-सचिव	लागू नहीं होता		

[ए-120 18/5/75-स्थापन II]

हरीश चन्द्रा, उप सचिव

New Delhi, the 1st June, 1976

G.S.R. 931.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Junior Gesteator Operator in the Central Statistical Organisation (Industrial Statistics Wing), Calcutta, under the Department of Statistics in the Ministry of Planning, namely:—

1. Short Title and Commencement:—(1) These rules may be called the Central Statistical Organisation (Industrial Statistics Wing), Calcutta (Group 'D' post) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay:—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.:—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualification:—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government, may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax:—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether Selection or Non-Selection post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Junior Gestetner Operator	1 (One)	General Central Service (Group 'D') (Non-Gazetted)	Rs. 210-4-250-EB-5-270	Non-Selection	Not applicable	Not applicable
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotion	Period of probation, if any	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion / deputation / transfer, grades from which promotion / deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its component	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	2 years	By promotion	Promotion: Daftries who have rendered at least 3 years continuous service in that capacity and possess good knowledge of operation of duplicating machines of all types.	Group 'D' Departmental Promotion Committee consisting of:— 1. Deputy Director (Admn.),—Chairman 2. Section Officer (Admn. I),—Member 3. Section Officer (Admn. II),—Member Secretary.	Not applicable	

[A. 12018/7/75-Estt. II]
HARISH CHANDRA, Dy. Secy.

संचार मंत्रालय

नई दिल्ली 31 मई 1976

सं० का० नि० 932.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करते हुए संचार मंत्रालय (बर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1968 को संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम संचार मंत्रालय (बर्ग 4 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. संचार मंत्रालय (बर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1968, की अनुसूची में 'चपरासी' के पद से सम्बद्ध मद 5 के सामने,—

(1) स्तम्भ 10 की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जायेंगी, अर्थात्:—

"75 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।"

25 प्रतिशत स्थानांतरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।"

(ii) स्तम्भ 11 की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जायेंगी, अर्थात्:—

"स्थानांतरण : फर्राशे, झाबूकश या चौकीदार, जिन्होंने प्रपरी-अपनी श्रेणियों में कम-से-कम 5 वर्ष सेवा की हो और जिनके पास इस पद पर सीधी भर्ती के लिए निर्धारित ग्रहृताएं नहीं हैं, किन्तु साक्षर हैं और सामान्य सी लिखित परीक्षा के आधार पर, हिन्दी बड़ने की योग्यता का सबूत देते हैं।"

[सं० ए० 12011/3/76-प्रशासन]

मदननाथ कक्कड़, उपसचिव

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

New Delhi, the 31st May, 1976

G.S.R. 932.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Department of Communications (Class IV Posts) Recruitment Rules, 1968, namely:—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Communications (Class IV Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Department of Communications—(Class IV Posts) Recruitment Rules, 1968 against item 5 relating to the post of "Peon",—

(i) in column 10, for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"75 per cent by direct recruitment;

25 per cent by transfer failing which by direct recruitment";

(ii) in column 11, for the entry, the following entry shall be substituted namely:—

"Transfer : Farashes, Sweepers or Chowkidars who have put in minimum 5 years' service in the respective grade and who do not possess the qualifications prescribed for direct recruitment to the post but possess elementary literacy and give a proof of ability to read in Hindi on the basis of a simple written test."

[No. A. 12011/3/76-Admn]

M. L. KAKAR, Dy. Secy.

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 8 जून, 1976

सां० कां० लि० 933.—भारतीय तार अधिनियम 1885 (1885 काजू 13) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने भारतीय तार नियमावली 1951 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नवर्ती नियम बनाये हैं, अर्थात्:—

1. (i) इन नियमों की भारतीय तार (7वां संशोधन) नियम 1976 कहा जाए।

(ii) वे सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय तार नियमावली 1951 में नियम 416 के स्थान पर निम्नवर्ती नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“416 तार प्राधिकारी की शक्तियाँ :

(1) तार प्राधिकारी नये टेलीफोन कनेक्शन के लिए या इस प्रकार की किसी अन्य सेवा की व्यवस्था के लिए या किसी मौजूदा सेवा में अदल-बदल के लिए दिये गए आवेदन-पत्र को तामजूर कर सकता है।

(2) आवेदन पत्र को तामजूर करने से पहले उप-नियम (1) के अन्तर्गत तार प्राधिकारी को नीचे लिखी बातों को ध्यान में रखना होगा, अर्थात्:—

(क) आवेदक के पूर्ववृत्त और जहाँ आवेदक द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति के द्वारा आवेदन पत्र दिया गया हो तो उस व्यक्ति के पूर्ववृत्त

(ख) क्या नीचे वाले व्यक्तियों के नाम में टेलीफोन शुल्क की बकाया पड़ी है—

(1) आवेदक; या

(2) वह व्यक्ति जिसे आवेदक ने प्राधिकृत किया हो जबकि आवेदन-पत्र आवेदक की मरफ से ऐसे प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत किया गया हो,

(ग) क्या किसी केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के राजपत्रित अधिकारी ने जिसे ऐसी सरकार ने प्राधिकृत किया हो तार प्राधिकारी को सिफारिश भेजी है कि भ्रान्ति बनाये रखने के हित में उपनियम (1) में सम्बन्धित टेलीफोन या सेवा की व्यवस्था आवेदक को या उसके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति को, जैसा भी मामला हो, नहीं की जानी चाहिए;

(घ) कोई अन्य संबंधित कारण

(3) उपनियम (1) के अन्तर्गत उस समय तक कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी जब तक कम से कम 7 दिन का लिखित नोटिस संबंधित व्यक्ति को दे दिया गया हो और जब तक तार प्राधिकारी ने इस मामले में ऐसे व्यक्ति द्वारा दिए गए प्रतिनिवेदन, यदि कोई हो तो, पर गौर कर लिया हो।

(4) उपनियम (3) में उल्लिखित अधिव्यक्ति के बावजूद, उस मामले में जबकि तार प्राधिकारी को इस बात की तसल्ली हो जाए कि कोई व्यक्ति सरकारी का कार्य करता है या देश के विदेशी मुद्रा प्रसाधनों के धारक सम्बन्धी किसी कानून के विपरीत कार्य कर रहा है या सार्वसाधारण सुरक्षा और हित या भारत की रक्षा, सिविल रक्षा या भीतरी सुरक्षा के विपरीत कोई कार्य कर रहा है, तो तार प्राधिकारी इस प्रकार कार्रवाई करेगा—

(क) उस हासत में जबकि ऐसा व्यक्ति आवेदक हो या टेलीफोन कनेक्शन या उसी प्रकार की किसी सेवा की व्यवस्था या मौजूदा सेवा में अदल-बदल की व्यवस्था की प्रार्थना को तामजूर करे; और

(ख) यदि ऐसा व्यक्ति उपभोक्ता हो तो इन नियमों के अन्तर्गत व्यवस्थित किसी टेलीफोन या अन्य सेवा को पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से बन्द कर दे।

बशर्ते कि तार-प्राधिकारी इस उपनियम के अन्तर्गत की गई कार्रवाई के 7 दिन के भीतर लिखित रूप में ऐसी कार्रवाई की सूचना उसके कारणों सहित सम्बन्धित व्यक्ति को देगा।”

[11-34/73 कोन-ए]

पी० एन० कौल, निदेशक कोन (ई०)

Posts & Telegraphs Board

New Delhi, the 8th June, 1976

G.S.R. 933.—In exercise of the powers conferred by Section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951, namely:—

1. (i) These rules may be called the Indian Telegraph (SEVENTH Amendment) Rules, 1976.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Telegraph Rules, 1951, for rule 416, the following rule shall be substituted, namely:—

“416. Powers of Telegraph Authority.

(1) The Telegraph Authority may reject any application for the connection of a new telephone or for providing any similar service or for the alteration of any existing service.

(2) Before rejecting any application under sub-rule (1), the Telegraph Authority shall have due regard to the following factors, namely:—

(a) the antecedents of the applicant and where the application was made by any person duly authorized by the applicant, the antecedents of such person;

(b) whether there are any telephone dues outstanding in the name of—

(i) the applicant; or

(ii) the person duly authorized by the applicant, if the application was made by such authorized person on behalf of the applicant;

(c) whether any Gazetted Officer of the Central Government or a State Government duly authorized by such Government, has recommended to the Telegraph Authority that in the interests of the maintenance of law and order any telephone or any service as is referred to in sub-rule (1) should not be provided to the applicant or, as the case may be, to the person duly authorized by the applicant; and

(d) any other relevant factor.

(3) No action shall be taken under sub-rule (1), unless notice of not less than seven days has been given in writing to the person concerned and the Telegraph Authority has considered the representation, if any, made by such person in the matter.

(4) Notwithstanding anything contained in sub-rule (3), where the Telegraph Authority is satisfied that any person is engaged in any smuggling activity or is acting in violation of any law relating to the conservation of the foreign exchange resources of the country or is acting prejudicially to the public safety and interest or the defence of India, civil defence or internal security, the Telegraph Authority shall—

(a) where such person is an applicant, refuse to grant any telephone connection or any similar service or to provide any alteration of any existing service; and

(b) where such person is a subscriber, withdraw, either totally or partially, any telephone or similar service provided under these rules :

Provided that the Telegraph Authority shall, within seven days of taking action under this sub-rule, inform in writing the person concerned of the action taken, together with the reasons therefor".

[11-34/73-PH-A]

P. N. KAUL, Director Phone (E)

पूति और पुनर्वासि संचालय

(पुनर्वासि विभाग)

नई दिल्ली, 8 जून, 1976

स।० का० नि० 934.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए राष्ट्रपति इसके द्वारा पूति और पुनर्वासि संचालय (पुनर्वासि विभाग) के अन्तर्गत दण्डकारण्य परियोजना में सहायक कार्यपालक अधिकारी (वरिष्ठ) (तकनीकी) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) ये नियम दण्डकारण्य परियोजना में सहायक कार्यपालक अधिकारी (वरिष्ठ) (तकनीकी) के पद पर भर्ती के नियम, 1976 कहलायेंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।

2. पदों की संख्या वर्गीकरण और वेतनमान:—इन पदों की संख्या, इनका वर्गीकरण और वेतनमान इन नियमों की मंजूर अनुसूची के कालम 2 से 4 में दिये गये हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयुसीमा और योग्यताएं इत्यादि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति आयुसीमा, योग्यताएं और इससे संबंधित अन्य बातें उक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 में दी गई हैं।

4. अयोग्यताएं:—कोई व्यक्ति,—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो जिसका पति या पत्नी जीवित हो, या

(ख) जिसने पति या पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाय कि उक्त व्यक्ति पर तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर जो वैयक्तिक कानून लागू होता है उसके अन्तर्गत ऐसा विवाह किया जा सकता है तथा ऐसा करने के और आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. रियायत देने की शक्ति:—यदि केन्द्रीय सरकार को ऐसी राय हो कि ऐसा करना उचित या आवश्यक है तो वह लिखित कारणों के आधार पर आदेश देकर और संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किसी भी श्रेणी या वर्ग के व्यक्तियों के लिए इन नियमों के किसी भी उपबन्ध में रियायत कर सकती है।

6. अपवाद:—इन नियमों में दी गई कोई भी बात अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य विशेष वर्ग के व्यक्तियों को इस संदर्भ में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गये आदेशों के आधार पर दिए जाने वाले आरक्षण तथा रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद है अथवा गैरचयन पद	सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों के लिए आयु सीमा	सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों से अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य योग्यताएँ
1	2	3	4	5	6	7

सहायक कार्यपालक
अधिकारी (वरिष्ठ)
(तकनीकी)

1 समान्य केन्द्रीय सेवा
वर्ग 'ख' राजपत्रित
अल्पिक वर्गीय

650-30-740-35-
880-२०००-
40-960 रुपये

चयन

30 वर्ष से अधिक नहीं
(सरकारी कर्म-
चारियों के लिए
छूट)**

अनिवार्य :

'क' (1) किसी मान्यप्राप्त विश्वविद्या-
लय से मैकेनिकल इंजी-
नियरिंग को डिग्री या इसके
समकक्ष ।

(2) किसी उत्पादन कार्यशाला
या किसी प्रशिक्षण संस्थान
में 3 वर्ष का पर्यवेक्षण
वेक्षण संबंधी अनुभव होना
चाहिए

या

'ख'

(1) किसी मान्यता-प्राप्त विश्व-
विद्यालय या संस्थान से
मैकेनिकल इंजीनियरिंग में
डिप्लोमा या इसके समकक्ष ।

(2) किसी उत्पादन कार्यशाला
या किसी प्रशिक्षण संस्थान
में 5 वर्ष का अनुभव
जिसमें 3 वर्ष का पर्यवेक्षण
3 वर्ष का पर्यवेक्षण संबंधी
अनुभव होना चाहिए ।

(अन्य प्रकार से योग्य अभ्याधियों
के मामले में संघ लोक सेवा
आयोग अपनी इच्छा से योग्यताओं
में छूट दे सकता है
विशेषकर अनुसूचित जातियों
या अनुसूचित जनजातियों
को उनके लिए आरक्षित
पदों के लिए अनुभव संबंधी
योग्यताओं में छूट दी जा
सकती है ।)

बोछनीय : पढ़ाने का अनुभव ।

टिप्पणी:—

**आयुसीमा निर्धारित करने के लिए भारत में रहने वाले अभ्याधियों (अण्डमान और निकोबार द्वीपों समूहों में रहने वाले अभ्याधियों को छोड़कर)
से प्रार्थना पत्र प्राप्त होने की तिथि को आधार माना जाएगा ।

क्या सीधी भर्ती के परीक्षा की उम्मीदवारों के लिए अधि यदि निर्धारित आयु तथा योग्यताएं पदोन्नति वाले उम्मीदवार पर भी लागू होंगी	भर्ती की विधि सीधी भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा या प्रति नियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न विधियों से भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिष्ठान	यदि पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती होनी हो तो वे वेदों के पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाना है	यदि कोई विभागीय पदोन्नति प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण है	परिस्थितियों जिनमें भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग का परामर्श लिया जाता है
---	--	--	---	--

8	9	10	11	12	13
नहीं	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा इसके न होने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा तथा इन दोनों के न होने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	पदोन्नति :— ऐसे फोरमैन (वरिष्ठ) जिनका अपने ग्रेड में नियुक्ति होने के पश्चात् 3 वर्ष की नियमित सेवा हो गई हो । प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अन्तर्गत समान पदों पर कार्य कर रहे अधिकारी या जिनकी 500-900 रुपये या इसके समकक्ष वेतनमानों में कम से कम 3 वर्ष की सेवा हो गई हो तथा जो सीधी भर्ती के लिए कालम 7 में दिखाई गई निर्धारित योग्यताएं तथा अनुभव रखते हों ।	(1) अध्यक्ष एवं मुख्य प्रशासक, गण्ड-कारण्य परियोजना अध्यक्ष (2) उप मुख्य प्रशासक, गण्ड-कारण्य परियोजना सदस्य (3) परिवहन तथा कार्यशाला निदेशक, गण्डकारण्य परि-योजना-सदस्य ।	यदि नियुक्ति के लिए किसी राज्य सरकार के अधिकारी को चुना जाता है तो जैसा कि संघ लोक सेवा आयोग के (परामर्श से छूट विनियम, 1958 के अन्तर्गत अपेक्षित है ।

[सं० 1/141/75-गण्ड]

शान्ति लाल, उप सचिव

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 8th June, 1976

G.S.R. 934.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Assistant Executive Officer (Senior) (Technical) in the Dandakaranya Project under the Ministry of Supply and Rehabilitation (Department of Rehabilitation) namely:

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Dandakaranya Project Assistant Executive Officer (Senior) (Technical) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age-limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications.—No person—

(a) who has entered into, or contracted, a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into, or contracted, a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to Relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect of any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-selection post	Age limit for direct recruitment	Educational qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Assistant Executive Officer (Senior) (Technical)	1	General Central Service Group 'B' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960	Selection	Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants)**	<p>Essential:</p> <p>'A' (i) A degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) 3 years' experience in a supervisory capacity in a workshop engaged in production or in training institute.</p> <p>OR</p> <p>'B' (i) A diploma in Mechanical Engineering of a recognised University or Institute or equivalent.</p> <p>(ii) 5 years' experience in a workshop engaged in production or in a training Institute including 3 years' experience in a supervisory capacity.</p> <p>(Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified; in particular the qualifications regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes for posts reserved for them).</p> <p>Desirable: Teaching experience.</p>

**NOTE :—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).

Whether age and educational qualifications prescribed for the direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion, deputation or transfer grades from which promotion or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
No	2 years	By promotion failing which by transfer on deputation, and failing both, by direct recruitment.	<p>Promotion: Foreman (Senior) with 3 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.</p> <p>Transfer on deputation: Officers under the Central Government or State Government holding analogous posts or with at least three years' service in posts in the scale of Rs. 500-900 or equivalent and possessing the qualifications and experience as prescribed for direct recruits in column 7.</p> <p>(Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).</p>	<p>1. Chairman and Chief Administrator, Dandakaranya Project ..Chairman</p> <p>2. Deputy Chief Administrator, Dandakaranya Project ..Member</p> <p>3. Director of Transport and Workshop Dandakaranya Project ..Member</p>	<p>If an Officer of a State Government is selected for appointment— As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.</p>

श्रम मंत्रालय

DRAFT RULES

रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय

नई दिल्ली, 9 जून, 1976

सा० का० नि० 935.—नियोजनालय (रिक्तियों की अनिवार्य अधिसूचना अधिनियम, 1959 (1959 का 31) की धारा 10 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, नियोजनालय (रिक्तियों की अनिवार्य अधिसूचना) नियम, 1960 में और संशोधन करने के लिए जो नियम बनाना चाहती है उनका निम्नलिखित प्रारूप, उपरोक्त धारा की उप-धारा (1) द्वारा अपेक्षित के अनुसार, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनकी उससे प्रभावित होने की संभावना है तथा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालिस दिन की अवधि समाप्त होने से पश्चात् विचार किया जाएगा।

2. नियमों के उक्त प्रारूप की बाबत ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पूर्व किसी भी व्यक्ति से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का मक्षित नाम नियोजनालय (रिक्तियों की अनिवार्य अधिसूचना) संशोधन नियम, 1976 है।

2. नियोजनालय (रिक्तियों की अनिवार्य अधिसूचना) नियम, 1960 में,—

(क) नियम 2 में, खण्ड (2) में, “नियोजनालय” शब्द के स्थान पर “कोई भी नियोजनालय” शब्द रखे जाएंगे;

(ख) नियम 3 में, उप नियम (1) में,—

(i) खंड (क) में, “210 रु०” पद के स्थान पर “425 रु०” पद रखा जाएगा

(ii) अंतिम पैरा में, “केन्द्रीय नियोजनालय” शब्दों के स्थान पर “ऐसा केन्द्रीय नियोजनालय जो केन्द्रीय सरकार द्वारा, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट किया जाएगा” शब्द रखे जाएंगे।

[संख्या 27(11)/76-प्रशा० II]

आर० पी० गुप्ता, अवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR

(Directorate General of Employment & Training)

New Delhi, the 9th June, 1976

G.S.R. 935.—The following draft rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 10 of the Employment Exchanges (Compulsory Notification of Vacancies) Act, 1959 (31 of 1959), further to amend the Employment Exchanges (Compulsory Notification of Vacancies) Rules, 1960, is hereby published, as required by sub-section (1) of the section aforesaid, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period specified above, will be considered by the Central Government.

1. These rules may be called the Employment Exchanges (Compulsory Notification of Vacancies) Amendment Rules, 1976.

2. In the Employment Exchanges (Compulsory Notification of Vacancies) Rules, 1960,—

(a) in rule 2, in clause (2) for the words “the Employment Exchange”, the words “any Employment Exchange” shall be substituted;

(b) in rule 3, in sub-rule (1),—

(i) in clause (a), for the expression “Rs. 210/-”, the expression “Rs. 425/-” shall be substituted;

(ii) in the concluding paragraph, for the words “the Central Employment Exchange”, the words “such Central Employment Exchange as may be specified by the Central Government, by notification in the Official Gazette, in this behalf” shall be substituted.

[No. 27(11)/76-Adm. II]

R. P. GUPTA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बैंककारी विभाग)

नई दिल्ली, 5 जून, 1976

सा० का० नि० 936.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निरीक्षण निदेशालय (अनुसंधान, सांख्यिकी और प्रकाशन) वर्ग 3 और वर्ग 4 पद (भर्ती) नियम, 1975 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

1. (i) इन नियमों का नाम, निरीक्षण महानिदेशालय (अनुसंधान, सांख्यिकी और प्रकाशन) वर्ग 3 और वर्ग 4 पद (भर्ती) मण्डल नियम, 1975 है।

(ii) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. निरीक्षण महानिदेशालय (अनुसंधान, सांख्यिकी और प्रकाशन) वर्ग 3 और वर्ग 4 पद (भर्ती) नियम 1975 से उपाबद्ध अनुसूची में,—

(क) क्रम सं० 5 के सामने स्तम्भ 4 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“425-15-500-द० री०-515-560-20-700 रु०”,

(ख) क्रम सं० 13 के सामने, स्तम्भ 4 में की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“330-10-380-द० री०-12-500-द० री०-15-560 रु०”

[फा० सं० ए० 12018/2/76-प्रशा० VII]

एन० सी० जैन, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Banking)

New Delhi, the 5th June, 1976

G.S.R. 936.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Directorate of Inspection (Research Statistics and Publication) Class III and Class IV Posts (Recruitment Rules), 1975, namely :—

1. (i) These rules may be called the Directorate of Inspection (Research, Statistics and Publication) Class

III and Class IV Posts (Recruitment) Amendment Rules, 1976.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule annexed to the Directorate of Inspection (Research, Statistics and Publication) Class III and IV Posts (Recruitment) Rules, 1975—

(a) against S. No. 5, in column 4, for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700.";

(b) against S. No. 13, in column 4, for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560."

[F. No. A-12018/2/76-AD. VII]

NFM CHAND JAIN, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 जून, 1976

औषधीय और प्रसाधन निर्माणियां

सा. का. नि. 937.—औषधीय और प्रसाधन निर्माणियां (उत्पाद शुल्क) नियम, 1956 के अनुसरण में और स्थायी समिति की सलाह पर, केन्द्रीय सरकार घोषित करती है कि मैसर्स बारोफार्न कैमिकल्स लिमिटेड, बड़ौदा द्वारा तैयार की गई नई निर्मित फल आइरन एलिजिर की औषधीय और प्रसाधन निर्माणियां (उत्पाद शुल्क) अधिनियम, 1955 (1955 का 16) की अनुसूची की मद 1(i) (a) के अधीन आने वाली अनिबन्धित निर्माण के प्रवर्ग में सम्मिलित कर लिया जाएगा।

[सं. 7(फा. सं. 656/23/76-अफीम)]

डी० के० आचार्य, अवर सचिव

New Delhi, the 15th June, 1976

(Medicinal and Toilet Preparations)

G.S.R. 937.—In pursuance of sub-rule (3) of rule 60 of the Medicinal and Toilet Preparations (Excise Duties) Rules, 1956 and on the advice of the Standing Committee, the Central Government hereby declares that the new preparation FOLIRON ELIXIR, manufactured by Messrs Baropharm Chemicals Limited, Baroda, shall be included in the category of unrestricted preparations falling under Item 1(i)(a) of the Schedule to the Medicinal and Toilet Preparations (Excise Duties) Act, 1955 (16 of 1955).

[No. 7 (F. No. 656/23/74-OPIMUM)]

D. K. ACHARYYA, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, 26 जून, 1976

सा. का. नि. 938.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (गजस्थ और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं. 52/69 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क गारीख 1 मार्च, 1969 में निम्नलिखित संशोधन और करना है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, खंड (i) के उपसर्गकरण में निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात्:—

"(i) 'लच्छिया' पद में, पैसा लच्छिया अभिप्रेत होगी, जिनमें मादी (मादी) रीलों में 2000 मीटर से अधिक बटा हुआ धागा, सूत या धागा अंतर्निहित न हो।"

[अधिसूचना सं. 197/76-फा. सं. 30/5/74 के. सं. 2]

जी० एम० मैगा, अवर सचिव

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 26th June, 1976

G.S.R. 938.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 52/69-Central Excises, dated the 1st March, 1969, namely:—

In the said notification, in the Explanation, for clause (i), the following clause shall be substituted, namely:—

"(i) the term 'hanks' shall mean hanks which do not contain more than 2000 metres of twist, yarn or thread in plain (straight) reel;"

[Notification No. 197/76-CE—F. No. 50/5/74-CE. 2]

G. S. MAINGI, Under Secy.

(राजस्व पक्ष)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, 26 जून, 1976

सा. का. नि. 939.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. इन नियमों का नाम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (17वां संशोधन) नियम, 1976 है।

2. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 में,—

(क) नियम 97 में, उपनियम (1) में, चौथे परन्तुक में, खण्ड (ख) में, "मिगार, चुरट या मिग्रेटो," शब्दों के स्थान पर, "मिगार, चुरट, मिग्रेट, खाने वाली तम्बाकू, नसवार और बीड़ियाँ," शब्द रखे जाएंगे;

(ख) नियम 97-क में, उपनियम (2) में, खण्ड (1) के उपखंड (ख) में, "मिगार, चुरट या मिग्रेटो," शब्दों के स्थान पर, "मिगार, चुरट, मिग्रेट, खाने वाली तम्बाकू, नसवार या बीड़ियाँ," शब्द रखे जाएंगे;

(ग) नियम 173-ज में, उपनियम (2) में, "हटाया जा सकेगा," शब्दों के स्थान पर, "यदि, विनिर्माण जैसी किसी प्रक्रिया के अधीन न हो तो हटाया जा सकेगा," शब्द रखे जाएंगे।

[अधिसूचना 199/76-सी० ई० फा० सं० 223/5/74-सी एम्स 6]

REVENUE WING

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 26th June, 1976

G.S.R. 939.—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely:—

1. The rules may be called the Central Excise (17th Amendment) Rules, 1976.

2. In the Central Excise Rules, 1944—

(a) in rule 97, in sub-rule (1), in the fourth proviso, in clause (b), for the words, "cigars, cheroots, and cigarettes", the words "cigars, cheroots, cigarettes,

chewing tobacco, snuff or biris" shall be substituted;

- (b) in rule 97-A, in sub-rule (2), in clause (1), in sub-clause (b), for the words "cigars, cheroots and cigarettes", the words "cigars, cheroots, cigarettes, chewing tobacco, snuff or biris" shall be substituted;
- (c) in rule 173-H, in sub-rule (2), for the words "may be removed" the words "may, if not subjected to any process amounting to manufacture be removed" shall be substituted.

[Notification 199/76-C.E. F. No. 223/52/74-CX. 6]

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

शुद्धि-पत्र

सां. कां. निं. 940 — भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (1), तारीख 17 जनवरी, 1976 के पृष्ठ 108 पर प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं. 5/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (सां.कां.निं. 77), तारीख 17 जनवरी, 1976 में, नियम 1 में, "केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (द्वितीय संशोधन) नियम, 1975" के स्थान पर "केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (द्वितीय संशोधन) नियम, 1976" पढ़ें।

[अधिसूचना सं. 201/76-सी ई. कां. सं. 214/7/75-सी एक्स 6]

कृष्णा कान्त, अवर सचिव

CORRIGENDUM

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 940.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 5/76-Central Excises (G.S.R. 77), dated the 17th January, 1976, published at page 109 of the Gazette of India, Part II-Section 3-Sub-section (i), dated the 17th January, 1976, in rule 1, for "the Central Excise (2nd Amendment) Rules, 1975", read "the Central Excise (Second Amendment) Rules, 1976."

[Notification No. 201/76-C.E. F. No. 214/7/75-CX.6]

KRISHNA KANT, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सां.कां.निं. 941.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 174क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक और समीचीन है, उक्त नियमों के नियम 174 के प्रवर्तन से निम्नलिखित को छूट देती है —

- (क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं. 4 की उपमद II (5) के अन्तर्गत आने वाली 'खाने वाली तम्बाकू, उसमें भिन्न जिनका कोई ब्राण्ड नाम' है ; और
- (ख) उक्त मद की उपमद II(6) के अन्तर्गत आने वाली तम्बाकू, जिसे उस पर उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क का सहाय

करने के पश्चात् निकासी करके पुनः श्रेक किया है, लेबल लगाया गया है या पुनः लेबल लगाया गया है।

परन्तु यह छूट केवल तभी तक प्रवृत्त रहेगी जब तक कि, यथा-स्थान खाने वाली तम्बाकू या तम्बाकू का उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद शुल्क से छूट प्राप्त है।

स्पष्टीकरण :—इस अधिसूचना में, "ब्राण्ड नाम" से अभिप्रेत है कोई नाम या चिन्ह (चाहे वह रजिस्ट्रीकृत हो या नहीं), जैसे कि कोई प्रतीक, नाम चिन्ह, लेबल, हस्ताक्षर या कल्पित शब्द या कोई लेख जिनका उपयोग ऐसी खाने वाली तम्बाकू के संबंध में, खाने वाली तम्बाकू और उस नाम या चिन्ह का उपयोग करने वाले किसी व्यक्ति के मध्य, उस व्यक्ति की पहचान का कोई संकेत करते हुए या किए बिना, व्यापार के दौरान संबंध उपदर्शित करने के प्रयोजन के लिए या इस प्रयोजन के लिए कि वह ऐसा संबंध उपदर्शित करे, किया जाता है।

[अधिसूचना सं. 202/76-सी ई. कां. सं. 261/4/11/76-सी एक्स 8]

एम्. के. भारद्वाज, अवर सचिव।

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 941.—In exercise of the powers conferred by rule 174A of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government, being satisfied that it is necessary and expedient in the public interest so to do hereby exempts from the operation of rule 174 of the said rules—

- (a) "chewing tobacco", other than with a "brand name", falling under sub-item II(5) of Item No. 4 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944); and
- (b) snuff falling under sub-item II(6) of the said Item, which having been cleared on payment of duty of excise leviable thereon, is repacked, labelled, or relabelled:

Provided that this exemption shall remain in force only so long as such chewing tobacco or snuff, as the case may be, remains exempt from the whole of the duty of excise leviable thereon.

Explanation.—In this notification, "brand name" means a name or a mark (whether registered or not) such as a symbol, monogram, label, signature or invented words or any writing which is used in relation to such chewing tobacco for the purpose of indicating, or so as to indicate, a connection in the course of trade between the chewing tobacco and some person using such name or mark with or without any indication of the identity of that person.

[Notification No. 202/76-C.E -F. No. 261/4/11/76-CX8]

S. K. BHARDWAJ, Under Secy.

विधो, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 18 जून, 1976

सां. कां. निं. 942 —केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 642 की उपधारा (1) के खंड (क) के साथ पठित धारा 217 की उपधारा (2क) के खंड (ख) के उपखंड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कम्पनी (कर्मचारियों की विधिप्रिया) नियम, 1976 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. इन नियमों का नाम कम्पनी (कर्मचारियों की विधिप्रिया) संशोधन नियम, 1976 है।

2 कम्पनी (कर्मचारियों की विशिष्टता) नियम, 1975 के नियम, 2 में, खंड (छ) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अन्तः स्थापित किए जाएंगे अर्थात्:—

“(ज) ऐसे कर्मचारी की आयु ;

(ख) कम्पनी में आने से पूर्व कर्मचारी अन्तिम बार किस नियोजन में था।”

[फाइल नं० 5/7/74 सी० एल०]

ए० जी० सिरसी, उप-सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 18th June, 1976

G.S.R. 942.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ii) of clause (b) of sub-section (2A) of section 217, read with clause (a) of sub-section (1) of section 642, of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Companies (Particulars of Employees) Rules, 1975, namely:—

1. These rules may be called the Companies (Particulars of Employees) Amendment Rules 1976.

2. In rule 2 of the Companies (Particulars of Employees) Rules, 1975, after clause (g), the following clauses shall be inserted, namely:—

“(h) the age of such employee;

(i) the last employment held by such employee before joining the company.”

[File No. 5/7/74-CL. V]

A. G. SIRSI, Dy. Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 21 जून, 1976

सा० का० नि० 943.—भारतीय डाकघर अधिनियम, 1898 (1898 का 6) की धाराओं 28, 29 और 34 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके केन्द्रीय सरकार ने एन० द्वारा भारतीय डाकघर नियमावली, 1933 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाए हैं, अर्थात्:—

1 (1) इन नियमों को भारतीय डाकघर (सातवां संशोधन) नियम, 1976 कहा जाएगा।

(2) वे 1 जुलाई, 1976 से प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय डाकघर नियमावली, 1933 के नियम 59 में दूगरे उपबंध के स्थान पर निम्नवती उपबंध प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात्:—

“और बताने कि मल्यदेय बुक पैकेट की रजिस्ट्री के बारे में जिसमें वे पुस्तकें हों,

(i) जब कि ऐसी छठी पुस्तकों का मूल्य पांच रुपये से अधिक न हो, शुल्क पैसट पैसे,

(ii) जबकि ऐसी छठी पुस्तकों का मूल्य पांच रुपये से अधिक हो किन्तु दस रुपये से अधिक न हो तो शुल्क केवल एक रुपया पच्चीस पैसे लगाया जाएगा।”

[स० 1-10/76-वर]

ई० एन० सुब्रह्मण्यम, सहायक महासचिव (वर) तथा भारत

सरकार के पदेन अवर सचिव

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

New Delhi, the 21st June, 1976

G.S.R. 943.—In exercise of the powers conferred by sections 28, 29 and 34 of the Indian Post Office Act, 1898 (6 of 1898), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Post Office Rules, 1933, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Post Office (Seventh Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the 1st day of July, 1976.

2. In rule 59 of the Indian Post Office Rules, 1933, for the second proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

“Provided further that in respect of the registration of a value payable book packet containing printed books,

(i) where the value of such printed books does not exceed five rupees, a fee of sixty-five paise,

(ii) where the value of such printed books exceeds five rupees but does not exceed ten rupees, a fee of one rupee and twenty-five paise, only shall be charged.”

[No. 1-10/76/R]

E. N. SUBRAMANIAM, Assistant Director General (Rates)
Ex-officio under Secy.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

नई दिल्ली, 22 जून, 1976

सा० का० नि० 944.—केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चावल (दक्षिणी जौन) संचलन नियंत्रण आदेश, 1957 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात्:—

1. (1) इस आदेश का नाम चावल (दक्षिणी जौन) संचलन नियंत्रण (संशोधन) आदेश, 1976 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2. चावल (दक्षिणी जौन) संचलन आदेश 1957 के खण्ड 3क में, परन्तु के पश्चात् निम्नलिखित परन्तु अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

‘परन्तु यह और कि इस खण्ड में की कोई बात आंध्र प्रदेश राज्य नागरिक पूर्ति नियम द्वारा नीचे के स्पष्टीकरण (1) की मद (1) में निर्दिष्ट सीमा क्षेत्र की बाबत चावल के परिवहन को लागू नहीं होगी।’

[स० 4(एस०आर०जी०)(1)/74-एण्ड०आर०(1), 30]

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION
(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 22nd June, 1976

G.S.R. 944.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order, further to amend the Rice (Southern Zone) Movement Control Order, 1957, namely :—

1 (1) This Order may be called the Rice (Southern Zone) Movement Control (Amendment) Order, 1976.

(2) It shall come into force at once.

2 In the Rice (Southern Zone) Movement Control Order, 1957, in clause 3A, after the proviso, the following proviso shall be inserted, namely :—

"Provided further that nothing contained in this clause shall apply to the transport of rice as respects the border area referred to in item (i) of the Explanation below, by the Andhra Pradesh State Civil Supplies Corporation."

[No. 4(SRZ)(1)/74 D&R(1)-30]

आदेश

सा० का० नि० 945—केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दक्षिण राज्य (आवक निर्यात का विनियमन) आदेश, 1964 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1. (1) इस आदेश का नाम दक्षिण राज्य (आवक निर्यात का विनियमन) (संशोधन) आदेश, 1976 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2. दक्षिण राज्य (आवक निर्यात का विनियमन) आदेश, 1964 के खण्ड 3 क में परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अन्तर्स्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

'परन्तुक यह और कि इस खण्ड में की कोई बात आन्ध्र प्रदेश राज्य नागरिक पूर्ण निगम द्वारा नीचे के स्पष्टीकरण 1 की मद (i) में विनिर्दिष्ट सीमा क्षेत्र की आवक आवक के ले जाने को लागू नहीं होगी।'

[म० 1 (एम आर जैड) (1)/71 एण्ड आर (I) 29]

ORDER

G.S.R. 945.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Southern States (Regulation of Export of Rice) Order, 1964, namely :—

1. (1) This Order may be called the Southern States (Regulation of Export of Rice) (Amendment) Order, 1976.

(2) It shall come into force at once.

2. In the Southern States (Regulation of Export of Rice) Order, 1964, in clause 3A, after the proviso, the following proviso shall be inserted, namely :—

"Provided further that nothing contained in this clause shall apply to the transport of rice as respects the border area referred to in item (i) of the Explanation 1 below, by the Andhra Pradesh State Civil Supplies Corporation."

[No. 4(SRZ)(1)/74-D&R(I)-29]

आदेश

सा० का० नि० 946—केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अन्तर्क्षेत्रीय गेहूं और गेहूं उत्पाद (मचलन नियंत्रण) आदेश, 1973 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1 (1) इस आदेश का नाम अन्तर्क्षेत्रीय गेहूं (मचलन नियंत्रण) संशोधन आदेश, 1976 है।

(2) यह आदेश तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2 अन्तर्क्षेत्रीय गेहूं और गेहूं उत्पाद (मचलन नियंत्रण) आदेश, 1973 में, खण्ड 3 में आरम्भिक पैरा में "कोई व्यक्ति निवाय केन्द्रीय सरकार या केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारी की लिखित अनुमति से गेहूं या किसी गेहूं उत्पाद का निर्यात या निर्यात करने का यत्न या निर्यात के लिये दृष्टेय नहीं करेगा" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा अर्थात् :—

'कोई व्यक्ति गेहूं या किसी गेहूं उत्पाद का निर्यात या निर्यात करने का यत्न या निर्यात के लिये दृष्टेय—

(i) केन्द्रीय सरकार या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा, या

(ii) राज्य सरकार या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा, दी गई अनुमति के अधीन और उसके अनुसार, इस शर्त के अधीन रहते हुए ही करेगा कि ऐसी अनुमतियों के अधीन निर्यात ऐसे विदेशों के अनुसार विनियमित किये जायेंगे जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर इस निमित्त जारी किये जायें।"

[म० 3 (जनरल) (5) 74-डी० एण्ड आर (I) 31]

का० बालकृष्णन, उप-सचिव

ORDER

G.S.R. 946.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Inter-Zonal Wheat and Wheat Products (Movement Control) Order, 1973, namely :—

1. (1) This Order may be called the Inter-Zonal Wheat and Wheat Products (Movement Control) Amendment Order, 1976.

(2) It shall come into force at once.

2. In the Inter-Zonal Wheat and Wheat Products (Movement Control) Order, 1973, in clause 3, in the opening paragraph, for the words "with the permission in writing of the Central Government or of an officer authorised in that behalf by the Central Government", the following shall be substituted, namely :—

"under, and in accordance with, a permit issued by :—

(i) the Central Government or by an officer authorised by it in this behalf, or

(ii) the State Government or an officer authorised in this behalf by that Government subject to the condition that the exports under such permits shall be regulated in accordance with such directions as may be issued by the Central Government in this behalf from time to time."

IPD/14438

[No. 3(Cenl) (5)/76-D&R(I)-31]

K. BALAKRISHNAN, Dy. Secy.